Weather Report
अधिकतम तापमान: 32.0c
न्यूनतम तापमान: 21.0c
हवा गति: 11 कि./घं.
जयपुर सूर्योदय समय
सुबह: 6.06

दैनिक
संजीवनी टुडे
sanjeevnitoday.com
समय के साथ बढ़ता अखबार

वर्ष: 11 अंक: 87 जयपुर, रविवार, 01 सितम्बर 2024 पृष्ठ:8 मूल्य: ‘1.50

अब होगी खुशियों की बात संजीवनी टुडे के साथ
जन्मदिवस, वैवाहिक वर्षगांठ एवं नियुक्ति बधाई संदेश
मात्र 1100/- में
साईज 8x8 cm
संजीवनी टुडे
e-mail: sanjeevnitoday@gmail.com

मोदी बोले- 10 साल में ग्लोबल इकोनॉमी 35% बढ़ी

भारतीय अर्थव्यवस्था में 90% इजाफा हुआ, देश को सुशासन देना हमारा संकल्प

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली में ईटी वर्ल्ड लीडर्स फोरम को संबोधित किया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि जब लोकसभा चुनाव के नतीजे आए थे, तो मैंने कहा था कि तीसरे कार्यकाल में हमारी सरकार तीन गुना तेजी से काम करेगी। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि अब इरादे और मजबूत हैं और देश के हर नागरिक की तरह सरकार भी उम्मीद और विश्वास से भरी हुई है। पीएम ने आगे कहा कि पिछले 10 साल में वैश्विक अर्थव्यवस्था केवल 35% बढ़ी है, जबकि भारतीय अर्थव्यवस्था इतने ही समय में लगभग 90% बढ़ी है। यह एक टिकाऊ विकास है जो हमारे देश ने हासिल किया है। यह लगातार आगे बढ़ता रहेगा। हमारा मंत्र लगातार सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन रहा है। देश की उपलब्धियों को देखते हुए हमारे देश की जनता भी अब आत्मविश्वास से भरी हुई है। पीएम मोदी ने कहा कि 100 दिन भी नहीं बीते हैं, हम भौतिक बुनियादी ढांचे को आधुनिक बनाने में लगे हैं। हम सामाजिक बुनियादी ढांचे का विस्तार कर रहे हैं। हम लगातार सुधारों को आगे बढ़ा रहे हैं। पिछले तीन महीनों में हमने गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं के लिए एक के बाद एक बड़े फैसले लिए हैं। हमने गरीबों के लिए तीन करोड़ नए घरों को मंजूरी दी है।

1 दशक में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पिछले 1 दशक में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं और ये लोग सिर्फ गरीबी से बाहर नहीं आए हैं, उन्होंने नव मध्यम वर्ग का निर्माण किया है। ये गति और पैमाना ऐतिहासिक है। हमने गरीबों के प्रति सरकार का नजरिया बदला है। उनके पास बैंक खाते नहीं थे, बुनियादी सुविधाएं नहीं थीं। इसलिए हमने उनकी बाधाएं दूर कीं। जिनके पास दशकों से बैंक खाते नहीं थे, वे आज अपने खातों से डिजिटल लेन-देन कर रहे हैं। जिनके लिए बैंकों के दरवाजे बंद थे। उन्हें आज बिना गारंटी के बैंक लोन मिल रहा है, वे आज उद्यमी बन रहे हैं। हमारे सरकार के तीसरे कार्यकाल को अभी 100 दिन भी नहीं हुए हैं। हम फिजिकल इंफ्रास्ट्रक्चर को आधुनिक बनाने में जुटे हैं। हम सोशल इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार कर रहे हैं। इन 100 दिनों के भीतर देश के 11 लाख ग्रामीण सामान्य परिवारों से 11 लाख नई लखपति दीदी निकलकर आई हैं।

भारत मंडपम में पीएम बोले- महिला सुरक्षा के लिए कठोर कानून मौजूद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के भारत मंडपम में आज जिला अदालतों की नेशनल कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा- आज महिलाओं के खिलाफ अत्याचार, बच्चों की सुरक्षा समाज की गंभीर चिंता है। देश में महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई कठोर कानून बने हैं। 2019 में सरकार ने फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट की स्थापना की थी। इसके तहत अहम गवाहों के लिए डिपोजिशन सेंटर्स का प्रावधान है। इसमें भी डिस्ट्रिक्ट मॉनिटरिंग कमेटी की भूमिका अहम है, जिसमें डिस्ट्रिक्ट जज, क्ख्र और ट्टघ्र शामिल होते हैं। इन कमेटी को और सक्रिय करने की जरूरत है। महिला अत्याचारों से जुड़े मामलों में जितनी तेजी से फैसले आएंगे, आधी आबादी को सुरक्षा का उतना ही अधिक आश्वासन मिलेगा। पिछले 10 साल में इसने 60,000 से एक लाख अधिक मेडिकल सीटें जोड़ी हैं। अगले पांच साल में 75,000 से अधिक सीटें जोड़ी जाएंगी। इसके अलावा अब हमारा संकल्प दुनिया भर में हर खाने की मेज पर 'मेड-इन-इंडिया' उत्पाद सुनिश्चित कराना है। पीएम ने आगे कहा कि पिछले 10 साल में वैश्विक अर्थव्यवस्था केवल 35% बढ़ी है, जबकि भारतीय अर्थव्यवस्था इतने ही समय में लगभग 90% बढ़ी है। यह एक टिकाऊ विकास है जो हमारे देश ने हासिल किया है। यह लगातार आगे बढ़ता रहेगा।

दिल्ली कोचिंग हादसा- 6 आरोपी सीबीआई रिमांड पर भेजे गए

जांच एजेंसी ने कोर्ट में कहा- कोचिंग मालिक ने जानबूझकर बेसमेंट का इस्तेमाल किया

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। दिल्ली कोचिंग हादसा मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने शनिवार को 6 आरोपियों को चार दिन की सीबीआई की हिरासत में भेजा है। कोर्ट ने कहा इस मामले की निष्पक्ष जांच करने के लिए इनका हिरासत में रहना जरूरी है। सीबीआई हिरासत में भेजे गए आरोपियों के नाम अभिषेक गुप्ता, देशपाल सिंह, तजिंदर सिंह, हरविंदर सिंह, सरबजीत सिंह और परविंदर सिंह हैं। इन्हें चार सितंबर तक सीबीआई कस्टडी में रहना होगा। वहीं, सीबीआई ने कोर्ट को बताया कि राव आईएएस के मालिक ने जानबूझकर बेसमेंट का इस्तेमाल किया था। ओल्ड राजेंद्र नगर एक निचला इलाका है। यहां थोड़ी सी बारिश में पानी बेसमेंट में घुस जाता है। इसके बावजूद कोंचिग मालिक ने इसे रोकने के लिए पुख्ता इंतजाम नहीं किए थे। दरअसल, 27 जुलाई को राउ आईएएस कोचिंग के बेसमेंट में स्थित लाइब्रेरी में पानी भरने से तीन स्टूडेंट्स की मौत हो गई थी। एउक्र ने दिल्ली के ओल्ड राजिंदर नगर की राउ कोचिंग के मालिक अभिषेक गुप्ता के खिलाफ केस दर्ज किया है। सीबीआई की टीम 7 अगस्त को कोचिंग सेंटर पहुंची थी और बेसमेंट की जांच की। दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के बाद सीबीआई ने पुलिस से 6 अगस्त को ये केस अपने में हाथ

लिया था। सीबीआई से पहले दिल्ली पुलिस ने अभिषेक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। कोचिंग हादसा 27 जुलाई की रात को हुआ था। जब छात्र कोचिंग की बेसमेंट की लाइब्रेरी में पढ़ाई कर रहे थे, तभी तेजी से बारिश का पानी भर गया और तीन छात्र श्रेया यादव, नेविन डॉल्विन और तान्या सोनी की डूबने से मौत हो गई। इस मामले में अब तक 7 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट, दिल्ली हाई कोर्ट और राउज एवेन्यू कोर्ट में चल रही है। दिल्ली हाईकोर्ट ने 2 अगस्त को इस मामले की जांच एउक्र को सौंपी है। आदेश दिया है कि जांच की निगरानी सेंट्रल विजिलेंस कमेटी के अधिकारी करेंगे। कोर्ट ने कहा था, 'लोगों को जांच पर शक न हो, साथ ही सरकारी कर्मचारियों के भ्रष्टाचार में शामिल होने से जांच प्रभावित न हो, इसलिए यह फैसला लिया गया है।

हरियाणा विधानसभा चुनाव की तारीख बदली

1 अक्टूबर की जगह 5 अक्टूबर को वोटिंग, जम्मू-कश्मीर-हरियाणा के नतीजे 8 अक्टूबर को आएंगे

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। हरियाणा विधानसभा चुनाव की तारीख चुनाव आयोग ने बदल दी है। 90 सीटों पर चुनाव 1 अक्टूबर की जगह अब 5 अक्टूबर को होंगे। रिजल्ट 8 अक्टूबर को आएगा। आयोग ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के भी नतीजे 8 अक्टूबर को घोषित करने का ऐलान किया है। पहले दोनों राज्यों के नतीजे 4 अक्टूबर को आने वाले थे। चुनाव आयोग ने कहा कि राजस्थान की ऑल इंडिया बिश्नोई महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने हमसे तारीख बदलने की मांग की थी। उनका कहना था कि कई पीढ़ियों से पंजाब, राजस्थान और हरियाणा के कई परिवार गुरु जम्भेश्वर की याद में बीकानेर जिले में 'असोज' महीने की अमावस्या के दौरान पैतृक गांव मुकाम में सालाना उत्सव में भाग लेते हैं। इस साल यह उत्सव 2 अक्टूबर को पड़ रहा है। इसके चलते सिरसा, फतेहाबाद और हिसार के हजारों बिश्नोई परिवार मतदान के दिन राजस्थान की यात्रा करेंगे, जिससे वे 1 अक्टूबर को वोट नहीं डाल पाएंगे। बिश्नोई समाज की वेबसाइट से मिली जानकारी के मुताबिक भिवानी, हिसार, सिरसा और फतेहाबाद जिलों में बिश्नोई बाहुल्य गांव हैं। इनका असर करीब 11 विधानसभा क्षेत्रों में है। जिनमें करीब डेढ़ लाख वोट है। इसमें आदमपुर, उकलाना,

नलवा, हिसार, बरवाला, फतेहाबाद, टोहाना, सिरसा, डबवाली, ऐलनाबाद, लोहारू विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। हरियाणा में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने चुनाव आयोग को लेटर लिखकर कहा था कि 28 और 29 सितंबर को शनिवार-रविवार है। 1 अक्टूबर को वोटिंग होगी, जबकि 2 अक्टूबर को गांधी जयंती और 3 अक्टूबर को अग्रसेन जयंती की छुट्टी है। इतनी लंबी छुट्टियों में वोटर बाहर घूमने निकल जाएंगे। इससे वोटिंग कम हो सकती है। बड़ौली ने लेटर में यह भी बताया कि 2 अक्टूबर को राजस्थान में मुकाम धाम में असोज का मेला शुरू होगा। यह बिश्नोई समाज का बड़ा धार्मिक कार्यक्रम है।

भाजपा की मांग का समर्थन किया

आईएनएलडी महासचिव अभय सिंह चौटाला ने मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र लिखकर 1 अक्टूबर को होने वाले मतदान की तारीख को आगे बढ़ाने की भाजपा की मांग का समर्थन किया था। उन्होंने लेटर में लिखा, चूंकि लोग आमतौर पर वीकेंड पर छुट्टियों पर जाते हैं, इसलिए यह निश्चित रूप से मतदान को प्रभावित करेगा। मत प्रतिशत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा और मतदान प्रतिशत में 15 से 20 प्रतिशत की कमी होने की संभावना है।

कांग्रेस का दावा- कोलकाता केस की पीड़ित का परिवार नजरबंद

अधीर रंजन बोले- डॉक्टर की फैमिली को पैसे ऑफर, ताकि शव का अंतिम संस्कार जल्दी हो

■ संजीवनी टुडे

कोलकाता। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कोलकाता रेप-मर्डर केस की पीड़ित के माता-पिता के नजरबंद होने का दावा किया। उन्होंने शनिवार को कहा कि वे ट्रेनी डॉक्टर के परिवार से मुलाकात की है। पुलिस ने उन्हें हॉउस अरेस्ट करके रखा है। उन्हें बाहर नहीं निकलने दिया जा रहा। उनके चारों ओर मोर्चाबंदी कर दी गई है। सीआईएसएफ को इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। पीड़ित के परिवार को पुलिस की तरफ से पैसे की पेशकश भी की गई थी, ताकि वे बेटी का अंतिम संस्कार जल्दी कर सकें। यह सब राज्य सरकार के निर्देश पर किया गया था। आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में 8 अगस्त की रात को ट्रेनी डॉक्टर का रेप-मर्डर हुआ था। 9 अगस्त की सुबह डॉक्टर की बॉडी मिली। इसके बाद देशभर के डॉक्टर सड़क पर उतर आए थे। सुप्रीम कोर्ट की अपील के बाद कई अस्पतालों के डॉक्टरों ने हड़ताल कैंसिल कर दी। हालांकि प्रदर्शन जारी है। इनमें घटना के बाद क्राइम सीन पर 10-12 लोग दिखाई दे रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि ट्रेनी डॉक्टर से रेप और मर्डर के बाद क्राइम सीन पर पुलिस के अलावा भी लोग वहां गए।

ममता अपनी जिम्मेदारियों से बच रहीं: अधीर

अधीर रंजन ने कहा कि टीएमसी बंगाल के लोगों का ध्यान भटकाने के लिए कह रही है कि सीबीआई कुछ नहीं कर रही है। सीएम ममता बनर्जी सीबीआई को निशाना बनाकर खुद अपनी जिम्मेदारी से बचना चाहती हैं। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि पश्चिम बंगाल सरकार और पुलिस की जिम्मेदारी है कि वे सीबीआई का सहयोग करें या उसकी कमियों को तथ्यों के साथ बताएं। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि जब सीबीआई ने जांच अपने हाथ में ली, तो सीएम ममता बनर्जी अपनी जिम्मेदारियों से भाग गईं। इस मामले की जांच को गुमराह करने की कोशिश की गई, ताकि कोई भी राज्य सरकार को दोष न दे। जिसके कारण अब तक हमें नहीं पता कि इस मामले में असली अपराधी कौन है। डॉक्टर के रेप-मर्डर के विरोध में जूनियर डॉक्टर्स रविंद्र भारती यूनिवर्सिटी के पास 31 अगस्त को प्रदर्शन कर रहे थे। इस दौरान एक शख्स शराब के नशे में बाइक लेकर घुस गया, उसने एक छात्र को टक्कर मार दी। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। वह कोलकाता पुलिस का सिविक वालंटियर था, उसकी बाइक पर पुलिस का स्टीकर भी लगा था। रेप-मर्डर केस का आरोपी संजय रॉय भी कोलकाता पुलिस में सिविक वॉलंटियर था। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में 8-9 अगस्त की रात ट्रेनी डॉक्टर से रेप और मर्डर केस में सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें वायरल हो रही हैं।

शंभू बॉर्डर पर किसान आंदोलन में पहुंचीं विनेश फोगाट

■ संजीवनी टुडे

सम्मान किया गया, बोलीं- हक मांगने वाला हर व्यक्ति राजनेता नहीं होता, धर्म से भी ना जोड़ें

अमृतसर। पेरिस ओलिंपिक से डिसक्वालिफाई हुईं पहलवान विनेश फोगाट आज शनिवार को पंजाब-हरियाणा के शंभू बॉर्डर और खनौरी बॉर्डर पर चल रहे किसान आंदोलन में पहुंचीं। यहां किसान नेताओं ने मंच पर उनको सम्मानित किया। किसानों की तरफ से आंदोलन को 200 दिन पूरे होने पर यहां कार्यक्रम रखा गया था। इस मौके पर विनेश फोगाट ने कहा- ''आज किसानों को यहां बैठे 200 दिन हो गए, लेकिन जोश पहले दिन जैसा ही है। आपकी बेटी आपके साथ है। मैं सरकार को कहती हूं कि देश के लोग हक की आवाज उठाते हैं तो हर बार यह पॉलिटिकल नहीं होता। इसे किसी धर्म से नहीं जोड़ना चाहिए। विनेश ने आगे कहा- ''मैं सरकार से आग्रह करती हूं कि उन्हें सुनना चाहिए। उन्होंने पिछली बार अपनी गलती स्वीकार की थी। उन्हें अपने वादे पूरे करने चाहिए। इसे हल करना सरकार की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए।'' विनेश फोगाट ने कहा कि किसानों के बिना हमारे देश में कुछ भी नहीं है। किसानों के साथ-साथ देश के जवान हैं, देश के खिलाड़ी हैं और किसान हमारे अन्नदाता हैं। दिल्ली में खिलाड़ियों के आंदोलन पर बोलते हुए विनेश ने कहा कि अगर पंजाब और हरियाणा के किसान दिल्ली में आंदोलन में हमारा साथ नहीं देते तो आज भारतीय जनता पार्टी की सरकार हमें सलाखों के पीछे डाल देती। किसानों ने हमारा साथ दिया और हम उस लड़ाई को लड़ने में सफल रहे। विनेश ने कहा कि आज किसान अपने हक के लिए जो लड़ाई लड़ रहे हैं, उस लड़ाई में हम हमेशा किसानों के साथ खड़े रहेंगे और एक ऐसा वर्ग है। जो कड़ी तपस्या के बाद पूरे देश के लिए अन्न पैदा करता है। लेकिन मौजूदा सरकार की गलत नीतियों के कारण आज हमारे अन्नदाता सड़कों पर बैठने को मजबूर हैं। विनेश ने कहा कि लड़ाई कितनी भी लंबी क्यों न हो, हम जीतकर ही वापस जाएंगे।

डेंगू की मार आमजन पर दिखने लगी

डेंगू के लक्षण बदले, पहले सामान्य, फिर गंभीर हो रहा, रोज 600 मरीज मिल रहे, इनमें 60 को भर्ती की जरूरत

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। बारिश का दौर थमा भी नहीं है कि डेंगू की मार आमजन पर दिखने लगी है। एसएमएस अस्पताल से लेकर जेके लोन, गणगौरी, कांवटिया सहित निजी अस्पतालों में रोजाना डेंगू के मरीज सामने आ रहे हैं। आंकड़ों की मानें तो हर दिन 600 से अधिक डेंगू मरीज आ रहे हैं और इनमें 10 प्रतिशत गंभीर अवस्था तक पहुंच रहे हैं। यानी 60 मरीजों को आईसीयू में भर्ती करना पड़ रहा है। अन्य वर्षों की मुकाबले इस बार डराने वाली बात यह है कि पहले डेंगू के सामान्य लक्षण दिखाई देते हैं और फिर अचानक मरीज गंभीर स्थिति में आ जाता है। डॉक्टर्स के लिए भी यह चौंकाने वाली बात है, क्योंकि इलाज में जरा भी देरी से डेंगू बिगड़ रहा है। डॉक्टर्स की मानें तो ऐसे केस में मौत का खतरा 20% तक बढ़ जाता है। कमजोर लक्षणों से हो रही शुरुआत; डेंगू के कई केस ऐसे भी आ रहे हैं, जिनमें बुखार नहीं के बराबर है या काफी कम है। यानी पहले जहां डेंगू में सामान्य रूप से 103-104 डिग्री सेल्सियस बुखार होता था, अब 100 तक ही आ रहा है। साथ ही उल्टी, भूख कम लगना, ज्यादा कमजोरी और उम्मीद के मुताबिक प्लेटलेट्स कम नहीं होने जैसे लक्षण सामने आ रहे हैं।

3 से 7 दिनों बाद शुरू होता सीवियर डेंगू

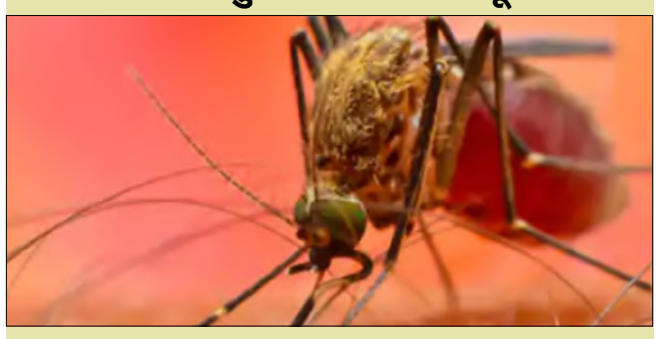

उपचार समय पर शुरू कर दिया जाए तो मृत्यु की संभावना 0.05% रह जाती है। शुरुआती इलाज के दौरान जांच में डेंगू की पुष्टि होती है। तीन से सात दिन बाद मरीज को सीवियर डेंगू के लक्षण दिखने लगते हैं, जिसमें सबसे आम लक्षण मरीज का शरीर ठंडा पड़ना है। इसके अलावा उल्टियां, बहुत ज्यादा पेट में दर्द, तेज सांस चलना, शरीर में पानी भरने लगना, मसूड़ों और नाक में से खून बहना, सुस्ती और बैचेनी, लिवर में सूजन जैसे लक्षण सामने आते हैं। बुजुर्गों की अपेक्षा जवान लोगों में (20-30 वर्ष) गंभीर डेंगू के मामले ज्यादा देखने को मिल रहे हैं। 4 तरह का होता है डेंगू; डेंगू 4 तरह डीईएन-1, डीईएन-2, डीईएन-3 और डीईएन-4 का होता है। सभी को सीरोटाइप कहा जाता है, क्योंकि हर मानव रक्त सीरम में एंटीबॉडी के साथ अलग व्यवहार करता है। इसमें अलग वायरस की पुष्टि तो नहीं हुई है, लेकिन शरीर में अलग तरह से रिएक्ट कर रहा है। ऐसे में इसकी पहचान भी मुश्किल है। अचानक चक्कर, सूजन, हल्का बुखार या कमजोरी दिखें तो डेंगू की जांच कराएं। एंटीबायोटिक्स का इस्तेमाल डॉक्टर की सलाह से ही करें और खूब पानी पीयें।

जयपुर-श्रीगंगानगर बाईपास से जुड़ेगा ग्रीन एक्सप्रेस-वे

नए एक्सप्रेस-वे से 45 किमी घटेगी कोटपूतली की दूरी, 6 से घट कर अब 3 घंटे का होगा सफर

■ संजीवनी टुडे

बीकानेर। बजट में राज्य सरकार ने प्रदेश में 9 ग्रीन एक्सप्रेस बनाने की घोषणा की थी। अब इस काम को गति देने का आदेश है। इसी कड़ी में बीकानेर से कोटपूतली तक एक ग्रीन एक्सप्रेस बनेगा। उसकी डीपीआर बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। इस हाई-वे के बनने के बाद बीकानेर से कोटपूतली की दूरी तो सिर्फ 45 किमी कम होगी लेकिन समय 6 की जगह सिर्फ 3 घंटे लगेगा। वजह ये कि एक्सप्रेस वे पर गाड़ियों की स्पीड बढ़ जाएगी। नोएडा, गुड़गांव, दिल्ली और आगरा-मथुरा समेत कई शहरों की घट जाएगी दूरी। सरकार की ओर से इसके डीपीआर बनाने के आदेश दिए गए हैं। इसके बाद सर्वे होगा। सूत्रों के मुताबिक ये हाइवे बीकानेर में एनएच-11 और एनएच-62 के कटाव बिंदु से शुरू होगा। यानी जयपुर-श्रीगंगानगर बाईपास से ये हाइवे शुरू होगा और कोटपूतली में एनएच-148 बी यानी पनियाला मोड से जुड़ेगा। इस हाई-वे से ये बीकानेर से कोटपूतली 295 किलोमीटर होगा। अभी जिस हाइवे से कोटपूतली जाते हैं उसमें 340 किलोमीटर दूरी और समय 6 घंटे लगता है। नए ग्रीन एक्सप्रेस-वे के निर्माण में करीब 11000 करोड़ रुपए की लागत आएगी। सरकार ने एक बार 10839 करोड़ मंजूर किए हैं। सभी एक्सप्रेस-वे की लंबाई 2756 किलोमीटर और लागत 102151 करोड़ रुपए आंकी गई है। डीपीआर बनने और टेंडर होने के बाद इसमें कम ज्यादा होना संभव है। अगर किसी को बीकानेर से गुडगांव जाना है तो ग्रीन एक्सप्रेस-वे सबसे बेहतर होगा। कोटपूतली से गुडगांव सिर्फ 125 किमी रह जाता है। बीकानेर से कोटपूतली 3 घंटे और डेढ़ घंटे कोटपूतली से गुडगांव। यानी साढ़े चार घंटे में गुडगांव पहुंचा जा सकता है। इसी तरह कोटपूतली से दिल्ली 165 किमी। यानी करीब पांच घंटे में बाई रोड बीकानेर से दिल्ली पहुंच सकते हैं। जयपुर भी साढ़े चार घंटे में जाया जा सकता है।

बीफ रखने के शक में ट्रेन में बुजुर्ग से मारपीट

लोग तमाशा देखते रहे, घटना का वीडियो वायरल, 5 से ज्यादा लोगों के खिलाफ एफआईआर

■ संजीवनी टुडे

मुंबई। महाराष्ट्र में चलती ट्रेन में एक बुजुर्ग से मारपीट की घटना सामने आई है। साथी पेसेंजर्स ने बुजुर्ग पर बीफ लेकर चलने का आरोप लगाते हुए उन्हें थप्पड़ मारे और गालियां भी दीं। इस दौरान ट्रेन में बैठे बाकी लोग चुपचाप तमाशा देखते रहे। घटना कुछ दिन पहले इगतपुरी के पास धुले एक्सप्रेस में घटी थी। इसका वीडियो सामने आने के बाद ठाणे जीआरपी ने पांच से ज्यादा पैसेंजर्स के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। सांसद इम्तियाज जमील ने वीडियो शेयर करते हुए सरकार और पुलिस की निंदा की। वायरल वीडियो के मुताबिक बुजुर्ग और मारपीट करने वाले पैसेंजर्स के बीच सीट को लेकर विवाद शुरू हुआ था। वीडियो में दिख रहा है कि करीब 10-12 लोगों की भीड़ बुजुर्ग को घेरकर उन्हें धमकाती है। इसके बाद भीड़ उनके डिब्बे खोलकर देखती है, जिसमें नॉन-वेज दिखता है। इसे लेकर भीड़ उनसे पूछती है कि इन डिब्बों में क्या है? कहां जा रहे हो? कहां से आए हो? वहां बकरियां नहीं हैं क्या? इस मांस को कितने लोग खाने वाले हैं? इस दौरान बुजुर्ग शख्स उन्हें बताता है कि डिब्बों में गौमांस नहीं, बल्कि बकरी का मीट है।

रेलवे कमिश्नर बोले- हमने दो आरोपियों की पहचान कर ली है

रेलवे कमिश्नर ने इस घटना की पुष्टि की है और बताया है कि इस मामले में क्क्रट दर्ज की गई है। रेलवे पुलिस उन पैसेंजर्स की तलाश कर रही है, जिन्होंने बुजुर्ग के साथ मारपीट की। वीडियो वायरल होने के बाद क्क्रट्ट ने विक्टिम से संपर्क किया, जिन्होंने पहले शिकायत दर्ज कराने से इनकार कर दिया था। पुलिस ने दो आरोपियों की पहचान की है, जो धुले के रहने वाले हैं। उन्हें ढूंढ़ने के लिए पुलिस की टीम को धुले भेजा गया है। बुजुर्ग व्यक्ति भीड़ से विनती करता हुआ दिखाई देता है, लेकिन भीड़ उनसे मारपीट करती रहती है। बुजुर्ग व्यक्ति भीड़ को बताता है कि वह जलगांव में रहता है और मालेगांव में रहने वाले अपनी बेटी के घर मीट लेकर जा रहा है। लेकिन इस जवाब से भीड़ संतुष्ट नहीं हुई और बुजुर्ग से सवाल-जवाब करती रही। इसके साथ ही इस लोग इस वाकये का वीडियो बनाते रहे। इस पूरे घटनाक्रम के दौरान बुजुर्ग कहता है कि उसके डिब्बों में भैंस की मीट है।

खबरें फटाफट

बूरे खुर्द से भर्तृहरि बाबा की पदयात्रा 6 सितंबर को होगी रवाना

■ संजीवनी टुडे

रैणी(अलवर)। उपखंड क्षेत्र के ग्राम बूरे खुर्द से आठवीं भर्तृहरि बाबा की पदयात्रा 6 सितंबर को डीजे की धुन पर रवाना होगी। पदयात्रा कार्यकारिणी सदस्य मोंटू सैनी ने बताया कि पद यात्रा के भर्तृहरि धाम पहुंचने के बाद पूजा अर्चना कर ध्वजा चढ़ाई जाएगी और भंडारे का आयोजन होगा। जिसमें भक्तगणों को प्रसाद वितरण किया जाए। कार्यकारिणी सदस्य मोंटू सैनी ने बताया कि पदयात्रा 06 सितंबर को बुरे खुर्द गांव के महादेव जी के मंदिर से प्रातः 9:15 बजे पूजा अर्चना के साथ रवाना होगी इसके बाद पदयात्रा का रात्रि विश्राम नटनी का बारा स्थान पर होगा। अगले दिन नटनी का बारा से प्रातः 4 भर्तृहरि धाम के लिए रवाना होगी वहां पहुंचने के बाद पूजा अर्चना कर ध्वजा चढ़ाकर प्रसाद वितरित करके अपने घर को रवाना होंगे।

कल्लाजी महाराज का दो दिवसीय मेला 7 सितंबर से

■ संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत पलवा में स्थित कल्लाजी महाराज का दो दिवसीय मेला हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 7 से 8 सितंबर को आयोजित होगा। 7 सितंबर की रात्रि को भगवान शिव का ब्यावला व 8 सितंबर को सुबह 11 बजे से भंडारे के साथ-साथ शाम तक कल्लाजी महाराज का मेला भरेगा। यह जानकारी स्थानीय सरपंच फीता कालू मीणा द्वारा दी गई।

आईआईएस यूनिवर्सिटी की डॉ. नीरू जैन सम्मानित

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। भारत के जयपुर में आईआईएस (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी)के आभूषण

डिजाइनिंग विभाग की डॉ. नीरू जैन को डॉ. निकोलस एडो टेटेह को एसोसिएट प्रोफ़ेसर के पद पर पदोन्नत करने में एक मूल्यांकनकर्ता के रूप में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए सम्मान दिया गया है। उनके गहन मूल्यांकन और व्यावहारिक प्रतिक्रिया ने इस प्रक्रिया को बहुत समृद्ध किया है। यह सम्मान डॉ. हिला लिमन तकनीकी विश्वविद्यालय, घाना के रजिस्ट्रार की ओर से दिया गया है।

राष्ट्रीय खेल दिवस 2024 का हुआ समापन समारोह

■ संजीवनी टुडे

सलूम्बर।राष्ट्रीय खेल दिवस 2024 का समापन समारोह हुआ।जिला सहायक नोडल प्रभारी एवं राष्ट्रीय फुटबॉल कोच कन्हैयालाल बारबर ने बताया कि खेल मंत्रालय भारत सरकार एवं राज्य क्रिडा प्ररिषद जयपुर एवं जिला प्रशासन सलूम्बर तत्वाधान में राष्ट्रीय खेल सप्ताह के अंतिम दिन ग्राम पंचायत भालडिया के ग्राउण्ड में महिला वर्ग में रानी लक्ष्मी बाई वर्सेज सावित्रि बाई फुले के बीच फुटबाल मैच खेला गया।जिसमें रानी लक्ष्मी बाई ने फाईनल मैच जीतकर ट्रॉफी पर कब्जा किया।वहीं पुरूष वर्ग में मंगल पाण्डे वर्सेज सुखदेव के बीच मैच फुटबॉल मैच खेला गया।जिसमें मंगल पाण्डे की टीम ने फाईनल मैच जीता। राष्ट्रीय खेल सप्ताह के समापन समारोह की अध्यक्षता भालडिया सरपंच धलचन्द मीणा ने की।वही मुख्य अतिथि जिला नोडल प्रभारी मनीष पटेल,विशिष्ठ अतिथि विमल चौबीसा सहायक नोडल प्रभारी ने की। मंच संचालन कन्हैयालाल बारबर (जिला सहायक नोडल प्रभारी एवं राष्ट्रीय फुटबॉल कोच) ने किया। समापन समारोह में नोडल प्रभारी मनीष पटेल द्वारा राष्ट्रीय खेल सप्ताह 26 से 31 अगस्त तक विभिन्न स्थानो पर आयोजित कार्यक्रमों की जानकारी दी गई।

शिल्पग्राम में ''गुड्डी एण्ड द सिटी ऑफ अनबोर्न किड्स का मंचन स्थगित

■ संजीवनी टुडे

उदयपुर। रविवार 1 सितम्बर को शिल्पग्राम के दर्पण सभागार में पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर द्वारा आयोजित मासिक नाट्य संध्या 'रंगशाला' में ''गुड्डी एण्ड द सिटी ऑफ अनबोर्न किड्सङ्क नाटक का मंचन निर्देशक एवं कलाकारों के परिवार में बड़ा चिकित्सीय हादसा होने के स्थगित कर दिया गया है। यह जानकारी पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर के निदेशक फुरकान खान ने दी। लेकिन उन्होंने बताया कि नाटक के दर्शकों और कलाप्रेमियों को निराश होने की ज़रूरत नहीं पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र अगले सप्ताह ही दिनांक 6 से 8 सितंबर तक तीन नाटकों का उत्सव लेकर आ रहा है । सभी कला प्रेमी कृपया दिनांक 6 से 8 सितंबर तक का समय नोट कर लें । बहुत ही अच्छे नाटकों का मंचन होगा ।

शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री दिलावर रविवार को उदयपुर में

■ संजीवनी टुडे

उदयपुर। प्रदेश के शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर रविवार 1 सितंबर की सुबह 7.15 रेल से उदयपुर पहुंचेंगे। वे सुबह 11 बजे मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के विवेकानंद सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शरीक होंगे। मंत्री दिलावर अपराह्न 3 बजे पंचायत समिति गिर्वा कार्यालय परिसर में घुमंतु जातियों के परिवारों के साथ संवाद करेंगे। वे शाम 5 बजे आरएससीईआरटी में विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेंगे। वे रात्रि 8 बजे सड़क मार्ग से कोटा के लिए प्रस्थान कर जाएंगे।

पिण्डवाडा के जवारिया कृषि कुए के पास आया 8 फीट लंबा मगरमच्छ, वन विभाग ने किया रेस्क्यू

पत्रकार विकास पटेल के सहयोग से वन विभाग ने मगरमच्छ का किया रेस्क्यू

■ संजीवनी टुडे

पिण्डवाडा। नगर के तालाब के समीपवर्ती स्थित जवारिया कृषि कुए पर जाने वाले रास्ते के बीचों बीच शुक्रवार रात्रि विशालकाय मगरमच्छ के अचानक आने की खबर से हड़क्रंप मच गया। नगर में इसकी जानकारी फैलते ही देखने के लिए लोगो की भीड इक्टठा हो गई। पत्रकार विकास पटेल ने वनविभाग को इतिला दीम्जिसके बाद तुरन्त प्रभाव से मौके पर पंहुची वनविभाग की टीम ने रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर छोडा गया। जानकारी के अनुसार पिछले कई समय से पिण्डवाडा के तालाब में लोगो द्वारा मगरमच्छ देखे जाने की चर्चा चल ही रही है।

सुरक्षा के लिहाज से लोगो द्वारा तालाब के पास न जाने की सलाह भी दी जा रही है। जबकि शुक्रवार रात्रि को तालाब की पाल के करीब से जाने वाले कृषि कुए के मार्ग में खेत से कार्य कर घर की ओर लौट रहे लोगों की नजर मगरमच्छ पर पड़ी, विशालकाय मगरमच्छ को देख डर गए। देखते ही देखते सोशल मिडिया के माध्यम से यह खबर नगर में फैल गई। तथा मगरमच्छ को देखने के लिए मौके पर लोगो की भीड का मजमा लग गया। इसी बीच वहा पंहुचे समाजसेवी एवं पत्रकार विकास पटेल ने वनविभाग के उच्चाधिकारीयों को अवगत कराया गया। जिस पर वन विभाग की टीम सूचना पर तुरंत प्रभाव से मौके पर पहुंची। वन विभाग के रेंजर प्रेम प्रकाश के नेतृत्व में बड़े अथक प्रयासों के बाद 8 फीट से भी बडे लंबे विशालकाय मगरमच्छ का सफल रेस्क्यू कर लिया गया। वन विभाग की टीम ने मगरमच्छ का रेस्क्यू कर पिंडवाड़ा उपखंड क्षेत्र के सिवेरा गांव के स्वरुप सागर बांध में छोड़ दिया।

इनकी रही मौजूदगी

इस दौरान वन विभाग के सहायक वनपाल शान्ति वनरक्षक, विरेन्द्र कुमार वनरक्षक अरुण,मुकेश कुमार वनरक्षक,महेंद्र कुमार गर्ग होमगार्ड, चुन्नीलाल होमगार्ड,सुरेश कुमार होमगार्ड, दैनिक संजीवनी टुडे व दैनिक खबर मारवाड़ के पत्रकार विकास कुमार पटेल, पालिका जमादार कमलेश भाटी, देवेन्द्र,जगदीश, सुमेर सिंह,रामाराम सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

खेल सप्ताह: विभिन्न खेलों का किया आयोजन

■ संजीवनी टुडे

बूंदी। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भैरूपुरा ओझा बूंदी, में राजस्थान सरकार के आदेश अनुसार खेल दिवस के उपलक्ष में खेल सप्ताह का आयोजन किया जा रहा था जिसके समापन में राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड बूंदी के, तत्वाधान में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भैरूपुरा ओझा में स्काउट एवं रोवर प्रभारी गिरिराज बैरवा के निर्देशन में सभी स्काउट एवं गाइड, रोवर रेंजर कब और बुलबुल के समस्त छात्र-छात्राओं ने अनेक प्रकार के खेलों में भाग लिया। खेल सप्ताह के समापन के अवसर पर प्रधानाचार्य जगमोहन मीणा, वाइस प्रिंसिपल महे शर्मा, स्काउट एवं रोवर प्रभारी गिरिराज बैरवा वरिष्ठ अध्यापक (संस्कृत),शारीरिक शिक्षक शिवराज गोचर, कंप्यूटर अनुदेशक जयकुमार असेरी, हेल्थ एंड वैलनेस प्रभारी भुवनेश शर्मा यूथ एवं इको क्लब प्रभारी कमलेश मेहरा, और समस्त स्टाफ उपस्थित रहे । इसी क्रम में कार्यक्रम में स्काउट और रोवर कब और बुलबुल के बच्चों ने ग्रुप बनाकर बैडमिंटन, खो-खो कबड्डी,रुमाल झपटा, चम्मच दौड आदि खेलों में भाग लिया।

युवा कांग्रेस ने भाजपा प्रभारी का पुतला फुककर विरोध प्रदर्शन किया

■ संजीवनी टुडे

पिण्डवाडा। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रभारी द्वारा कांग्रेस के पुर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं पुर्व उपमुख्यमंत्री रहे सचिन पायलट पर टिप्पणी से खफा कांग्रेसीयों द्वारा पुरे प्रदेश में लगातार विरोध प्रर्दशन किया जा रहा है। पिण्डवाडा उपखण्ड मुख्यालय पर युथ कांग्रेस के नेतृत्व में पुतला फूंक कर विरोघ प्रर्दशन किया गया। जानकारी के अनुसार युवा कांग्रेस पिण्डवाडा आबू के युवा नेता निकेश रावल के नेतृत्व मे भाजपा प्रदेश प्रभारी राधा मोहनदास अग्रवाल द्वारा वरिष्ट कांग्रेसी नेताओं पर की गई अमर्यादित टिप्पणी की लेकर युवा कांग्रेस द्वारा विरोध प्रदर्शन कर पुतला फूक कर विरोध प्रर्दशन करते हुए भाजपा प्रदेश प्रभारी से माफी मांगने की मांग की है। युथ कांग्रेस द्वारा आयोजित भाजपा प्रदेश प्रभारी के पुतला दहन विरोध कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ता द्वारा जमकर नारेबाजी की

गई। इस मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष व पुर्व विधायक गंगाबेन गरासिया,पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष राकेश रावल, प्रेमाराम देवासी,पिंण्डवाड़ा आबू विधानसभा अध्यक्ष अशोक गरासिया,पालिका नेता प्रतिपक्ष संजय गर्ग,पंचायत समिति सदस्य बलवंत चौधरी,कांग्रेस नगर अध्यक्ष सुरेश रावल,नरेश रावल, दिलशेर खान,सरपंच ललिता गरासिया गणका, पार्षद छगन बी.टांक, पार्षद अरविन्द गवारिया,परबत सिंह काबा, प्रकाश मीणा,जयेश रावल, शान्तू गमेती, मयूर सिंह चवरली,शैलेश परिहार, भुवनेश मीणा, राजवीर सिंह अजारी, शाहरुक खान,हार्दिक रावल,किशन मीणा,फिरोज खान, संजय गरासिया, प्रकाश गरासिया, नारायण लाल, नितिन चारण,पप्पू गरासिया, शंकर देवासी,चोपाराम देवासी, ईश्वर दास,भूपेंद्र परमार,विदया सिंदल सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

टेबल टेनिस प्रतियोगिता में भूपेंद्र मीना एवं खो-खो प्रतियोगिता में रवीना मीना एण्ड टीम रही विजय

■ संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर) । कस्बे के राजकीय महाविद्यालय में शनिवार को राष्ट्रीय खेल दिवस के तहत आयोजित हो रहे खेल सप्ताह का समापन प्राचार्य डॉ के एल मीना की अध्यक्षता में किया गया। खेल प्रभारी डॉ भगत सिंह ने बताया कि शनिवार को खेल के प्रथम सत्र में टेबल टेनिस प्रतियोगिता में भूपेंद्र मीना एवं खो-खो प्रतियोगिता में रवीना मीना एण्ड टीम विजय रही। द्वितीय सत्र में खेल सप्ताह का समापन समारोह आयोजित किया गया जिसमें प्राचार्य डॉ के एल मीना ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। खेल प्रभारी डॉ भगत सिंह ने खेल सप्ताह प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन खेल सह संयोजिका डॉ आंचल मीना ने एवं धन्यवाद ज्ञापन खेल समिति सदस्य योगेंद्र सिंह सेहरा ने किया। खेल में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मेजर ध्यानचंद ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर खेल संयोजक डॉ जगफूल मीना, वरिष्ठ संकाय सदस्य प्रो. पी.एम. मीना, डॉ पी.सी. मीना, डॉ देशराज वर्मा, डॉ सुमेर सिंह बेरवा, डॉ ओम प्रकाश मीना, डॉ रजनी मीना, डॉ अशोक मीना, डॉ अनिल शर्मा, डॉ रतिराम जाटव, प्रो. टीकमचंद मीना, प्रो. कपिल देव कुण्डारा आदि संकाय सदस्य सहित खिलाड़ी व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

संगीत आश्रम संस्थान में गूंजे मुकेश के सदाबहार नगमे

तीस से अधिक बाल व युवा कलाकारों ने प्रस्तुत किए गीत

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। अनेक बाल व युवा कलाकारों ने बॉलीवुड के लेजेंडरी प्लेबैक सिंगर मुकेश के गाए सदाबहार गीतों को अपनी सुरीली आवाज में पेश कर श्रोताओं के दिलों को छू लिया। शास्त्रीनगर स्थित संगीत आश्रम संस्थान की ओर से शनिवार को संस्थान परिसर में सुहाना सफर शीर्षक से संजोई गई सांस्कृतिक संध्या में सुरीले सुरों से एकल व युगल गीतों की माला पिराई गई। कार्यक्रम में करीब 35 कलाकारों ने प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में पुष्पेन्द्र सिंह व हिमांशु वर्मा ने मेरा जूता है जापानी..., जगदीश जीनगर ने वक्त करता जो वफा..., तन्विका दीक्षित ने मैंने तेरे लिए ही सात रंग..., विमर्श स्वामी ने जोश-ए-जवानी..., रियाशीं गोयल ने जाऊं कहां बता ए दिल..., वनिता हीरानी ने ये दिन क्या आए..., अंजली शर्मा ने दिल की नजर से..., गर्विता मंगल ने चंदन सा बदन..., डॉ. मनीष जैन ने जीना यहां मरना यहां..., पीडी गुप्ता ने इक दिन बिक जाएगा..., कशिश कंवर ने ओ मेरे सनम..., निहाल व भूमिका ने सावन का महीना..., मुस्कान कुमावत किसी राह में किसी मोड़ पर..., ममता शर्मा ने मेरा प्यार भी तू है..., गीत शर्मा ने दुनिया बनाने

वाले..., वरुण व लक्ष्य शर्मा ने सात अजूबे इस दुनिया में..., प्रीति प्रधान ने चंचल शीतल निर्मल कोमल..., खुशबू कंवर ने हम तो तेरे आशिक हैं...जैसे गीतों से माहौल में सदाबहार गीतों की मेलॉडी घोल दी। इसी प्रकार राशिका कंवर ने क्या खूब लगती हो..., अदित्री मुखर्जी ने कई बार यूं भी देखा है..., सुरेन्द्र रतन ने ओ महबूबा तेरे दिल के पास..., विशाल मलिंडा ने आ लौट के आ..., प्रियंका ने इक प्यार का नगमा है..., सुमित्रा ने जाने कहां गए वो दिन...जैसे गीतों को बेहतरीन सुर, लय और ताल पेश कर प्लेबैक सिंगर मुकेश को गीतों भरी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में अमायरा, तनिश, राघा, मीशा, आलिया, नीत, तनिष्का, हर्ष ने मेरा जूता है जापानी...इन्स्ट्रूमेंटल प्रस्तुति देकर माहौल में रंग जमाया। कार्यक्रम में अकॉर्डियन पर सुलेमान खान, खड़ताल प लोकेश शर्मा, गिटार पर देवांक गुप्ता, तबले पर कार्तिक वर्मा, ऑक्टोपैड पर वरुण जांगिड़ और ढोलक पर सक्षम ने प्रभावी संगत की। संचालन वीना अनुपम ने किया। अंत में संस्थान सचिव अमित अनुपम ने सभी आगन्तुकों का आभार जताया।

गर्ग को सेवानिवृत्ति पर बाजे- गाजे के साथ दी विदाई, 27साल तक राजकीय सेवा में रहे

■ संजीवनी टुडे

रेलमगरा। राजसमंद जिले के रेलमगरा पंचायत समिति के गवारडी पंचायत के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय लड़पचा में शारीरिक शिक्षक के पद पर भंवर लाल गर्ग ने क्षेत्र में 23/12/1996 से 31/08/2024(27 साल 8 महीने 9 दिन) अपनी सेवाएं दीं। अपनी सेवा के दौरान कुशल और मिलनसार व्यवहार के कारण वे हमेशा सम्मान पाते रहे थे। भंवर लाल गर्ग की सेवानिवृत्त पर शनिवार को राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय लड़पचा में विदाई समारोह का आयोजन रखा गया। जिसमे राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय के नोडल के सभी विद्यालयों एवं समस्त ग्रामवासियों के द्वारा सामुहिक रुप से कार्यक्रम का आयोजन कर विदाई दी गई। विदाई समारोह कार्यक्रम में घ्क्क्र सत्यनारायण मेनारिया प्रमुख रुप से मौजूद रहे।घ्क्क्र मेनारिया एवं स्टाप के द्वारा शारीरिक शिक्षक भंवर लाल गर्ग के सेवानिवृत्त होने पर उन्हें शॉल-श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया तथा लंबे समय तक शिक्षा के क्षेत्र में सेवाएं देने पर उनका आभार व्यक्त किया तथा उज्जवल

भविष्य एवं दीर्घायु की कामना की। उनके कार्यों की प्रंशसा की। सेवानिवृत्त शारीरिक शिक्षक को स्मृति चिह्न भेंटकर संबोधित करते हुए कृष्ण कुमार शर्मा ने कहा कि आज हम अपने साथी को विदा जरूर कर रहे हैं, लेकिन इनके द्वारा दिये गए ज्ञान की ज्योति के आधार पर शिक्षा के क्षेत्र में अच्छा कार्य करेंगे । इन्होंने सच्चे लग्न ओर निष्ठा के साथ जो क्षेत्र में 27 साल 8 माह 9दिन तक शिक्षा के क्षेत्र में राजकीय सेवाकाल में मानव सेवा में जो कार्य किये बहुत ही सराहनीय रहे। वक्ताओं ने कहा कि शारीरिक शिक्षक भंवर लाल गर्ग के कार्यकाल को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। वह ड्यूटी के प्रति बेहद सजग रहते थे।ऐसे साथी से अन्य को सीख लेकर कार्य करने की जरूरत है। सेवानिवृत्त शारीरिक शिक्षक भंवर लाल गर्ग ने संक्षिप्त उद्बोधन में कहा कि मेरे मन में युवाकाल से ही शिक्षा विभाग में काम करने की इच्छा थी अंतिम सांस तक छात्र छात्राओं के शिक्षा बढ़ावा देने का प्रयास करूंगा। मुझे जो ग्रामीणों व विद्यालय परिवार से सहयोग मिला, उसके लिए हमेशा आभारी रहूंगा।इसके बाद बाजे-गाजे के साथ भंवर लाल गर्ग को लड़पचा से उनके घर तक छोड़ा गया। मेवाड़ के शौर्य, भक्ति एवं शक्ति की पावनधरा रेलमगरा गांव के सरल सहजमना प्रखर उद्यमी पितागोवर्धन लाल जी गर्ग एवं माता श्रीमती तुलसी बाई के यहां 13/08/1964 को राजसमंद जिले के सिंदेसर कला गांव में जन्म हुआ। जो शिक्षा एवं शिक्षक समाज के लिए अनुपम उपहार स्वरूप है। स्थानीय गांव से शिक्षा प्राप्त कर करते हुए आपने बी. कॉम, बी. पी. एड. तक की शिक्षा प्राप्त की। साधारण परिवार के प्रखर पुरुषार्थी आपके पिताऔर मातुने सम्यक् तरीके से पालन पोषण कर आपकी जीवन यात्रा का शानदार आगाज किया जो कि प्रेरणास्पद है, परिवार प्रदत्त संस्कारों का अनमोल पाथेय लेकर आपकी जीवन यात्रा निर्बाध आगे की ओर बढ़ती रही। सरल एवं सहजमना श्रीमती गीता देवी गर्ग के साथ आपका पाणिग्रहण सम्पन्न हुआ और आपकी जीवन यात्रा आगे बढ़ी। अपनी अन्तर्निहित प्रतिभा के बूते पर आपने राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर से स्नातकोत्तर स्तर की शिक्षा पूरी कर अमरावती विश्वविद्यालय , महाराष्ट्र से बी.पी. एड.कर शिक्षकीय जीवन यात्रा की ओर अग्रसर होने की शानदार शुरूआत की जो कि आपके लिए फलदाई और शुभंकर साबित हुई। शिक्षा के क्षेत्र में आपकी प्रथम नियुक्ति को रा.उ.प्रा.वि.बड़गांव, कुंभलगढ़ में शारीरिक शिक्षक के पद पर हुए जो कि आपकी शिक्षकीय जीवन यात्रा का शानदार आगाज था। तपश्चात 5/7/1997 को रा. उ.प्रा.वि. सिंदेसर कला पधारें तत्पश्चात दि. 5/7/2003 रा.उ.प्रा.वि. मोर्रा में पधारें तत्पश्चात 29/7/2016 को शारीरिक शिक्षक के पद पर स्थानीय विद्यालय लड़पचा में आप का मंगल पदार्पण हुआ जो कि विद्यालय परिवार के लिए शुभंकर साबित हुआ है। आपने विद्यालय के शैक्षिक, सहशैक्षिक और भौतिक उत्कर्ष के लिए जो उल्लेखनीय अवदान किया है, जो कि निश्चित रूप से स्तुत्य और श्लाघनीय होकर अभिनन्दनीय है। विद्यालय परिवार में समस्त शिक्षक साथियों के प्रति आपका विनयशील एवं सहयोगपूर्ण व्यवहार आपकी पहचान है। शिक्षण कार्य में आपकी गहरी पकड़ रही है, आपने सैंकड़ो छात्रों को अध्यापन करा कर उन्हें खेल जगत में अच्छे इंसान के रूप में तराशने का ईश्वरीय कार्य कर आपने अपने शानदार और जानदार शिक्षकत्व को प्रकृष्ट किया है जो कि स्तुत्य है। सामाजिक और सांस्कृतिक सरोकारों से सन्दर्भित कार्यों में आपका संलिप्त रहना भी उल्लेखनीय है। आपके हंस मुख व्यक्तित्व, सहिष्णु स्वभाव, जनहितैषी, राष्ट्रीय व आध्यात्मिक महत्व के कार्यों में योगदान दिया।

महाविद्यालय में खेल सप्ताह का हुआ समापन

■ संजीवनी टुडे

राजगढ़। राजकीय महाविद्यालय राजगढ़ में शनिवार को राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में खेल सप्ताह का समापन कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. के.एल. मीना की अध्यक्षता में किया गया। खेल प्रभारी डॉ. भगतसिंह ने बताया कि शनिवार के दिन प्रथम सत्र में टेबल टेनिस प्रतियोगिता में भूपेन्द्र मीना एवं खो-खो प्रतियोगिता में रवीना मीना एण्ड टीम विजेता रही। द्वितीय सत्र में खेल सप्ताह का समापन समारोह हुआ, जिसमें प्राचार्य डॉ. के. एल. मीना ने खिलाडियों का उत्साहवर्धन किया। खेल प्रभारी डॉ. भगतसिंह ने खेल सप्ताह प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन खेल सह संयोजिका डॉ. आँचल मीना ने एवं धन्यवाद ज्ञापन खेल समिति सदस्य योगेन्द्र सिंह सेहरा ने किया। खेल में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाडियों को मेजर ध्यानचन्द ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर खेल संयोजक डॉ. जगफूल मीना, वरिष्ठ संकाय सदस्य प्रो. पी.एम. मीना, डॉ. पी.सी. मीना, डॉ. देशराज वर्मा, डॉ. सुमेर सिंह बैरवा, डॉ. ओम प्रकाश मीना, डॉ. रजनी मीना, डॉ. अशोक मीना, डॉ. अनिल शर्मा, डॉ. रतिराम जाटव, प्रो. टीकम चन्द मीना, प्रो. कपिल देव कुण्डारा आदि संकाय सदस्य एवं बड़ी संख्या में खिलाडी छात्र उपस्थित रहे।

जे के लक्ष्मी सीमेंट द्वारा किसानो को इलैक्ट्रिक स्प्रे पंप वितरित

■ संजीवनी टुडे

पिण्डवाडा। जे के लक्ष्मी सीमेंट लि. द्वारा श्रीपति सिंघानिया कौशल केद्र पर जे के लक्ष्मी आजीविका प्रोजेक्ट के अन्तर्गत पर वालोरिया गांव के चयनित 30 किसानो के साथ सौंफ उत्पादन वृद्धि एवं गुणवत्ता सुधार पर कार्यशाला का आयोजन किया साथ ही सभी को फसल को रोगो से रोकथाम हेतु उचित छिडकाव करने के लिए एक-एक इलैक्ट्रिक स्प्रे पंप किसानो को वितरित की गई। कार्यक्रम के दौरान डॉ. हेमराज मीणा,डिप्टी डायरेक्टर, होर्टिकल्चर, सिरोही ने उपस्थित किसानो की कृषि के क्षेत्र मे सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के बारे मे बताते हुए सिचाई के लिए बुंद बुंद तकनीकी के साथ सोलर पम्प योजना से जुडने का आग्रह किया। इस अवसर पर जे.के. लक्ष्मी सीमेंट लि. के छत्रपालसिंह राठौड, उपमहाप्रबंधक (सीएसआर) ने किसानो को संस्था द्वारा संचालित योजनाओं के साथ सरकारी विभाग द्वारा संचालित योजनाओ का लाभ लेने के लिए कहा। संस्था समुदाय के विकास के लिए निरन्तर प्रयास कर रही है। इस अवसर पर उद्यान विभाग, सिरोही द्वारा किसानो को संकर सब्जी बीज के मिनिकीट वितरित किए गए। कार्यशाला के दौरान डॉ. प्रदीप सिंह राठौड, सहायक निदेशक होर्टिकल्चर सिरोही, फतेहसिंह,सहायक कृषि अधिकारी वीराराम मीणा, सहायक कृषि अधिकारी (रोहिडा) एवं सीएसआर टीम के सदस्य किशोर रावल,महेन्द्र पुरोहित एवं महेन्द्र कुमार उपस्थित रहे।

एक दिवसीय पशु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन हुआ

■ संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। लुपिन ह्यूमन वेलफ़ेयर एण्ड रिसर्च फाउंडेशन, राजगढ़ द्वारा संचालित आजीविका विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्राम चंदूपुरा (ढ़िगावडा) में लुपीन ह्यूमन वेलफ़ेयर एण्ड रिसर्च फाउण्डेशन और पशुपालन विभाग राजगढ़ के संयुक्त तत्त्वाधान में एक दिवसीय पशु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। पशु स्वास्थ्य शिविर में 68 पशुओं को एफएमडी के टीका,165 बकरीयों को दवाई पिलाई गई। वहीं चीचड़े की रोकथाम हेतु टिक्स के इंजेक्शन, 54 पैकेट मिनरल मिक्चर वितरण कर पशुओं की बीमारियों का इलाज निःशुल्क किया गया। शिविर में टीकाकरण व इलाज पशु चिकित्सालय ढ़िगावडा के पशु चिकित्सक सहायक शिवदयाल मीना व उनकी टीम द्वारा किया गया। शिविर में संस्था के क्लस्टर मैनेजर सतीश रावत द्वारा बताया गया की संस्था द्वारा समय-समय पर इस तरह के पशु स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर पशुपालकों को पशु सम्बन्धित सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाती है। इस शिविर में संस्था से तकनीकी अधिकारी दीपक, लूपिन सारथी राजेंद्र सैनी, सरजीत मीना ने भाग लिया।

12 कट्टों में भरा 202 किलो अवैध डोडा चूरा पकड़ा, आरोपी फरार

■ संजीवनी टुडे

बेगूं।चित्तौड़गढ़ जिले की डीएसटी और बेगूं पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ शुक्रवार शाम को कार्रवाई की। ट्रैक्टर के टीलर से 202 किलो 720 ग्राम अवैध डोडा चूरा बरामद किया गया, जबकि आरोपी ट्रैक्टर ड्राइवर मौके से फरार हो गया। एसपी सुधीर जोशी ने बताया कि बेगूं थाना क्षेत्र के गांव गणेशपुरा से मडावदा रास्ते पर ट्रैक्टर टीलर में डोडा चूरा तस्करी की सूचना मिली। मुखबिर की सूचना पर डीएसटी प्रभारी जोधाराम और बेगूं थानाधिकारी रविन्द्र सिंह चारण अपनी टीम के साथ गांव पाहुंदा पहुंचे। उन्होंने देखा कि एक ट्रैक्टर टीलर गांव गणेशपुरा से मडावदा की ओर जा रहा था। पुलिस को देखकर ड्राइवर ने ट्रैक्टर की लाइट बंद कर कच्चे रास्ते की ओर भागने की कोशिश की। पुलिस ने आसपास के खेतों में आरोपी की तलाश की, लेकिन वह नहीं मिला। ट्रैक्टर के नंबर और कागजात के आधार पर आरोपी की तलाश जारी है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। यह कार्रवाई डीएसटी प्रभारी जोधाराम, बेगूं थानाधिकारी रविन्द्र सिंह चारण, हेड कॉन्स्टेबल भगवानलाल, कॉन्स्टेबल मनोहर, प्रकाश, राधेश्याम, राजेन्द्र, डीएसटी के हेड कॉन्स्टेबल मुश्ताक खान, कॉन्स्टेबल रमेश और रोशन द्वारा की गई।

खबरें फटाफट

मोटरसाईकिल चोरी का आरोपी गिरफ्तार, मोटरसाइकिल बरामद

संजीवनी टुडे

झल्लारा। झल्लारा पुलिस ने मोटरसाईकिल चोरी के आरोपी को गिरफ्तार कर मोटरसाइकिल बरामद की। पुलिस के अनुसार प्रार्थी खुशवन्त सिह पिता राजेन्द्र सिह कृष्णावत निवासी खोलडी पुलिस थाना झल्लारा ने उपस्थित थाना हो रिपोर्ट इस आशय से पेश की कि कल रात्री लगभग 2 बजे मेरे घर के आगंन मे से कोई अज्ञात व्यक्ति द्वारा मेरे घर से मेरी बाईक चोरी कर के ले गया है कार्यवाही करावे। झल्लारा थानाधिकारी धर्मेन्द्र सिंह वाघेला ने बताया की टीम द्वारा मोटरसाईकिल चोरी मे वांछित अभियुक्त रामलाल (28) पुत्र खेता मीणा निवासी खोलडी पुलिस थाना झल्लारा जिला सलुम्बर को मुखबीर की सुचना पर नाकाबंदी कर अभियुक्त को गिरफ्तार किया एवं चोरी की गई मोटरसाईकिल को जब्त किया गया।

राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में प्रथम व द्वितीय वर्ष के लिए आवेदन आमंत्रित

संजीवनी टुडे

डूंगरपुर। राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय देवल डूंगरपुर में सत्र 2024-25 के लिए डिप्लोमा इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम के प्रथम व द्वितीय वर्ष के सीधे प्रवेश के द्वितीय चरण में 2 से 6 सितम्बर 2024 तक आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे। राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय देवल के प्रधानाचार्य डॉ. जमील खांन ने बताया कि इच्छुक विद्यार्थी उसी दिन आवेदन कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए प्रथम वर्ष के नोडल अधिकारी डॉ. जमील खांन मोबाइल नंबर (9928311274) तथा द्वितीय वर्ष के नोडल अधिकारी राजकुमार मीणा मोबाइल नंबर (8290965563) से सम्पर्क कर सकते हैं।

सोम कमला आंबा बांध से 7 सितम्बर तक पेयजल सप्लाई बाधित

संजीवनी टुडे

डूंगरपुर। क्षेत्रीय पेयजल प्रदाय परियोजना सोम कमला आंबा बांध से डूंगरपुर ब्लॉक के 151 गांव, आसपुर और दोवड़ा ब्लॉक तथा शहरी जल योजना डूंगरपुर (2 एमएलडी प्रतिदिन) पर 7 सितम्बर, 2024 तक पेयजल सप्लाई बाधित रहेगी। अधिशाषी अभियंता पीएचईडी परियोजना खंड द्वितीय (उदयपुर) पायल व्यास ने बताया कि परियोजना के जल स्त्रोत सोम कमला आंबा बांध पर इंटेक पर पंप इंस्टॉलेशन तथा पाइपलाइन से संबंधित कार्य किया जाना है। इसके पश्चात पेयजल सप्लाई सुचारू कर दी जाएगी।

अवैध खनन के खिलाफ नाथद्वारा में कार्रवाई, मशीन और ट्रेक्टर जब्त

संजीवनी टुडे

राजसमंद। खान विभाग ने शनिवार को अल सुबह नाथद्वारा तहसील में अवैध बजरी खनन के खिलाफ कार्रवाई की। माइनिंग इंजीनियर राजसमंद द्वितीय ललित बाछरा के निर्देशन में नाथद्वारा तहसील के खेड़ाना में बनास नदी क्षेत्र में बजरी का अवैध खनन करते हुए दो पोकलेंड मशीन और एक ट्रेक्टर को जब्त किया गया है। एमई ललित बाछरा के नेतृत्व में वरिष्ठ फोरमेन हडमाता राम पटेल, कार्मिक गोपीलाल मेघवाल व होमगार्ड की टीम ने अल सुबह दबिश देकर यह कार्रवाई की। इससे क्षेत्र में अवैध खनन करने वालों में हडकंप मच गया।

अवैध पिस्टल के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

संजीवनी टुडे

चित्तौड़गढ़। । डुंगला थाना पुलिस ने एक व्यक्ति के कब्जे से एक अवैध पिस्टल जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया हैं। जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि जिला चित्तौड़गढ़ में अवैध हथियारों की धरपकड़ हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में दिनांक 30.08.2024 परबतसिंह आरपीएस अति0 पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) चित्तौड़गढ़ के निर्देशन एवं डॉ. कृशणा सामरीया आरपीएस अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वृताधिकारी वृत बड़ीसादड़ी के निकटतम पर्यवेक्षण में घेवरचन्द (उ.नि.) थानाधिकारी डूंगला के नेतृत्व में हरिनारायण सउनि मय जाब्ता द्वारा दिनांक 30.08.2024 को वि पेश आसुचना पर दौराने नाकाबन्दी अभियुक्त अमजद खान उर्फ बाबु पिता अयुब खान मुसलमान उम्र 27 साल निवासी डुंगला थाना डूंगला जिला चितौडगढ़ के कब्जे से अवैध पिस्टल जप्त की गई व नियमानुसार गिरफतार कर आयुध अधिनयम में प्रकरण पंजिबद्ध किया जाकर अवैध हथियार खरीद फरोख्त करने वालों के संबंध में विस्तृत अनुसंधान किया जा रहा है।

बजट घोषणा 2024-25 की क्रियानविति में प्रदेश में 140 किमी लंबाई की ग्रामीण सड़कें स्वीकृत

चौरासी विधानसभा क्षेत्र में 24 करोड़ की लागत से 40.3 किलोमीटर लंबाई की सड़कों की स्वीकृति जारी

संजीवनी टुडे

बेहतर सड़कों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी - उपमुख्यमंत्रीः दिया कुमारी

जयपुर-डूंगरपुर। उपमुख्यमंत्री एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग मंत्री दिया कुमारी ने प्रदेश में लगभग 150 करोड़ रू की लागत की लगभग 408 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों को मंजूरी प्रदान की है। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि बजट घोषणा 2024-25 की क्रियानविति में यह स्वीकृति जारी की गई है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क नेटवर्क मजबूत होने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।गांवों की शहरों से बेहतर कनेक्टिविटी होने से किसान अपने उत्पाद बड़े बाजारों में बेच सकेंगे, जिससे उन्हें बेहतर दाम मिलेंगे।इसके साथ ही वे सरकार की लोक कल्याणकारी सेवाओं चिकित्सा , शिक्षा आदि सेवाओं का बेहतर लाभ ले सकेंगे। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि इस स्वीकृति से डूंगरपुर जिले के चौरासी विधानसभा क्षेत्र में 24 करोड़ रू की लागत से 40.3 किमी लंबाई की सड़क का निर्माण कार्य किया जाएगा। जिसमें में रोड सरथुना से धूलेश्वर सवा के घर से सामीतेड भण्डारी होता हुआ नवलपुरा तक डामर सड़क, मिसिंग लिंक एध्आर बांकडा से मेन रोड ढूंढा वाया हरिजन बस्ती नयागांव वजू, मालिया तालाब से तलई फला होता हुआ झरनी, डूंका मेन रोड से मांडावा होता हुआ श्मशान घाट तक, मेन रोड डूंका से भातीध खाता के घर तक डामरीकरण सड़क कार्य, मेन रोड डूंका से लबाना झरनी तक डामरीकरण सड़क कार्य, सरथूना मेन रोड वाया कम्पा (सुरथुना) से अम्बाउ राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय तक, लालपुरा होली चौक से गुजरात सीमा सायामहुडा तक डामर सड़क, मेन रोड ढाकफला से भादर नदी तक डामर सडक ढूंढरिया, मेन रोड टेंबा फला से मांडली फला तक डामर सड़क, मेन रोड झोतीपुरा से दिलीप गोवर्धन डामोर से सादडिया शॉप तक डामर सड़क, बथडी डामर सड़क से डामोर

फला बेडसा मेन रोड वाया ननोमा फला तक डामरीकरण सड़क निर्माण कार्य, बथडी मेन रोड से बथडी पूर्व प्राथमिक विद्यालय तक डामरीकरण सड़क निर्माण कार्य, पहुंच सड़क मेरूवा से भूतिया फला होता हुआ भचडिया तलाई तक डामरीकरण सड़क निर्माण कार्य, सीमलवाड़ा- पीठ मेन रोड से रोत फला प्राथमिक स्कूल राजपुर श्मशान घाट तक डामरीकरण सड़क निर्माण कार्य, बंशीलालध्धनजी के घर के पास डामर सड़क कलजी थावरा के घर तक, मेन रोड पाडली गुजरेश्वर से गड़ारोड श्मशान घाट तक डामरीकरण सड़क कार्य के कुल 24 करोड रुपए की लागत से 40.3 किलोमीटर लंबाई की ग्रामीण सड़कों का निर्माण कार्य करवाया जाएगा।

अतिरिक्त राज्य में नागौर जिले के खींवसर विधानसभा क्षेत्र में 27.81 करोड़ रू की लागत से 89.7 किमी लंबाई की,देवली उनियारा विधानसभा क्षेत्र में 40.37 करोड़ रु की लागत से 86.1 किमी लंबाई की, झुनझुनु विधानसभा क्षेत्र में 26.32 करोड़ रू की लागत से 93.15 किमी लंबाई की,मालपुरा विधानसभा क्षेत्र में 18.93 करोड़ रू की लागत से 29.73 किमी लंबाई की तथा टोंक विधानसभा क्षेत्र में 2.2करोड़ रू की लागत से 4.45 किमी लंबाई की ग्रामीण सड़कों को निर्माण करवाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त माण्डल भीलवाड़ा हरिपुरा चौराहे से देवगढ़ जिला राजसमंद तक की 62 किमी सड़क को फोर लेन करने की डीपीआर बनाने के लिए 2 करोड़,रामगंजमंडी रिंग रोड की डीपीआर के लिए 1.25 करोड़ , प्रतापगढ़ के पश्चिमी भाग में बाइपास चित्तौड़गढ़ रोड से धरियावद रोड होते हुए बाँसवाड़ा रोड तक अर्द्धचंद्राकार रिंग रोड की डीपीआर के लिए एक करोड़, कोटड़ा से देवला रोड को चार लेन करने की डीपीआर लिए 1. 25 करोड़, भरतपुर- अलवर मार्ग को चार लेन करने की डीपीआर के लिए 2 करोड़,मावली उदयपुर से नाथद्वारा वाया गुडली सड़क की डीपीआर के लिए एक करोड़ तथा कोटा-कैथून- धरनावदा सड़क का चौड़ाईकरण कर दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस वे के बालापुरा जंक्शन पर जोड़ते हुए बपावर- सांगौद- केथून में बायपास निर्माण की डीपीआर हेतु 2 करोड़ रू की राशि स्वीकृत की गई है।

कोतवाली निंबाहेड़ा थाना पुलिस की कार्यवाही: 327 किलो 500 ग्राम अवैध अफीम डोडाचूरा सहित टाटा टेम्पो जब्त, 02 अभियुक्त गिरफ्तार

संजीवनी टुडे

चित्तौड़गढ़। जिले की कोतवाली निंबाहेड़ा थाना पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान टाटा टेम्पो से 327 किलो 500 ग्राम अवैध अफिम डोडाचूरा जब्त कर दो आरोपियों को गिरफतार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जोशी ने बताया कि अवैध मादक पदार्थ की धरपकड़ कार्यवाही चलाये जा रहे अभियान के तहत अधिकाधिक कार्यवाही हेतु श्री परबत सिंह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय चित्तौडगढ एंव श्री बद्री लाल आर.पी.एस वृताधिकारी निम्बाहैडा एवं रामसुमेर पु.नि. थानाधिकारी कोतवाली निम्बाहैडा के निर्देशन मे दिनाक 30.08.2024 को गोकुल लाल डागी उप निरीक्षक मय जाप्ता की टीम का गठन किया गया। इस पर दिनांक 30.08.2024 को गोकुल लाल डांगी उप निरीक्षक थाना कोतवाली निम्बाहेड़ा मय जाप्ता मय बोलेरो सरकारी चालक गस्त करता हुआ जलिया चैक पोस्ट पर नाकाबन्दी शुरू कि दौराने नाकाबन्दी के एक टाटा कम्पनी का टेम्पो का चालक अशोक विश्नोई पिता श्रीराम जाति विश्नोई उम्र 35 साल पैशा ड्राईवरी निवासी गोदारो की ढाणी हनुमान नगर फींच पुलिस थाना लूणी जिला जोधपुर एंव

उसका साथी राजमल पिता शान्ति लाल जाति बारेठ उम्र 30 साल निवासी गोमाणा पुलिस थाना छोटी सादडी जिला प्रतापगढ के कब्जे शुदा टाटा कम्पनी का टेम्पो की तलासी में टेम्पो पर अम्बुजा सीमेन्ट के विज्ञापन लगे हुऐ होकर के टेम्पो के पीछे पर्स एंव साईडो मे स्कीन बनी होकर उक्त स्कीम मे खुला एंव प्लास्टिक के कट्टो मे अवैध अफीम डोडा चुरा भरा हुआ होने से उक्त अफीम डोडा चुरा को साथ लाये प्लास्टिक के 17 कट्टो मे भरा गया जिनका तौल किया गया तो कूल वजन 327 किलो 500 ग्राम अफीम डोडा चुरा मय बारदान के हुआ, उक्त अफीम डोडा चुरा को जब्त कर घटना में प्रयुक्त टाटा कम्पनी का टेम्पो को वजह सबुत जब्त कर अभियुक्त अशोक विश्नोई एंव राजमल को गिरफ्तार किया जाकर प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया। अशोक विश्नोई पिता श्रीराम जाति विश्नोई उम्र 35 साल पैशा ड्राईवरी निवासी गोदारो की ढाणी हनुमान नगर फींच पुलिस थाना लूणी जिला जोधपुर , राजमल पिता शान्ति लाल जाति बारेठ उम्र 30 साल निवासी गोमाणा पुलिस थाना छोटी सादडी जिला प्रतापगढ राजस्थान पुलिस टीम :- गोकुल लाल उ.नि. , हरविन्द्र सिंह हैड कानि., रणजीत कानि नं., विजय सिह कानि. ,जगदीश कानि ,अमित कानि ,रतनसिंह कानि., राकेश कानि. ,रामकेश कानि. , तेजराम कानि. चालक।

गुपड़ी और भल्लो का गुड़ा स्कूल में विद्यार्थियों ने सीखी कैलीग्राफी, पर्यावरणविद् दवे ने दी सर्पदंश से बचाव की जानकारी

संजीवनी टुडे

उदयपुर। स्कूली विद्यार्थियों को शैक्षिक के साथ-साथ सहशैक्षिक गतिविधियों तथा कला–संस्कृति की ओर उन्मुख करने के उद्देश्य से स्कूल प्रशासन और कश्ती फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में सरकारी स्कूलों में चल रही मुहिम के तहत शनिवार को गुपड़ी और भल्लों का गुड़ा गांव के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में शनिवारिय सभा का आयोजन किया गया। इस शनिवारिय सभा में विद्यार्थियों ने एक्सपर्ट्स से संवाद करते हुए कैलीग्राफी कला की बारीकियां जानकर खुशी जताई वहीं पर्यावरण संबंधित अनसुने रहस्यों को सुनकर रोमांच का अहसास किया। कश्ती फाउंडेशन प्रमुख श्रद्धा मुर्डिया ने बताया कि बतौर अतिथि प्रस्तर शिल्पकार व सृजनधर्मी शिक्षक हेमंत जोशी तथा पर्यावरणीय विषयों के जानकार विनय दवे ने कैलीग्राफी, शिल्पकला और पर्यावरण संबंधित विविध विषयों पर कई सुने–अनसुने रहस्यों के बारे में बताया। दवे ने विद्यार्थियों को इस अंचल में पाए जाने

वाले विषैले और विषहीन सर्पों की प्रजातियों के बारे में जानकारी दी और वर्षा के दिनों में सर्पदंश की संभावनाओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि सर्पदंश होने पर झांड–फूंक न करवाते हुए तत्काल ही पीड़ित को किसी बड़े अस्पताल ले जाना चाहिए। उन्होंने सांप की पहचान होने पर इलाज बेहतर ढंग से होने की भी जानकारी दी। इस दौरान विद्यार्थियों ने कैलीग्राफी एक्सपर्ट से देवनागरी लिपि में अक्षरों की बनावट सीखी और अभ्यास के माध्यम से इसमें अधिकाधिक प्रवीणता प्राप्त होने की बात को समझा। इस दौरान अतिथि कलाकारों ने भी कला कौशल और अभिरुचि पर खुलकर संवाद किया और बच्चों को अपने भीतर छिपे कलाकार को बाहर निकालकर सृजनात्मक गतिविधियों में आगे आने का आह्वान किया। प्रधानाचार्य कमल जोशी और उपप्रधानाचार्य सुमनलता जारोली ने हर शनिवार विद्यालय में आयोजित होने वाली शनिवारिय सभा को विद्यार्थियों के कैरियर निर्माण की दृष्टि से उपयोगी बताते हुए कलाकार अतिथियों का आभार जताया।

डेंगू प्रभावित क्षेत्रों का गहन सर्वे करवाया जाये: अति जिला कलक्टर

संजीवनी टुडे

उदयपुर। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ शंकर एच बामनिया ने बताया कि उदयपुर जिला कलक्टर के आदेशानुसार जिला कलेक्ट्रेट में अतिरिक्त जिला कलक्टर की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई जिसमें गिर्वा एसडीएम रिया डाबी, आयुक्त नगर निगम, सचिव विकास प्राधिकरण और चिकित्सा विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। अतिरिक्त कलक्टर महोदय ने गिर्वा एसडीएम को शहर में मोनिटरिंग के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया। उन्होंने निर्देशित किया कि मच्छर जनीत मौसमी बिमारीयो से बचाव के लिए सभी विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करने होंगे। अलग-अलग क्षेत्रों में चिकित्सा विभाग के साथ समन्वय बनाकर निरीक्षण करना होगा। शहर में माइक्रो प्लान बनाकर फोगिंग अतिशीघ्र शुरू करवायी जाये। लोगों को जागरूक करने हेतु आईईसी करवाईं जाये। डिप्टी सीएमएचओ डॉ अंकित जैन ने चिकित्सा विभाग द्वारा करवाई जा रही गतिविधियों को विस्तार से बताया। पिछले दिनों संयुक्त निदेशक राज्य सरकार और एसडीएम गिर्वा के साथ शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में किये गये निरीक्षण की जानकारी दी। मौसमी बिमारीयो से बचाव हेतु विभाग द्वारा की जा रही गतिविधियों का निरीक्षण करने हेतु सीएमएचओ डॉ बामनिया सीसारमा क्षेत्र पहुंचे। उनके साथ गिर्वा बीसीएमओ डॉ पृथ्वीराज जीनगर और चिकित्सा विभाग की टीम थी। सीएमएचओ डॉ बामनिया ने घरों में जाकर पानी की टंकियां, गमले, कबाड़ और अन्य जगहों जहां पानी इकट्ठा होता है, सभी का निरीक्षण किया। जहां लार्वा पायें गये वहां तुरंत सफाई करवाई गई।नव निर्माणाधीन मकान में पानी के ड्रम में लार्वा मिलने पर कार्रवाई के निर्देश दिए। घरों में पानी की टंकी,कुलर परिंडे आदि को खाली रखें। मटके, गमले आदि रखने की ट्रे, फ्रिज की ट्रे को खाली रखें। पुराने टायर, घरों में रखे ऐसे सामान जिसमें पानी इकट्ठा हो रहा है उन्हें तुरंत हटा दें। घरों के बाहर पशुओं को पानी के लिए रखी टंकियां साफ कर उनका पानी रोज बदलते रहें। घरों के आसपास नालियों में और जहां पानी इकट्ठा होता है वहां जले हुए तेल का छिड़काव करें। सीएमएचओ डॉ बामनिया के निर्देश पर आयड क्षेत्र में निरीक्षण करने हेतु डिप्टी सीएमएचओ डॉ अंकित जैन,यूपीएम वैभव सरोहा,दाडम दास वैष्णव और टीम आनंद नगर और आसपास के क्षेत्र में पहुंचे। वहां डेंगू के केसेज अधिक होने की शिकायत मिली थी। डिप्टी सीएमएचओ ने घर घर करवायें जा रहे सर्वे कार्य का निरीक्षण किया। घरों में जाकर पानी से भरे पात्र देखें।

माइंस विभाग ने एमई नागौर नरेन्द्र खटिक को घोषित किया जुलाई माह का बेस्ट परफोरमर ऑफिसर

निदेशक कलाल ने नरेन्द्र खटिक को जारी किया सर्टिफिकेट ऑफ एप्रिसियेशन

संजीवनी टुडे

अतिरिक्त निदेशक जयपुर बीएस सोढ़ा के कार्यक्षेत्र में गया लगातार दूसरी वार बेस्ट परफोरमर अवार्ड

उदयपुर। माइंस विभाग ने परफोरमेंस के आधार पर माइनिंग इंजीनियर नागौर नरेन्द्र खटिक को जुलाई माह का बेस्ट परफोरमर अधिकारी घोषित किया है। निदेशक खान एवं पेट्रोलियम भगवती प्रसाद कलाल ने बताया कि विभाग द्वारा नवाचार अपनाते हुए खान विभाग के 50 कार्यालयों में कार्य निष्पादन को लेकर स्वस्थ्य प्रतिस्पर्धा स्थापित करते हुए प्रतिमाह माह बेस्ट परफोरमर अधिकारी घोषित करने का निर्णय किया है। चयन के लिए 100 अंकों की पूरी तरह से निष्पक्ष व ऑब्जेक्टिव प्रक्रिया अपनाई गई है। एमई नागौर नरेन्द्र खटिक को सर्टिफिकेट ऑफ एप्रिसियेशन जारी किया गया है। अतिरिक्त निदेशक जयपुर बीएस सोढ़ा के कार्यक्षेत्र ने लगातार दूसरी बार बाजी मारी है। जून माह में

एएमई दौसा को बेस्ट परफोरमर अधिकारी घोषित किया गया था। माइंस सचिव श्रीमती आनन्दी ने प्रतिमाह बेस्ट परफोरमर चयन करने को रिजल्ट ओरियेंटेड स्वस्थ्य परंपरा बताते हुए कहा कि इससे सकारात्मक परिणाम प्राप्त होते हैं। उन्होंने माइंस विभाग के अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि हमें बेहतर परिणाम प्राप्त करने के समन्वित प्रयास करने होंगे। डीएमजी कलाल ने बताया कि अच्छा काम करने वाले अधिकारियों को प्रोत्साहित करने के लिए माह का बेस्ट परफोरमर अधिकारी घोषित कर प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जाने लगा है। इसके लिए 100 नंबर का वस्तुनिष्ट (ऑब्जेक्टिव) फोरमेट तैयार किया गया हैं जिसमें लक्ष्यानुसार राजस्व वसूली के लिए 40 अंक, प्लॉट डेलिनियेशन के 20 अंक, पुरानी बकाया वसूली के 15 अंक, अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए 15 अंक और संपर्क पोर्टल प्रकरणों के निष्पादन के लिए 10 अंक तय किये गये हैं। स्वस्थ्य प्रतिस्पर्धा को इसी से समझा जा सकता है कि पहले स्थान पर रहे एमई नागौर नरेन्द्र खटिक ने जहां 71 अंक प्राप्त किये, वहीं एमई डूंगरपुर दिलीप सुथार 69 अंक, एमई जोधपुर भगवान सिंह 65 अंक और एमई बाड़मेर वेद प्रकाश और एमई बीकानेर महेश प्रकाश पुरोहित दोनों को 64-64 अंक प्राप्त हुए। एमई कोटा आरएन मंगल ने रेंकिंग में उल्लेखनीय सुधार करते हुए 63 अंक के साथ पांचवें स्थान पर आ गए। राजस्व वसूली में नागौर, डूंगरपुर, जोधपुर, बाड़मेर ने 40 में से 40 अंक प्राप्त किए वहीं बीकानेर और कोटा 39 अंक प्राप्त किए। कलाल ने बताया कि बेस्टपरफोरमर की दौड़ में जुलाई माह में अतिरिक्त निदेशक जयपुर बीएस सोढ़ा और एसएमई अजमेर जयगुरुबख्सानी का कार्य क्षेत्र आगे रहा है। यह व्यवस्था अधिकारियों को बेहतर परिणाम देने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए की गई है। माना जाना चाहिए कि इसके आगे और भी अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे।

अवैध खनन के खिलाफ नाथद्वारा में बड़ी कार्यवाई

माइंस विभाग ने शनिवार को अल सुबह नाथद्वारा तहसील में अवैध बजरी खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। माइनिंग इंजीनियर राजसमंद द्धितीय ललित बाछरा के निर्देशन में नाथद्वारा तहसील के खेड़ाना में बनास नदी क्षेत्र में बजरी का अवैध खनन करते हुए दो पोकलेंड मशीन और एक ट्रेक्टर को जब्त किया गया है। एमई ललित बाछरा के नेतृत्व में वरिष्ठ फोरमेन हडमाता राम पटेल, कार्मिक गोपीलाल मेघवाल व होमगार्ड की टीम ने अल सुबह दबिश देकर यह कार्रवाई की। इससे क्षेत्र में अवैध खनन करने वालों में हडकंप मच गया।

सब्जी काटने वाले चाकू से सहपाठी पर हमला: हाथ पर चोट आई, स्कूल ने 5 को निलंबित किया

प्रिंसिपल बोले- घटना बर्दाश्त करने लायक नहीं

संजीवनी टुडे

उदयपुर।उदयपुर में स्कूली छात्र पर हमला करने वाले सहपाठियों पर अब स्कूल ने कार्रवाई की है। स्कूल प्रिंसिपल ने 11वीं 5 छात्रों को स्कूल से सस्पेंड कर दिया है। प्रिंसिपल ने प्रहलाद सिंह ने बताया- घटना में 2 छात्रों के प्रत्यक्ष रूप से शामिल होने की सूचना है। वहीं अन्य 3 घटना छिपाने में दोनों छात्रों के सहयोगी हैं। अब पांचों के पेरेंट्स को बुलाकर मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी। मामला उदयपुर शहर की सुखाड़िया यूनिवर्सिटी मार्ग पर स्थित स्टैनवर्ड सीनियर सेकेंडरी स्कूल की है। गणेशनगर स्थित स्कूल के प्रिंसिपल प्रहलाद सिंह ने बताया- मामले की जांच पुलिस कर रही है, छात्रों को ऐसी बात को लेकर स्कूल प्रशासन को सूचित करना था। अगर सूचना उन तक या शिक्षकों तक पहुंच जाती तो ऐसी घटना नहीं होती। उन्होंने कहा कि किसी भी सूरत में इस तरह की चीजें बर्दाश्त नहीं की जाएगी और इसी सोच से स्कूल प्रबंधन ने यह निर्णय किया है। प्रिंसिपल प्रहलाद सिंह ने कहा- स्कूल में छात्रों के बीच मामूली विवाद हुआ, इसकी किसी भी छात्र ने शिक्षकों को जानकारी नहीं दी। कोई भी छात्र स्कूल में चाकू लेकर नहीं आया। उनका कहना था कि स्कूल में सभी छात्रों के बैग की चेकिंग की जाती है। स्कूल के पड़ोस में रहने वाला 11वीं का छात्र कॉमर्स में पढ़ता है। उसकी छुट्टी दोपहर 1:20 बजे हुई और वह घर से चाकू लेकर स्कूल के बाहर खड़ा हो गया। आरोपी छात्र व पीड़ित की छुट्टी दोपहर 2 बजे हुई। तब पहले वाले छात्र ने स्कूल के बाहर आरोपी को चाकू दिया और उसने वारदात की। प्रिंसिपल ने बताया कि घायल छात्र स्कूल के अंदर की तरफ दौड़कर मेरे पास आया। मैंने तुरंत इसी रोड स्थित सरस्वती अस्पताल पहुंचाया जहां उसका उपचार कराया।

सब्जी काटने वाले चाकू से किया था हमला

प्रतापनगर थानाधिकारी भरत योगी ने बताया कि इस मामले में पांच छात्रों को डिटेन किया है। पूछताछ में यहीं बताया कि गुरुवार को दो छात्रों के बीच हुई धक्का मुक्की की घटना को लेकर अगले दिन शुक्रवार को चाकू से एक छात्र ने दूसरे पर हमला किया। उन्होंने बताया कि चाकू मारने वाले का एक दोस्त जो स्कूल के पास ही रहता है वह सब्जी काटने का चाकू लेकर आया शुक्रवार दोपहर को इस स्कूल के बाहर सब्जी काटने वाले चाकू से एक छात्र पर हमला कर दिया था। छात्र ने बताया था कि उसके पेट पर चाकू मारने जा रहे थे लेकिन उसने हाथ आगे कर दिया था जिससे उसकी हथेली पर चोट लगी थी। इस मामले में पुलिस ने शुरुआत में तीन छात्रों और बाद में दो और छात्रों को डिटेन किया था।

विधानसभा क्षेत्र उप चुनाव में भगवती लाल मीणा ने विधायक टिकट के लिए किया आगाज

अबकी बार स्थानीय विधायक की सलूंबर क्षेत्र की जनता ने भरी हुंकार

संजीवनी टुडे

सलुम्बर। सलूंबर उपचुनाव में चुनावी सभाओं में भीड़ और जनता में माहौल को देखते हुए स्थानीय क्षेत्र के भाजपा में प्रत्याशी विधायक के दावैदारी जताने में ताल ठोकी। मीणा ने बताया कि इस बार उप चुनाव में स्थानीय जनता की मांग है कि हमारा विधायक क्षेत्रीय हो और इस माहौल को देखते हुए भगवती लाल ने अपने कदम आगे बढ़ाएं भगवतीलाल का गतचुनाव में भी विधायक प्रत्याशी के दावेदार थे अतः दिवंगत विधायक को पार्टी में टिकट दिया अमृतलाल मीणा के स्वर्गवास के बाद फिर बाहरी क्षेत्र का सलूंबर विधानसभा क्षेत्र टिकट की दावेदारी करने आ रहे हैं मगर यहां की जनता समझ चुकी है। बाहरी को नहीं स्थानीय को मोका दे। भगवती लाल मीणा 1996 से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मैं कार्यरत हैं अतः भगवती लाल लोगों की

सेवा में तत्पर रहते हैं विश्व हिंदू ग़ो रक्षा प्रमुख की सेवाएं भी दी है। वनवासी कल्याण परिषद के जिला अध्यक्ष पद पर भी कार्यरत रहे हैं एवं क्षेत्र के बड़े मंदिर ईडाणा माता ट्रस्ट में सदस्य महामंत्री पद पर कार्यरत रहकर मंदिर के सैवा में सदैव तत्पर रहे हैं एवं इनकी पत्नी करावली पंचायत से सरपंच पद पर कार्यरत रही है एवं महिला मंडल महामंत्री का दायित्व योगदान देकर क्षेत्र के महिलाओं में उनकी पत्नी जसोदा देवी ने लोगों में निकटता नजर बढ़ाई है अतः क्षेत्र के जनता बता रही है कि मीणा ने कोरोना कल में लोगों से हो सके इतनी मदद आर्थिक शारीरिक मानसिक रूप से हर तरफ से मदद करने में सक्रिय भूमिका निभानेवाले सदस्यों में आते हैं मीणा भाजपा पार्टी के एवं जुझारू कार्यकर्ता में जाने जाते हैं जिसे देखकर स्थानीय लोगों का आह्वान है कि सलूंबर विधानसभा क्षेत्र से भगवती लाल मीणा को विधायक की टिकट आलाकमान देता है तो क्षेत्र की जनता में एक खुशी की मिसाल उत्पन्न होगी और और भारतीय जनता पार्टी जीतकर हासिल दर्ज करेगी।

सम्पादक की कलम से....

सम्पादकीय

छात्र संघों से ही निकलते हैं बड़े नेता, इनको दबाना लोकतंत्र के लिए अहितकर

आज देश की संसदीय राजनीति में इस पाठशाला से निकले कई मेधावी छात्र हमारे विविध क्षेत्रों में योगदान दे रहे हैं। एक तर्क यह भी दिया जाता है कि कॉलेज, विश्वविद्यालय अगर छात्र संघों से दूर रहे तो शैक्षणिक माहौल और गुणवत्ता सही रहती है। नीतीश कुमार, सुशील मोदी के सामने तेजस्वी यादव क्यों बौने साबित हो रहे हैं ? क्या सिर्फ पीढ़ीगत अंतर के चलते ? अरुण जेटली के बाद दिल्ली बीजेपी में शून्य-सा क्यों है ? क्यों मनोज तिवारी हल्के और प्रभावहीन दिखते हैं वहां ? दिग्विजय सिंह की तरह मप्र की सियासत में पकड़ दूसरी पीढ़ी के कांग्रेस नेताओं की क्यों नहीं है ? नरेंद्र सिंह तोमर ग्वालियर की एक तंग गली से निकल कर आज देश की दर्जनभर नीति निर्धारक केन्द्रीय समितियों के सदस्य कैसे हैं? शिवराज सिंह चौहान, रमन सिंह, कैलाश विजयवर्गीय, रमेश चेन्नीथला, रीता बहुगुणा, मुकुल वासनिक, अजय माकन, लालमुनि चौबे, रामविलास पासवान, शरद यादव, तारिक अनवर, प्रकाश जावड़ेकर, हुकुमदेव यादव, मनोज सिन्हा, गोपीनाथ मुंडे, रविशंकर प्रसाद जैसे अनेक नामों में वैचारिक विभिन्नता के बाबजूद एक साम्य है। वह यह कि सभी छात्र राजनीति से निकल कर आये हुए हैं। सभी नेताओं के पास अपने कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में संघर्ष का बीज आधार मौजूद है, अधिकतर जेपी आंदोलन के सहयात्री भी रहे हैं।

आज के नेता तेजस्वी यादव, अनुराग ठाकुर, ज्योतिरादित्य सिंधिया, मिलिंद देवड़ा, जितिन प्रसाद, सचिन पायलट, पंकजा मुंडे, अभिषेक सिंह, दुष्यंत सिंह, पंकज सिंह, अगाथा संगमा, दुष्यंत चौटाला, रणदीप सुरजेवाला, मनीष तिवारी, सुखबीर बादल, सुप्रिया सुले जैसे नेताओं की नई पीढ़ी में भी एक साम्य है। ये सब अपने पिता या परिजनों की विरासत के प्रतिनिधि हैं, किसी के पास जनसंघर्षों की कोई पृष्ठभूमि नहीं है। इन्हें सब कुछ विरासत में मिल गया इसलिये इस नई पीढ़ी के साथ आप प्रशासन और राजनीति में उन सरोकारों को नहीं देख सकते हैं जो जम्हूरियत के लिये जरूरी है। सवाल यह है कि क्या भारत में छात्र राजनीति के दिन लद गए हैं ? क्या छात्र राजनीति की उपयोगिता खत्म हो चुकी है ? इसके दोनों आयाम हैं। पंडित मदन मोहन मालवीय जैसे महान शिक्षा शास्त्री मानते थे कि विश्वविद्यालय में राजनीति का कोई स्थान नहीं होना चाहिये वे छात्र संघों के विरुद्ध थे। वहीं देश में एक वर्ग ऐसा भी है जिसने छात्र संघों को लोकतंत्र की पाठशाला निरूपित किया है। जेपी, लोहिया जैसे महान नेताओं ने खुद आगे आकर छात्र आंदोलनों का नेतृत्व किया।

आज देश की संसदीय राजनीति में इस पाठशाला से निकले कई मेधावी छात्र हमारे विविध क्षेत्रों में योगदान दे रहे हैं। एक तर्क यह भी दिया जाता है कि कॉलेज, विश्वविद्यालय अगर छात्र संघों से दूर रहे तो शैक्षणिक माहौल और गुणवत्ता सही रहती है। सवाल यह है कि बिहार में अस्सी के दशक से छात्र संघ चुनाव नहीं हो रहे हैं, मप्र में भी 1991 के बाद से बंद प्रायः ही है। शेष जगह अब जिस लिंगदोह कमेटी के आधार पर कॉलेजों में चुनाव होते हैं उनका कोई औचित्य इसलिये नहीं है क्योंकि वे अनुशासन के नाम पर इतने सख्त नियमों में बांध दिए गए हैं कि वहां नेतृत्व और सँघर्ष का कॉलम ही नहीं रह गया है। अगर यह मान लिया जाए कि छात्र संघों से कैम्पस की गुणवत्ता खराब होती है तब क्या बिहार, मप्र या दूसरे राज्यों में पिछले 30 वर्षों में कॉलेजों और विश्वविद्यालयों का ट्रैक रिकॉर्ड कोई विशिष्ट उपलब्धि भरा रहा है ? अखिल भारतीय सेवाओं में आज भी मप्र का प्रतिनिधित्व सबसे निचले पायदान पर है राज्य की आबादी के अनुपात से। बिहार, मप्र, बंगाल जैसे बड़े राज्यों के विश्वविद्यालयों में सामाजिक, आर्थिक, मानविकी या प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में कोई महानतम उपलब्धियां हासिल की हो ऐसा भी नहीं है। हाल ही में जो वैश्विक रेटिंग जारी की गई है उनमें भारत के विश्वविद्यालयों का नाम नहीं हैं। जाहिर है इस तर्क को स्वीकार करने का कोई आधार नहीं है कि छात्रसंघ कैम्पसों में अकादमिक गुणवत्ता को प्रदूषित करते हैं। सच तो यही है कि छात्र संघ नेतृत्व की पाठशाला है बशर्ते सरकारें ईमानदारी से अपनी भूमिका को तय कर लें। यह समाज में नैसर्गिक नेतृत्व क्षमता वाले तबके को प्रतिभा प्रकटीकरण का मंच है जिसके माध्यम से लोकतंत्र के लिये मजबूत जमीन का निर्माण होता है। पर सवाल यह है कि क्या सरकारें ऐसा चाहती हैं? आज लोकतंत्र का स्थाई चरित्र बन चुकी है सत्ता की निरंतरता। सहमति और असहमति की जिस बुनियाद पर जम्हूरियत चलती है उसे कुचलने का प्रयास सम्मिलित रूप से किया जा रहा है।

आज का राशिफल

यह राशिफल जन्म राशि पर आधारित है। व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि पर थे, वही उसकी जन्म राशि होती है। यदि राशि की जानकारी आपको नहीं है तो अपने नामाक्षर से राशिफल देखें।

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) : आज भाग्य से कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है। सरकारी काम आसानी से बन जाएंगे। अधिकारी सहयोग करेंगे। किसी चैरिटी आदि में धन खर्च करेंगे। मित्रों के साथ पार्टी में जा सकते हैं।

वृषभ (ई,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो) : सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा। व्यक्तिगत मामलों में गलतफहमी को जन्म देने वाली कोई बात हो सकती है। परिवार के साथ पार्टी में जा सकते हैं। कोई नया प्रस्ताव यदि आज मिलता है।

मिथुन (क,की,कू,घ,ङ, छ, के,को, ह) : कार्यों को मन लगाकर पूरा करेंगे। आपकी बढ़ते प्रभाव से कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है। आज की गई मेहनत का पूरा फल नहीं मिलेगा। व्यक्तिगत मामलों को सावधानी से हल करें।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) : किसी योजना का क्रियान्वयन हो जाएगा। अधूरे काम भी किसी न किसी सहयोग से आज पूरे हो जाएंगे। धैर्यपूर्वक निर्णय लेने पड़ेंगे। भाग-दौड़ बनी रहेगी, परंतु यात्रा करना आज ठीक नहीं रहेगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) : परिवार के बड़े सदस्यों की आज्ञा मान कर चलेंगे तो फायदे में रहेंगे। लाभ के एक से अधिक अवसर सामने होंगे। चाहा गया सहयोग नहीं मिलने से काम खुद ही पूरे करने पड़ेंगे। बड़े भाई से लाभ होगा।

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) : आज घर और बाहर दोनों जगह आपके काम की सराहना होगी। काम के घंटे बढ़ जाएंगे अतः पिछले छूटे कामों को पहले पूरा कर लें। अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थी वर्ग लाभ में रहेगा।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते) : आज काम बनने में थोड़ी असुविधा हो सकती है। विरोधियों से सावधान रहना होगा। प्रोपर्टी के खरीदने या बेचने से संबंधी बात हो सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात होने की संभावना है।

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू) : व्यावसायिक कार्यों का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ेगा। सहयोग मिल जाने से थोड़ी आसानी हो जाएगी। व्यक्तिगत संबंधों में सौहार्द्र की भावना बढ़ने से मन प्रसन्न होगा।

धनु (ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) : आज का दिन महत्वपूर्ण काम करने के लिए नहीं है। निजी समस्याओं को अपने ऊपर हावी न होने दें। परिवार के साथ समय बिताना आवश्यक है, चाहें तो कहीं आउटिंग के लिए जा सकते हैं।

मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी) : आज स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, परंतु काम फिर भी आसानी से बन जाएंगे। लाभ की कोई नई योजना बनाकर उस पर अमल करेंगे। मित्र विशेष सहयोगी बनकर सामने आएंगे।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) : आज घर की बुजुर्ग स्त्री की सलाह काम आएगी, महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय उसको नजरअंदाज ना करें। यात्रा करना हित में नहीं रहेगा, बहुत जरूरी हो तो पहले मंदिर जाएं फिर यात्रा करें।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची) : आज योग्यता दिखाने का उचित अवसर मिलेगा। लाभ देने वाली छोटी यात्रा की संभावना है। बडी प्रतिस्पर्धा में भी विजयी होंगे। वाहन धीमी गति में चलाएं, अन्य कामों में भी जल्दबाजी ना करें।

प्रणव दा: भारतीय राजनीति के अजातशत्रु

विचार बिन्दु

ललित गर्ग

जब कांग्रेस ने उन्हें अपना राष्ट्रपति उम्मीदवार चुना, तब उन्होंने इस पद से इस्तीफा दे दिया। देश के सर्वोच्च पद पर आसीन होने वाले वे पश्चिम बंगाल के पहले व्यक्ति बने। वे भारतीय अर्थव्यवस्था और राष्ट्र निर्माण पर कई पुस्तकें लिख चुके हैं। उन्हें पद्मविभूषण और 'उत्कृष्ट सांसद' जैसे पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है। उनके कार्यकाल को एक प्रखर राजनेता के राजनय के उदाहरण के रूप में याद किया जाएगा। हाल ही में एक किताब के विमोचन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पुस्तक 'प्रेसीडेंट प्रणब मुखर्जी ए स्टेट्समैन एट द राष्ट्रपति भवन' को जारी किया।

'भारत रत्न', भारतीय राजनीति के शिखरपुरुष एवं पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी जिन्दगी और मौत के बीच संघर्ष करते हुए आखिर हमें छोड़कर चले गए। उनका राजनीतिक जीवन पांच दशक से भी लंबा रहा। उनके विरल व्यक्तित्व के इतने रूप हैं, इतने कौण है, इतने आयाम हैं कि उन्हें एक छवि में बांधना संभव है। जिस पर भी कौतूहल यह है कि जो सबसे बड़े आयाम हैं, वे तो इन सब परिभाषाओं के बाहर ही छूट गये। और वे है भारतीय लोकचेतना का लाड़ला नायक! राष्ट्रीयता का पोषक!! विविधता में एकता का प्रेरक !!! विरोधी विचारों में समन्वय-सेतु!!!! उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन के इतने लंबे दौर में लगभग हर महत्त्वपूर्ण मंत्रालय की जिम्मेदारी को अनूठे ढंग से संभालीं। न केवल भारत में बल्कि दुनिया में अपने राजनीतिक कौशल एवं विलक्षण प्रबन्धन क्षमता से अपनी स्वतंत्र पहचान कायम की, विशेषतः विश्वस्तर पर उन्हें सबसे ज्यादा पहचान भारत के वित्तमंत्री के रूप में मिली। खासतौर पर 2008 की भयावह मंदी से बाहर निकालने में जिस तरह मनमोहन सिंह के अर्थशास्त्रीय हुनर को याद किया जाता है उसी तरह मंदी से उबारने के काम के क्रियान्वयन के लिए प्रणब मुखर्जी का नाम लिया जाता है। न्यूयॉर्क से प्रकाशित पत्रिका, यूरोमनी के एक सर्वेक्षण के अनुसार, वर्ष 1984 में दुनिया के पाँच सर्वोत्तम वित्त मन्त्रियों में से एक प्रणव मुखर्जी भी थे। प्रणव दा एक अत्यंत शिष्ट, परिपक्व, संयत और मुखर राजनेता रहे हैं। वे भारतीय राजनीति में 'अजातशत्रु' के रूप में रहे। फिर भी एक बड़ा सत्य तो यही है कि प्रणव दा जैसे राजनेता युगों में एक होते हैं। राष्ट्रपति के रूप में प्रणब मुखर्जी को विद्वता और शालीन व्यक्तित्व के लिए याद किया जाता है। उन्होंने अपने कार्यकाल में लीक से हटकर अनूठे एवं अविस्मरणीय फैसले लिए। राष्ट्रपति पद के साथ औपचारिक तौर पर लगाए जाने वाले 'महामहिम' के उद्बोधन को उन्होंने खत्म करने का निर्णय लिया। रायसीना की पहाड़ी पर बने राष्ट्रपति भवन में अब तक कई राष्ट्रपतियों ने अपनी छाप छोड़ी है। उनमें राष्ट्रपति के रूप में प्रणब दा का कार्यकाल ऐतिहासिक, यादगार, गैरविवादास्पद और सरकार से बिना किसी टकराव का रहा। आमतौर पर राष्ट्रपति को भेजी गईं दया याचिकाएं लंबे समय तक लंबित रहती हैं लेकिन प्रणब मुखर्जी कई आतंकवादियों की फांसी की सजा पर तुरंत फैसले लेने के लिए याद किए जाएंगे। मुंबई हमले के दोषी अजमल कसाब और संसद हमले के दोषी अफजल गुरु की फांसी की सजा पर मुहर लगाने में प्रणब मुखर्जी ने बिलकुल भी देर नहीं लगाई। राष्ट्रपति के तौर पर 5 साल के अपने कार्यकाल के दौरान प्रणब मुखर्जी ने राजनीतिक जुड़ाव से दूर रहकर काम किया। प्रणव दा जब केंद्र सरकार में थे तो उन्हें सरकार के संकटमोचक के तौर पर देखा जाता था, जब वे बातचीत के जरिए विभिन्न समस्याओं का समाधान निकालने वाले में माहिर माने जाते थे। पांच दशक के राजनीतिक जीवन में, जिसमे उन्होंने असंख्य शब्द कहे, एक भी अभद्र टिप्पणी उनकी आप याद नहीं कर सकते।

प्रणव दा के राजनीतिक जीवन की अनेक विशेषताएं एवं विलक्षणताएं रही हैं। कानून, सरकारी कामकाज की प्रक्रियाओं और संविधान की बारीकियों की बेहतरीन समझ रखने वाले प्रणब दा 2014 के बाद नई भाजपा सरकार से अच्छे संबंध बनाने में सफल रहे। देश की राजनीतिक परिस्थितियों, देश की घटनाओं से वे अपने आपको अवगत रखते थे। प्रधानमंत्री की विशेष पहल पर उन्होंने शिक्षक दिवस पर राष्ट्रपति भवन परिसर में बने स्कूल में छात्रों को पढ़ाया भी। इन्होंने राष्ट्रपति भवन में एक संग्रहालय का भी निर्माण करवाया, जहां आम लोग अपनी इस विरासत को देख सकते हैं। प्रणब मुखर्जी का जन्म 11 दिसंबर 1935 में पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में हुआ था। कामदा किंकर मुखर्जी और राजलक्ष्मी मुखर्जी के घर जन्मे प्रणव का विवाह बाइस वर्ष की आयु में 13 जुलाई 1957 को शुभ्रा मुखर्जी के साथ हुआ था। उनके दो बेटे और एक बेटी - कुल तीन बच्चे हैं। पढ़ना, बागवानी करना और संगीत सुनना- उनके व्यक्तिगत शौक भी हैं। उन्होंने शुरुआती पढ़ाई बीरभूम में की और बाद में राजनीति शास्त्र और इतिहास विषय में एमए किया। उन्होंने कोलकाता विश्वविद्यालय से एलएलबी की डिग्री भी हासिल की। वे 1969 से 5 बार राज्यसभा के लिए चुने गए। बाद में उन्होंने चुनावी राजनीति में भी कदम रखा और 2004 से लगातार 2 बार लोकसभा के लिए चुने गए। उनके राजनीतिक सफर की शुरुआत साल 1969 में हुई, जब भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की मदद से उन्होंने सन् 1969 में राजनीति में प्रवेश किया, जब वे कांग्रेस टिकट पर राज्यसभा के लिए चुने गए। सन् 1973 में वे केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल कर लिए गए और उन्हें औद्योगिक विकास विभाग में उपमंत्री की जिम्मेदारी दी गई। प्रणव दा ने अपनी आत्मकथा लिखा है कि वे इंदिरा गांधी के बेहद करीब थे और जब आपातकाल के बाद कांग्रेस की हार हुई, तब वे इंदिरा गांधी के साथ उनके सबसे विश्वस्त सहयोगी बनकर उभरे। दक्षिण भारत में जो कांग्रेस का जनाधार बनकर उभरा वह भी इनकी मेहनत एवं राजनीतिक कौशल का परिणाम था। सन् 1980 में वे राज्यसभा में कांग्रेस पार्टी के नेता बनाए गए। इस दौरान मुखर्जी को सबसे शक्तिशाली कैबिनेट मंत्री माना जाने लगा और प्रधानमंत्री की अनुपस्थिति में वे ही कैबिनेट की बैठकों की अध्यक्षता करते थे। इंदिरा गांधी की हत्या के बाद प्रणब मुखर्जी को प्रधानमंत्री पद का सबसे प्रबल दावेदार माना जा रहा था, पर तब कांग्रेस पार्टी ने राजीव गांधी को प्रधानमंत्री चुन लिया। 1984 में राजीव गांधी सरकार में उन्हें भारत का वित्तमंत्री बनाया गया। बाद में कुछ मतभेदों के कारण प्रणब मुखर्जी को वित्तमंत्री का पद छोड़ना पड़ा। वे कांग्रेस से दूर हो गए और एक समय ऐसा आया, जब प्रणब मुखर्जी ने एक नई राजनीतिक पार्टी बनाई। उन्होंने राष्ट्रीय समाजवादी कांग्रेस का गठन किया। दरअसल, वे अपने मत में स्पष्ट थे और अपना विरोध दर्ज करवाना जानते थे इसलिए उन्होंने राजीव गांधी से दूरी बनाई।

वीपी सिंह के कांग्रेस छोड़ने के बाद पार्टी की स्थिति डांवाडोल हो गई। बाद में कांग्रेस ने प्रणब मुखर्जी पर फिर भरोसा जताया और उन्हें मनाकर फिर पार्टी में लाया गया और उनकी पार्टी का कांग्रेस में विलय हो गया। प्रणब मुखर्जी को पीवी नरसिंहराव सरकार ने योजना आयोग का उपाध्यक्ष बनाया। बाद में उन्हें विदेश मंत्री की जिम्मेदारी भी दी गई। 1997 में उन्हें संसद का उत्कृष्ट सांसद चुना गया। ये वो दौर था, जब कांग्रेस का जनाधार सिकुड़ने लगा था। केंद्र में मिली-जुली सरकारों का दौर चल रहा था और राष्ट्रीय राजनीति बदलाव के दौर से गुजर रही थी। लोकसभा चुनाव जीतने के बाद उन्हें लोकसभा में सदन का नेता बनाया गया, क्योंकि तब प्रधानमंत्री राज्यसभा के सदस्य थे। वरिष्ठ सदस्य होने के नाते गठबंधन सरकार में अलग-अलग विचारधारा वाली पार्टियों को साथ लेकर चलने में प्रणब मुखर्जी की अहम भूमिका रहती थी। प्रणब मुखर्जी 23 वर्षों तक कांग्रेस पार्टी की कार्यसमिति के सदस्य भी रहे। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता होने के कारण अनेक अवसर ऐसे आये, जब लोग उन्हें भावी प्रधानमंत्री के तौर पर देख रहे थे, मगर नियति को शायद कुछ और मंजूर था। वे 2009 से 2012 तक मनमोहन सरकार में फिर से वे भारत के वित्तमंत्री रहे।

वैवाहिक जीवन के सुख और समृद्धि का पर्व...कजली तीज !

हरियाली तीज की तरह ही कजरी तीज का पर्व भी महिलाओं के लिए बहुत खास होता है। भाद्रपद मास में कृष्ण पक्ष की तृतीया को कजरी तीज का त्योहार मनाया जाता है। इस बार यह त्योहार 6 अगस्त को मनाया जाएगा। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य अनीष व्यास ने बताया कि यह पर्व उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार और राजस्थान सहित कई राज्यों में बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। कजरी तीज को कजली तीज, बूढ़ी तीज व सातूड़ी तीज भी कहा जाता है। जिस तरह से हरियाली तीज, हरतालिका तीज का पर्व महिलाओं को लिए बहुत मायने रखता है। उसी तरह कजरी तीज भी सुहागन महिलाओं के लिए महत्वपूर्ण त्योहार है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य अनीष व्यास ने बताया कि भादो मास के तृतीया महीने को कजली तीज का त्योहार मनाया जाता है। इस वर्ष कजरी तीज 6 अगस्त को मनाई जाएगी। कजरी तीज को कजली तीज भी कहते हैं। यह त्यौहार महिलओं का पर्व होता हैं। इस दिन सुहागने वैवाहिक जीवन की सुख और समृद्धि के लिए यह व्रत रखती हैं। कजली तीज को हर इलाकों में अलग-अलग नाम से जाना जाता हैं। यह त्यौहार उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान और बिहार समेत हिंदी भाषी क्षेत्रों में प्रमुखता से मनाया जाता है।इनमें से कई इलाकों में कजरी तीज को बूढ़ी तीज व सातूड़ी तीज के नाम से भी जाना जाता है। हरियाली तीज, हरतालिका तीज की तरह कजली तीज भी सुहागन महिलाओं के लिए अहम पर्व है। वैवाहिक जीवन की सुख और समृद्धि के लिए यह व्रत किया जाता है। कहा जाता हैं कि इस दिन जप कन्या या सुहागने पूरे श्रद्धा से अगर भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा की जाए तो उन्हें अच्छा जीवनसाथी सदा सौभाग्यवती होने का वरदान प्राप्त होता है।माना जाता हैं की इस दिन मां पार्वती ने शिव जी को अपनी कठोर तपस्या के बाद प्राप्त किया था। मान्यता है कि कजली तीज के मौके पर विशेष रूप से गौरी की पूजा करें। व्यक्ति की कुंडली में चाहे कितने ही बाधाए क्यों न हों, इस दिन पूजा से नष्ट किए जा सकते हैं। लेकिन इसका फायदा तभी होगा जब कोई अविवाहिता इस उपाय को खुद करे।

पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य अनीष व्यास ने बताया कि कजली तीज के बारे में मान्यता है कि आज के दिन ही मां पार्वती ने भगवान शिव को प्राप्त किया था। इसके लिए उन्हें काफी कठोर तपस्या करनी पड़ी थी। कजरी तीज के दिन सुहागिनों को भगवान शिव और पार्वती की पूजा अर्चना करनी चाहिए। बताया जाता है कि इससे उन कन्याओं को अच्छे वर की प्राप्ति होती है, जिनकी शादी नहीं हुई है। पति के साथ और अच्छे रिश्ते बनाने के लिए कुछ ऐसे काम होते हैं, जिन्हें न तो सुहागिनों को करना चाहिए और न ही पति को। ये काम हैं पति या पत्नी से छल, गलत व्यवहार, परनिंदा आदि। पांचवे माह भादों के कृष्ण पक्ष की तीज को कजली तीज के रूप में मनाया जाता है। आज के दिन शादीशुदा महिलाएं और कुंवारी लड़कियां व्रत करती हैं जो कि उनके लिए बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। कजलीतीन के दिन सुहागिन व्रत रखती हैं। उन्हें आज के दिन श्रृंगार करना चाहिए। इसमें मेहंदी, चूड़ियां शामिल हैं। वहीं, शाम के समय शिव मंदिर जाकर भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा अर्चना करनी चाहिए। इस दिन पत्नी अपने पति की लंबी उम्र के लिए उपासना करती हैं। कजली तीज के दिन घर में झूला डाला जाता है और औरतें इसमें झूला झूलती हैं। इस दिन महिलाएं अपनी सहेलियों के साथ इकट्ठा होती हैं पूरा दिन नाच गाना करती हैं।

लघु कथा : 'हार और जीत'

अरी सुमन सवेरे से अखबार में घुसी हुई है। आज चाय नाश्ता भी करवाएगी या दोपहर में भी भूखा सोना पड़ेगा,सुमन नहीं काकी जी आप भी ना कैसी बातें करती हो, चाय नाश्ता अभी आपके कमरे में लेकर ही आ रही थी। लेकिन सोचा एक नजर आज के अखबार पर भी डाल लू,काकी क्यों ? आज के अखबार में ऐसा क्या खास है । सुमन खास ही नहीं काकी जी बहुत खास है। काकी सोने के भाव आसमान छू गए क्या ? नहीं काकी जी पड़ोसी राज्य के चुनाव परिणाम आए हैं। अच्छा ला चाय पिला पहले फिर विस्तार से बता मुझे कौन जीता कौन हारा,सुमन मन में सोचने लगी काकी की उम्र सत्तर वर्ष हो गई । वह क्या जाने राजनीति का ज्ञान, काकी जी अखबार में तस्वीरों को एकटक निहार रही थी। तस्वीरों को निहारते हुए बोली सुमन तू सवेरे से अखबार पढ़ रही है,जरा बताना तो जीतने वाले की जीत का कारण और हारने वाले की हार का कारण क्या रहें।सुमन मुस्कराई और बोली काकी जी मुझे तो आज तक घर की राजनीतिक समझ नहीं आई,यह तो बहुत दूर की बात है काकी जी बोली फिर काहे को सवेरे से अखबार में माथा खफा रही थी। अच्छा काकी जी आप को समझ में आती है यह राजनीति,अरे क्यों नहीं बेटा, सुमन बोली तो कुछ मुझे भी बताओ ना यह जीतने वाले जीते कैसे और हारने वाले हारे कैसे। अरे तू भी ना जीतने वाले जीते अपने बुद्धिबल पर उन्होंने प्रत्येक वोटर के मन को जीता और हारने वाले इसलिए हारे क्योंकि वो वोटर को रिझा नहीं पाए। अच्छा अब क्या ? काकी जी अब कुछ नहीं जीतने वाले जीत का जश्न मनाएंगे । यह दिवाली हर्ष और उल्लास से मनाएंगे और हारने वाले अपनी हार का चिंतन शिविर लगाएंगे और हार का दोषी किसी एक को ठहराएंगे । सुमन बोली कि काकी जी आप तो पढ़ी लिखी भी नहीं है फिर आपको इतना ज्ञान कहां से आया। अरे सुमन,तू क्या जाने सामाजिक गतिविधियों को,बरसों से तेरे काका के साथ शादी समारोह, धार्मिक कार्यक्रमों और गांव की महिलाओं के साथ उठना बैठना रहा है तेरी काकी का। यह तो पिछले साल तेरे काका के जाने के बाद में घर में बैठी हुईं हूं। नहीं तो मेरे पैरों में तो चक्र लगे हुए थे। अब घर में बैठे-बैठे ही देश विदेश में होने वाली घटनाओं, कार्यक्रमों को बिरजू के फोन है,ना उसमें देख लेती हूं । सुमन काकी जी को देखती रह गई।

कांता मीना

भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देकर भी देश की अर्थव्यवस्था को दी जा सकती है गति

विचार बिन्दु

प्रह्लाद सबनानी

हमारे देश में ऐसी कई कलाएँ हैं जो वैसे तो कई सदियों से चली आ रही हैं परंतु अब अदृश्य होती जा रहीं हैं, इन लुप्त हो रही कलाओं को पुनर्जीवित भी किया जाना चाहिए।

देश में संस्कृति की अर्थव्यवस्था पर आज तक ग़ौर नहीं किया गया है और इस तरह के मुद्दे पर देश में शायद सारगर्भित चर्चा भी नहीं की गई हैं। वैसे तो भारत की संस्कृति हज़ारों सालों से सम्पन्न रही है। लेकिन, हाल ही के इतिहास में ऐसा लगता है कि जैसे भारतीय संस्कृति का दायरा सिकुड़ता चला गया है। देश की संस्कृति जो इसका प्राण है को अनदेखा करके यदि आर्थिक रूप से आगे बढ़ेंगे तो केवल शरीर ही आगे बढ़ेगा और प्राण तो पीछे ही छूट जाएँगे। अतः भारत की जो अस्मिता, उसकी पहिचान है उसे साथ में लेकर ही आगे बढ़ने की आज ज़रूरत है। भारत की जो सांस्कृतिक विविधता एवं सम्पन्नता है उसको सबसे आगे लाकर हम भारत को एक सांस्कृतिक महाशक्ति के रूप में परिवर्तित कर सकते हैं। यह हमारा उद्देश्य एवं आकांक्षा होनी चाहिए। भारतीय संस्कृति के विभिन्न पहलुओं में मुख्य रूप से शामिल किया जा सकता है - संगीत, नृत्य, फ़ाइन-आर्ट्स, खाद्य संस्कृति, सिनेमा, सांस्कृतिक पर्यटन (जिसमें हेरिटेज, साइट्स, म्यूजीयम, आदि शामिल है) एवं धार्मिक पर्यटन, आदि। विश्व के कई देश अपनी संस्कृति की अर्थव्यवस्था का आँकलन कर चुके हैं और लगातार इस ओर अपना पूरा ध्यान दे रहे हैं। भारत में अभी इस क्षेत्र में ज़्यादा काम नहीं हुआ है क्योंकि हमारी विरासत बहुत बड़ी है एवं बहुत बड़े क्षेत्र में फैली हुई है। दुनिया भर में इसे सांस्कृतिक एवं रचनात्मक उद्योग (एएक्र - एफ्द्यप्फ्थद्य एन्द्गफ्द्बफ्द्ग ऋद्बदफ्ग्फ्न्भ) का नाम दिया गया है। ठगक्ट्टएग भी सांस्कृतिक एवं रचनात्मक उद्योग को वैज्ञानिक तरीक़े से आँकने का प्रयास कर रहा है। दुनिया भर में अलग-अलग देशों में इस उद्योग को आँकने के पैमाने उपलब्ध हैं। परंतु, भारत में अभी तक इस क्षेत्र में कुछ ज़्यादा काम नहीं हुआ है। ठगक्ट्टएग के एक आँकलन के अनुसार, विश्व के सकल घरेलू उत्पाद में 4 प्रतिशत हिस्सा एएक्र से आता है। अमेरिका जैसे देशों की जीडीपी में तो एएक्रका योगदान बहुत अधिक है। एक आँकलन के अनुसार, दुनिया भर में सांस्कृतिक एवं रचनात्मक उद्योग एशिया पेसिफ़िक, उत्तरी अमेरिका, यूरोप एवं भारत में विकसित अवस्था में पाया गया है। इस उद्योग में विश्व की एक प्रतिशत आबादी को रोज़गार उपलब्ध हो रहा है। भारत में चूँकि इसके आर्थिक पहलू का मूल्याँकन नहीं किया जा सका है अतः देश में इस उद्योग में उपलब्ध रोज़गार एवं देश के सकल घरेलू उत्पाद में योगदान सम्बंधी पुख़्ता आँकड़े उपलब्ध नहीं हैं। भारत में सांस्कृतिक एवं रचनात्मक उद्योग का आकार आँकने के लिए यदि हम चाहें तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दूसरे देशों द्वारा अपनाए जा रहे पैरामीटर का उपयोग कर सकते हैं अथवा इन पैरामीटर में हमारे देश की परिस्थितियों के अनुसार परिवर्तन या संशोधन कर इन्हें उपयोग कर सकते हैं, ताकि हमारे देश की अर्थव्यवस्था में इस उद्योग के योगदान को मूर्त रूप में आँका जा सके एवं इसके योगदान को और कैसे बढ़ाया जा सकता है इस सम्बंध में नीतियाँ बनाई जा सकें। संस्कृति की अर्थव्यवस्था को दो भागों में बाँटा जा सकता है। एक अमूर्त सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था, जिसमें सांस्कृतिक एवं रचनात्मक उद्योग के विभिन्न घटकों का ज्ञान शामिल है, जिसका आकड़ों में मूल्याँकन करना बहुत मुश्किल है एवं दूसरे मूर्त सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था, जिसे आँका जाना आसान है, ऊपर आँकड़ों के माध्यम से जितनी भी जानकारी दी गई है, वह मूर्त सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था का ही हिस्सा ही। अभी हाल ही में दुनिया भर के देशों में सांस्कृतिक एवं रचनात्मक उद्योग के क्षेत्र में एक अनुसंधान जारी है। इस अनुसंधान के माध्यम से यह जानने का प्रयास किया जा रहा है कि दुनिया के विभिन्न देशों में सांस्कृतिक एवं रचनात्मक उद्योग से कितना निर्यात किया जाता है तथा निर्यात की दृष्टि से कौन कौन से देश अग्रणी देशों की श्रेणी में हैं।

इस दृष्टि से विभिन्न देशों की प्रोफ़ायल भी बनाई जा रही है। भारत से भी सांस्कृतिक एवं रचनात्मक उद्योग के क्षेत्र से निर्यात होता है, इसमें शामिल हैं, क्राफ़्ट, संगीत, सिनेमा, एनिमेशन, फ़ैशन, योगा, आदि। एनिमेशन उद्योग तो भारत में काफ़ी फल फूल रहा है एवं तेज़ गति से आगे बढ़ रहा है। संस्कृति की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए सबसे पहिले तो देश में एक निर्देशिका बनायी जानी चाहिए। देश में किस-किस प्रकार की आर्ट्स उपलब्ध है, कहाँ-कहाँ उपलब्ध है, किस-किस के पास उपलब्ध है, यह सारी जानकारी सूचीबद्ध की जानी चाहिए। सूचीबद्ध करने के बाद, इस कला को विकसित करने एवं इसका वैज्ञानिक तरीक़े से प्रस्तुतीकरण करने के लिए सम्बंधित कलाकार के कौशल विकास की ज़रूरत होगी।

किडनी और लिवर के लिए घातक है हीट स्ट्रोक

गर्मियों में काफी लोग हीट स्ट्रोक के शिकार हो जाते हैं। हीट स्ट्रोक एक गंभीर मामला है। इस स्थिति से पूरी तरह बचना संभव है, लेकिन हीट स्ट्रोक में जरा-सी लापरवाही मौत को न्योता दे सकती है। सबसे पहले समझते हैं कि हीट स्ट्रोक है क्या। कैसे ये शरीर के महत्वपूर्ण अंगों को प्रभावित करता है और किन तरीकों से इससे बचा जा सकता है।

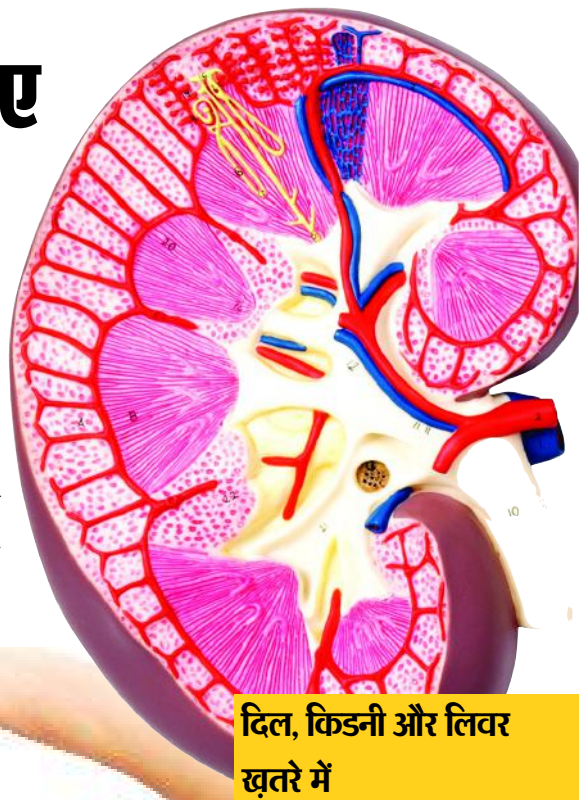

दिल, किडनी और लिवर ख़तरे में

तेज गर्मी से शरीर की मेटाबॉलिक एक्टिविटी यानी पेट से जुड़े अंगों के काम करने की क्षमता एकदम से बढ़ जाती है। इससे आमतौर पर ब्लड प्रेशर कम हो जाता है और तुरंत ही दिल पर इसका असर पड़ने लगता है, क्योंकि ऑक्सीजन का लेवल तेजी से कम होने लगता है। मेटाबॉलिज़्म बिगड़ने से शरीर में बेकार की चीजें को निकलने का मौका नहीं मिलता, जिससे किडनी और लिवर डैमेज होने लगते हैं। ऐसी स्थिति में पेशेंट को आईसीयू में इलाज की जरूरत पड़ जाती है। यूरिन रुक जाने की हालात में किडनी तक फेल होने की संभावना बनी रहती है।

जल्दी लक्षण समझें

शरीर का तापमान तेजी से बढ़ना, बहुत ज्यादा गर्मी लगना, सिरदर्द, थकान, पसीना न निकलना, चिड़चिड़ापन, चक्कर आना, जी मिचलाना, सांसों का तेजी से बढ़ना और घटना आदि हीट स्ट्रोक के शुरुआती लक्षण होते हैं।

कई बार एकाएक बेहोशी या दौरे जैसे हालात भी बन जाते हैं। हीट स्ट्रोक में पहला घंटा सबसे अहम होता है। इसके बाद जान को खतरा बढ़ता ही चला जाता है।

मरीज़ की ऐसे कर सकते हैं मदद

कोई गर्मी के कारण बेहोश होता दिखे, तो उसे तुरंत पानी या इलेक्ट्रोलाइट्स का घोल पिलाएं। बेहोश हो गया हो, तो तुरंत उसके सिर, हाथ, बगलों और तलवों पर ठंडे पानी में भिगोया कपड़ा रखें।

उसे छांव में ले जाएं। हो सके तो बर्फ के पानी की पट्टियां रखें। ये सारे फर्स्ट एड हैं, इसलिए अस्पताल ले जाने में जरा भी देर न करें। मौसम कोई भी हो, थोड़ी-थोड़ी देर में पानी पिलाते रहें। लंबे समय तक धूप में काम करने वालों को चाहिए कि बीच-बीच में किसी ठंडी जगह पर जाकर दो मिनट शरीर को आराम देते रहें।

दो तरह से होता है प्रभाव

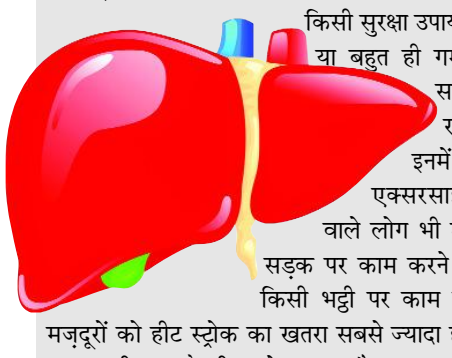

हीट स्ट्रोक उन लोगों को जल्दी प्रभावित करता है, जो बिना किसी सुरक्षा उपाय के धूप में या बहुत ही गर्मी में लंबे समय तक रहते हैं। इनमें जिम में एक्सरसाइज करने वाले लोग भी शामिल हैं। सड़क पर काम करने वाले और किसी भट्ठी पर काम करने वाले मज़दूरों को हीट स्ट्रोक का खतरा सबसे ज्यादा होता है। एक दूसरी तरह के हीट स्ट्रोक का अटैक अमूमन उन लोगों पर होता है, जिनका शरीर बदलते तापमान के हिसाब से जल्दी एडजस्ट नहीं होता। इसमें छोटे बच्चे, बुजुर्ग और वे लोग शामिल हैं, जो किसी लंबी बीमारी से जूझ रहे होते हैं।

हैप्पी ओल्ड एज के स्मार्ट टिप्स

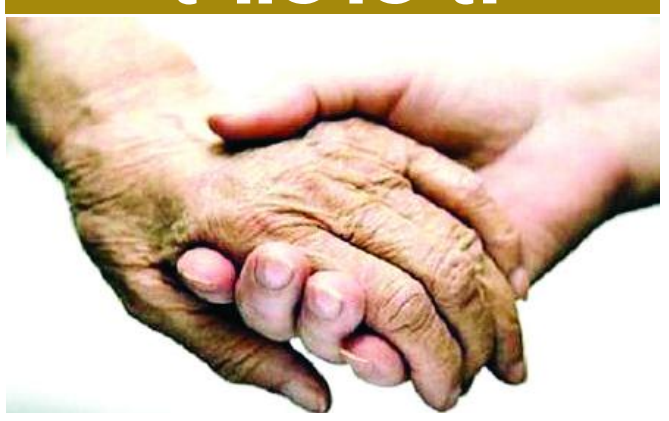

'जियो और जीने दो' के सिध्दांत को स्थापित रखने का प्रयास करें। जीवन के हर क्षण के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखें। स्वास्थ्य के प्रति पूर्ण सतर्क रहें। आवश्यक चैकअप समय-समय पर कराते रहें। जहां तक संभव हो प्रौढ़ावस्था में ही अपनी वृध्दावस्था की तैयारी आरंभ कर दें। अपना बैंक-बैलेंस और आभूषणों को भविष्य में आने वाले समय के लिए सुरक्षित रखें। अपना सब कुछ बांटने और देने की भूल, भूलकर भी न करें। व्यस्त और सक्रिय रहने का प्रयास करें। इसके लिए नियमित रूप से समय के साथ स्वयं में भी बदलाव लाने का प्रयास करें। संतुलित और पौष्टिक भोजन का सेवन करें। आपका स्वभाव जितना अच्छा होगा, उतना ही आपका बुढ़ापा अच्छा कटेगा। इस बात का विशेष ध्यान रखें। युवा पीढ़ी से ही नहीं, बल्कि किसी अन्य से भी अधिक उम्मीदें कभी न रखें। नौकरी से अवकाश के उपरांत घर पर व्यर्थ न बैठें और न ही आत्मकेन्द्रित बनें, बल्कि समाज व सामाजिक कार्यों के प्रति अपना सक्रिय योगदान दें। आज की आधुनिक जीवनशैली में बहुत आवश्यक है आपका समय के साथ चलना, इसलिए समय के साथ-साथ स्वयं में भी बदलाव लाने का प्रयास करें। दूसरे के काम आने का प्रयास करें, इससे आपको भी आत्मसंतुष्टि मिलेगी और दूसरे भी आपसे खुश रहेंगे। इस अवस्था में आप अपनी रुचि व इच्छा के वे सभी कार्य करें, जो आप अपने घर-परिवार की जिम्मेदारियों को निभाते हुए न कर सके थे। नकारात्मक विचारों को मन में स्थान न दें। सकारात्मक सोच के साथ जीवन के हर सुख-दु:ख को जीने का प्रयास करें। स्वयं में आत्मबल का विकास करें। हर विपरीत परिस्थिति में अपना संयम न खोयें, बल्कि धैर्य और शान्ति से बुरे समय के निकल जाने का इन्तजार करें।

न्यूरोपैथिक दर्द से पाएं राहत

न्यूरोपैथिक पेन एक जटिल और लंबे वक्त तक चलने वाला दर्द है। यह दर्द क्षतिग्रस्त व ठीक तरह से काम न करने वाले या चोटिल स्नायु (नर्व) फाइबर्स के कारण पैदा होता है।

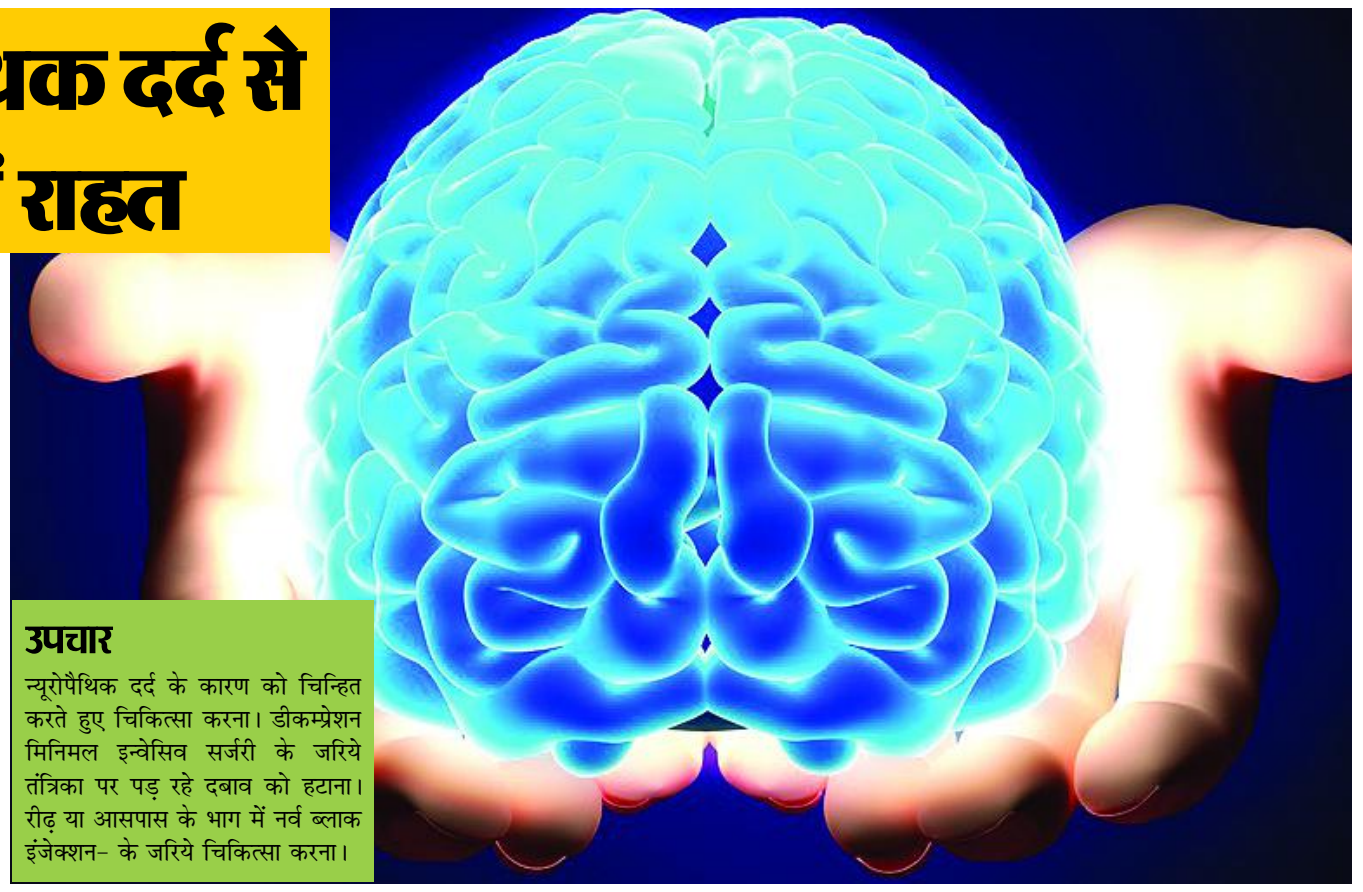

उपचार

न्यूरोपैथिक दर्द के कारण को चिन्हित करते हुए चिकित्सा करना। डीकम्प्रेशन मिनिमल इन्वेसिव सर्जरी के जरिये तंत्रिका पर पड़ रहे दबाव को हटाना। रीढ़ या आसपास के भाग में नर्व ब्लाक इंजेक्शन- के जरिये चिकित्सा करना।

लक्षण

सुइयां जैसी चुभना, जलन होना, त्वचा का सुन्न पड़ जाना और तेज दर्द होना इस रोग के लक्षण हैं। इसके अलावा बिजली के करेंट जैसा झटके के साथ दर्द होना और चींटियां जैसा काटने का अनुभव होना न्यूरोपैथिक दर्द के लक्षण हैं।

कारण

न्यूरोपैथिक दर्द के कुछ सामान्य कारणों में शराब का अत्यधिक सेवन, डाइबिटीज होना, एचआईवी संक्रमण, रीढ़ की हड्डी के ऑपरेशन और पैर व कमर संबंधी समस्या को शामिल किया जाता है।

डायग्नोसिस

न्यूरोपैथिक दर्द का पता लगाने के लिए डॉक्टर शारीरिक जांच करते हैं। आपके स्नायुओं (नर्व्स) को नुकसान पहुंचा है या नहीं, यह पता लगाने का सबसे सामान्य तरीका है- इलेक्ट्रोमायोग्राम के साथ नर्व कंडक्शन स्टडी। सियोमीटर जांच।

गलत धारणाएं और तथ्य

केवल डाइबिटीज से ग्रस्त व्यक्तियों को ही न्यूरोपैथिक दर्द होता है।

इस तरह की धारणा गलत है। सच तो यह है कि डाइबिटीज से ग्रस्त व्यक्तियों में न्यूरोपैथिक समस्या सामान्य रूप से पायी जाती है, लेकिन कीमोथेरेपी लेने वाले, किसी तरह की चोट या बीमारी से ग्रस्त व्यक्तियों, ऐसे व्यक्ति जिनका कोई अंग-भंग हो गया हो, उन्हें भी न्यूरोपैथिक दर्द हो सकता है। बढ़ती उम्र के साथ भी न्यूरोपैथिक दर्द हो सकता है।

रोकथाम

तंत्रिकाओं (नर्व्स) का दर्द कम करने के लिए डाइबिटीज पर नियंत्रण रखें। नशे से दूर रहें और व्यायाम करें।

व्यायाम से पैरों और पंजों के स्नायुओं में रक्त संचार ठीक तरह से होता है।

व्यायाम- उंगलियों और हाथों को गोल-गोल घुमाएं, पूरे शरीर की मांसपेशियों को स्ट्रेच करें।

खान- पान: में साबुत अनाज, विटामिन सी युक्त फल और हरी पत्तेदार सब्जियां, टमाटर और पौधों से प्राप्त वसा का सेवन लाभकारी है।

क्यों उठ रहा है दिमाग में भूकंप

बीते दिनों नेपाल और भारत में आए भूकंप के बाद तमाम लोग डॉक्टरों और मनोरोग विशेषज्ञों के पास गए। इनमें से ज्यादातर लोगों की प्रमुख शिकायत थी कि भूकंप के गुजर जाने के बाद वे बेचैनी महसूस कर रहे हैं...। किसी का कहना था कि उन्हें ढंग से नींद नहीं आ रही है कि पता नहीं कब भूकंप के झटके महसूस होने लगे। किसी-किसी का कहना था कि उन्हें अभी भी कभी-कभी यह महसूस होता है कि जमीन हिल रही है...आदि।

पोस्ट ट्रामेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर

इस संदर्भ में नई दिल्ली के वरिष्ठ मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. अचल भगत कहते हैं कि मेरे पास उपर्युक्त समस्याओं के बाबत लोग आए। असल में दो तरह के लोग होते हैं, एक तो वे जिन्हें भूकंप के दौरान जान-माल की क्षति हुई। ऐसे लोग एक मनोरोग- पोस्ट ट्रामेटिक स्ट्रेस डिस्आर्डर- से ग्रस्त हो सकते हैं। ऐसे लोगों में घबराहट बहुत ज्यादा होती है। उनके दिमाग में पुरानी घटनाओं का फ्लैश बैक चलता रहता है।

बचें कैटेस्ट्रॉफिक थिंकिंग- से

जिन लोगों का भूकंप से नुकसान नहीं हुआ है और वे तब भी आशंकाग्रस्त व अत्यधिक भयग्रस्त हैं, तो उनकी इस सोच को मनोचिकित्सकीय भाषा में कैटेस्ट्रॉफिक थिंकिंग (हादसे से संबंधित सोच) कहा जाता है। इस संदर्भ में नई दिल्ली के एक अन्य वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ. गौरव गुप्ता कहते हैं कि भूकंप के बाद तमाम लोगों के मन में डर अपनी जड़ें जमा लेता हैं। धीरे-धीरे यह भय एंग्जाइटी (बेचैनी) में बदल जाता है।

इलाज

कोई व्यक्ति भूकंप के गुजरने के बाद भी बेचैनी महसूस कर रहा है, तो वह मनोरोग विशेषज्ञ से काउंसलिंग व दवा ले। ध्यान दूसरी ओर आकर्षित करें। किसी हॉबी में मशगूल हों। मन को बहलाने का प्रयास करें। ईश्वर का ध्यान करें। इससे आपका मनोबल और आत्मविश्वास बढ़ता है, मन की बेचैनी कम होती है और आप इस सत्य को समझने लगते हैं कि भगवान की मर्जी के आगे किसी की नहीं चलती। इसलिए स्वयं को नकारात्मक सोच के दायरे में रखना अपना ही नुकसान करना है।

मायोपिया से बचने के लिए टीवी कम देखें

बात जब मनोरंजन की हो, तो अपने बच्चे को स्क्रीन देखने से ज़्यादा आउटडोर खेलने के लिए प्रोत्साहित करें। यह मायोपिया से बचाव का की फैक्टर हो सकता है। अनुमान है कि भारत में हर तीन में से एक व्यक्ति मायोपिया का शिकार है और बच्चों में यह समस्या बढ़ रही है। एम्स के शोधकर्ताओं के अनुसार भारत में 12 साल की उम्र के आठ बच्चों में से एक को ब्लैकबोर्ड पढ़ने के लिए चश्मा लगता है। इस अध्ययन में दिल्ली के सरकारी और निजी स्कूलों के करीब 10 हज़ार छात्रों की समीक्षा की गई और पाया गया कि 11.6 साल की औसत उम्र के 13.1 फीसदी बच्चे निकट दृष्टि दोष के शिकार हैं। हालांकि अब तक सूरज की रोशनी और मायोपिया का संबंध स्थापित नहीं किया जा सका है लेकिन कई ताज़ा अध्ययनों की दलील है कि सूरज की रोशनी इस रोग से बचाव में मदद करती है। शोधकर्ता कहते हैं कि इस रोग के लिए जीन्स की भूमिका भी हो सकती है। यूरोप और एशिया के 45 हज़ार लोगों पर किये जा रहे एक बड़े अध्ययन में सामने आया है कि दृष्टि से 24 जीन्स का संबंध है जिनमें से 2 इस रोग के कारण से जुड़े हैं। जिन लोगों में ये जीन्स होते हैं उनमें मायोपिया होने की आशंका 10 गुना बढ़ जाती है। प्राइवेट स्कूलों में पढ़ रहे उन बच्चों में मायोपिया के मामले ज़्यादा देखे गये, जिनके अभिभावक या भाई-बहन इस रोग से ग्रस्त हैं या जो उच्च आय वाले परिवारों से संबंधित हैं। यह आनुवांशिकी को नहीं दर्शाता लेकिन कुछ ऐसी गतिविधियों को इंगित करता है जो नेत्र संबंधी समस्या से जुड़ी हैं जैसे टीवी या स्क्रीन गैजेट्स आदि का प्रयोग। शोधकर्ताओं ने पाया कि उन बच्चों में मायोपिया सबसे ज़्यादा पाया गया जो दिन में पांच घंटे से ज़्यादा पढ़ते हैं या टीवी, कंप्यूटर, वीडियो व मोबाइल गेम्स आदि पर रोज़ दो घंटे से ज़्यादा समय बिताते हैं।

स्त्रियों में कुपोषण की समस्या

कुपोषण का अर्थ है पोषण की कमी। पोषण मिलता है उचित आहार-विहार द्वारा। जब अनुचित या मिथ्या आहार-विहार किया जाता है तो प्राय= शरीर में किसी न किसी पदार्थ की कमी होना स्वाभाविक है एवं उस पदार्थ की कमी विभिन्न लक्षणों के रूप में व्यक्त हो कर शरीर को रोगी बना देती है। कुपोषण स्त्री, पुरूष व बच्चे किसी में भी पाया जा सकता है। यहां हम चर्चा करेंगे स्त्रियों में कुपोषण की समस्या पर। आज यह एक ज्वलंत समस्या बन कर खड़ी है। बढ़ती महंगाई व बढ़ती जनसंख्या एवं घटते संसाधनों के कारण यह समस्या निरंतर दु=खदायी बनती जा रही है। स्त्री चूंकि परिवार व समाज का महत्वपूर्ण स्तंभ है- अत: उसका स्वस्थ रहना अति आवश्यक है। रोगिणी या कमजोर स्त्री का परिवार कभी सुखी नहीं हो सकता। अत= यह समस्या केवल शारीरिक ही नहीं अपितु सामाजिक समस्या भी है। लक्षण = कुपोषण होने पर प्राय= शारीरिक कमजोरी, मानसिक अवसाद, खून की कमी, शरीर का पीला या सफेद पड़ना, आंखों के चारों ओर कालिमा होना, आंखें गड्ढे में धंसी दिखाई पड़ना, भूख की कमी, थोड़े प्रयास से भी श्वास चढ़ना, चक्कर आना, इसके अलावा किसी विशेष विटामिन या आयरन, प्रोटीन व मिनरल की कमी से होने वाले विशेष लक्षण दिखलाई पड़ते हैं। प्रोटीन की कमी के कारण मांसपोशियों का कमजोर होना और यकृत का ठीक से कार्य न करना, विटामिन ए की कमी से आंखों का कमजोर व बीमार होना पाया जाता है।

विटामिन बी:की कमी से विकार व नाड़ी विकार होते हैं।

विटामिन सी: की कमी होने पर विभिन्न अस्थि रोग होते हैं। इसी प्रकार अन्य अनेक रोगों से शरीर ग्रस्त हो जाता है।

कारण: कुपोषण के अनेक कारण हैं, इनमें से कुछ निम्न प्रकार से हैं। गरीबी, भुखमरी, अपर्याप्त भोजन लेना। गलत भोजन का चयन अर्थात् ऐसा भोजन जिसमें विटामिन-मिनरल या अन्य पोषक पदार्थों का अभाव हो अर्थात् असंतुलित भोजन। आवश्यकता से अधिक भोजन लेना अपच पैदा कर कुपोषण का कारण बनता है।

एक ही प्रकार के विटामिन की अधिकता युक्त भोजन लेना। प्राकृतिक विषमताजन्य पदार्थ जैसे वनस्पतियों के बीज, पीतल, अल्यूमीनियम के बर्तनों में पका खाना। कुसमय भोजन करना, भोजन के प्रति लापरवाही बरतना। सस्ते के चक्कर में नीम-हकीमों की सलाह लेना। गरीबी, ईष्या, घर की सफाई पर ध्यान देना। किसी दिमागी या शारीरिक रोग की वजह से भूख न लगना। कट्टर शाकाहारी होना।

नशेड़ी होना। गर्भावस्था के दौरान, स्तनपान के दौरान। कड़ा परिश्रम करने वालों में खासकर ठंडे प्रदेश में सामान्य खुराक पर्याप्त नहीं होती। कभी-कभी किन्हीं रोगों के कारण भी कुपोषण की समस्या उत्पन्न होती है। लंबी अवधि तक किसी शल्य कर्म के कारण ग्लूकोस का चढ़ना। लंबी अवधि तक एंटीबायोटिक लेने से आंतों के बैक्टीरिया की क्रियाशीलता का कम होना। नेफ्रोटिक सिंड्रोम में प्रोटीन का मूत्र द्वारा बाहर निकल जाना प्रोटीन की कमी का कारण बनता है। डायबिटीज में ग्लूकोज का अधिक मात्रा में मूत्र में आना।

अधिक माहवारी होना लौह तत्व की कमी का कारण बनता है। अतिसार या दस्त आना पोटेशियम की कमी करता है। इस प्रकार उपरोक्त कारणों में से कोई एक कारण भी कुपोषण पैदा कर सकता है। उपरोक्त लक्षणों की जानकारी हासिल कर लेने के पश्चात आप स्वयं भी इसका निर्णय कर सकते हैं कि कहीं आप कुपोषण से ग्रस्त तो नहीं हैं? घर की व घर के अन्य सदस्यों की देखभाल करने में स्त्रियां प्राय= अपनी स्वयं की ओर ध्यान नहीं दे पाती। काम निपटाकर हीं भोजन करने की प्रवृत्ति उन्हें रोगी बना सकती है परन्तु उन्हें अपनी इस आदत को त्यागकर अपना ध्यान अवश्य रखना चाहिए। ऐसा न हो कि कुपोषण का छोटा स्वरूप भी कहीं किसी गंभीर रोग में तब्दील हो जाए। यदि उपरोक्त एक भी लक्षण आपको स्वयं में दिखाई दे तो समय नष्ट किए बिना चिकित्सक से परामर्श लें व उचित उपचार में लापरवाही न बरतें।

अमेरिकी ओपन : तीन दिन में तीन बड़े उलटफेर

गत चैंपियन जोकोविच का सपना टूटा 28वीं वरीयता प्राप्त पोपिरिन ने हराया

एजेंसी ▶▶| न्यूयॉर्क

कार्लोस अल्कराज के बाहर होने के एक दिन बाद गत चैंपियन नोवाक जोकोविच भी चार सेट तक चले मुकाबले में हारकर अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट से बाहर हो गए। महिला वर्ग में मौजूदा चैंपियन कोको गॉफ अगले दौर में प्रवेश करने में सफल रही। अपना 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कवायद में लगे जोकोविच को ऑस्ट्रेलिया के 28वीं वरीयता प्राप्त एलेक्सी पोपिरिन ने 6-4, 6-4, 2-6, 6-4 से हराया।

जोकोविच ने मैच के बाद कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो यह मेरा अभी तक का सबसे खराब प्रदर्शन है। यह मैच मेरे लिए किसी दुस्वप्न की तरह था। मैं अपने सर्वश्रेष्ठ के करीब भी नहीं खेल पाया।' यह 2017 के बाद पहला अवसर है जबकि दूसरी वरीयता प्राप्त जोकोविच साल में एक भी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट नहीं जीत पाए। इससे पहले 2010 में भी ऐसा हुआ था।

22 साल बाद बना शर्मनाक रिकॉर्ड

यह 2002 के बाद पहला अवसर है जबकि टेनिस के तीन दिग्गज खिलाड़ी जोकोविच, राफेल नडाल और रोजर फेडरर में से किसी ने भी किसी एक साल में ग्रैंड स्लैम ट्रॉफी हासिल नहीं की। जोकोविच इससे पहले 2005 और 2006 में अमेरिकी ओपन के तीसरे दौर से आगे नहीं बढ़ पाए थे। यह 37 वर्षीय खिलाड़ी 2011, 2015, 2018 और 2023 में यहां चैंपियन बना था।

गॉफ की शानदार वापसी

महिला वर्ग में पिछली चैंपियन और तीसरी वरीयता प्राप्त कोको गॉफ पहला सेट गंवाने के बावजूद आगे बढ़ने में सफल रहीं। अमेरिका की इस खिलाड़ी ने 27वीं वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना को 3-6, 6-3, 6-3 से हराकर अपने खिताब का बचाव करने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। उनका अगला मुकाबला एम्मा नवारो से होगा जिन्होंने तीन सेट तक चले मैच में जीत दर्ज करके अगले दौर में जगह सुरक्षित की। इस 13वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने 19वीं वरीय मार्टा कोस्ट्युक पर 6-4, 4-6, 6-3 से जीत दर्ज की। महिला वर्ग में ही आर्यना सबालेंका ने पहला सेट हारने के बाद अच्छी वापसी की और 29वीं वरीयता प्राप्त एकातेरिना अलेक्जेंड्रोवा को 2-6, 6-1, 6-2 से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई।

बोपन्ना और भांबरी तीसरे दौर में, बालाजी बाहर

भारत के युकी भांबरी और फ्रांस के अल्बानो ओलिवेटी की जोड़ी ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके ऑस्टिन क्राजिस्क और जीन जूलियन रोजर को हराकर अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल के तीसरे दौर में जगह बनाई। भांबरी और ओलिवेटी की जोड़ी ने अमेरिका के क्राजिसेक और नीदरलैंड के जीन जूलियन रोजर की 15वीं वरीयता प्राप्त जोड़ी को 4-6, 6-3, 7-5 से हराया। यह केवल दूसरा अवसर है जब भांबरी किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के तीसरे दौर में पहुंचे हैं। इससे पहले वह 2014 में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भी इसी चरण में पहुंचे थे। रोहन बोपन्ना और मैथ्यू एबडेन की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी भी स्पेन के रॉबर्टो कार्बालेस बेना और अर्जेंटीना के फेडेरिको कोरिया पर 6-2, 6-4 से जीत के साथ तीसरे दौर में पहुंच गई है। भारत के एक अन्य खिलाड़ी एन श्रीराम बालाजी और अर्जेंटीना के उनके जोड़ीदार गुइडो आंद्रेओजी दूसरे दौर में न्यूजीलैंड के माइकल वीनस और ग्रेट ब्रिटेन के नील स्कूपस्की से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए। भारत और अर्जेंटीना की जोड़ी दूसरे दौर के मैच में 6-7 (4), 4-6 से हार गई।

पेरिस पैरालंपिक

रुबिना को कांस्य, शूटिंग में भारत ने जीता चौथा पदक

एजेंसी ▶▶| शेटराउ

भारत की रुबिना फ्रांसिस ने शनिवार को यहां पेरिस पैरालंपिक में महिलाओं की एयर पिस्टल एसएच1 स्पर्धा के फाइनल में कांस्य पदक जीता जिससे देश के निशानेबाजों का मजबूत प्रदर्शन जारी रहा। रुबिना ने कुल 211.1 अंक हासिल कर आठ महिलाओं के फाइनल में तीसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने क्वालीफिकेशन राउंड में सातवें स्थान पर रहते हुए फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था। पेरिस पैरालंपिक में यह भारत का निशानेबाजी में चौथा और कुल मिलाकर पांचवां पदक था। शुक्रवार को अवनि लेखरा ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में स्वर्ण पदक का सफलतापूर्वक बचाव करते हुए इतिहास रच दिया था। उन्होंने टोक्यो पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीता था। मोना अग्रवाल ने इसी स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। मनीष नरवाल ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल (एसएच1) में रजत पदक जीता।

अरशद, ज्योति ने किया निराश

पेरिस। भारतीय साइकिलिस्ट अरशद शेख और ज्योति गडेरिया शनिवार को यहां पेरिस पैरालंपिक में अपनी ट्रैक साइकिलिंग स्पर्धाओं में प्रभावित करने में विफल रहे और क्वालीफिकेशन दौर में बाहर हो गये। पुरुषों के 1,000 मीटर टाइम ट्रायल सी13 के क्वालीफाइंग चरण में शेख 1:21.416 के समय से निराशाजनक निचले (17वें) पायदान पर रहे और फाइनल दौर में जगह बनाने में विफल रहे। वह शुक्रवार को पुरुषों की 3,000 मीटर परस्यूट सी2 स्पर्धा में भी विफल रहे थे। ज्योति भी महिलाओं की 500 मीटर टाइम ट्रायल सी1-3 क्वालीफाइंग स्पर्धा में 49.233 के समय से निचले (11वें) स्थान पर रहीं।

बैडमिंटन : नितेश, सुकांत ने सेमीफाइनल में बनाई जगह

पेरिस। भारतीय शटलर नितेश कुमार और सुकांत कदम ने शनिवार को पेरिस पैरालंपिक में अपने आखिरी ग्रुप मैचों में सीधे गेम में जीत दर्ज करने के बाद क्रमशः पुरुष एकल एसएल 3 और एसएल 4 श्रेणियों के सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया। पिछले साल चीन में एशियाई पैरा खेलों में रजत पदक जीतने वाले एसएल 3 वर्ग के खिलाड़ी नितेश ने थाईलैंड के मोंगखोन बुनसुन को 21-13, 21-14 से हराकर लगातार तीसरी जीत हासिल की और ग्रुप ए में शीर्ष स्थान हासिल किया। बुनसुन ने ग्रुप ए से पुरुष एकल एसएल4 वर्ग में सुकांत ने थाईलैंड के टीमारोम सिरीपोंग को 21-12, 21-12 से हराकर ग्रुप बी में शीर्ष स्थान हासिल किया और हमवतन सुहास यतिराज के साथ सेमीफाइनल में जगह बनाने में सफल रहे।

खबर संक्षेप

अनिता और नारायण फाइनल बी में पहुंचे

पेरिस। भारतीय नौकाचालक अनिता और नारायण कोंगनापल्ले शनिवार को यहां पेरिस पैरालंपिक की मिश्रित पीआर3 डबल स्कल्स स्पर्धा में तीसरे स्थान पर रहे। यह जोड़ी 7:54.33 सेकंड से यूक्रेन (7:29.24 सेकंड) और ब्रिटेन (7:20.53 सेकंड) से पीछे रही। भारतीय जोड़ी अब फाइनल बी में प्रतिस्पर्धा करेगी जो सातवें से 12वें स्थान के लिए होती है। शुक्रवार को हीट के दौरान भारतीय जोड़ी 8:06.84 सेकंड के समय से पांचवें स्थान पर रही थी।

जीव इंडिया लीजेंड्स खिताब जीतने के करीब

ग्रेटर नोएडा। टूर्नामेंट के मेजबान जीव मिल्खा सिंह शनिवार को यहां इंडिया लीजेंड्स चैंपियनशिप में लगातार दूसरा चार अंडर 68 का कार्ड खेलकर अपना पहला लीजेंड्स टूर जीतने के करीब हैं। स्वीडन के जोआकिम हाएगमैन शीर्ष पर बने हुए हैं और जीव मिल्खा सिंह उनसे एक स्ट्रोक पीछे हैं। दो दिन के खेल के बाद 52 वर्ष के जीव का कुल स्कोर आठ अंडर 136 है। इस तरह उनके पास घरेलू सरजमीं पर पहली अंतरराष्ट्रीय जीत दर्ज करने का मौका है।

ओलंपिक में गलत आचरण के लिए संदीप निलंबित

नई दिल्ली। भारतीय गोल्फ संघ ने अपनी संचालन परिषद के वरिष्ठ सदस्य संदीप वर्मा को पेरिस ओलंपिक के दौरान कथित गलत आचरण की जांच लंबित रहने तक निलंबित कर दिया है। आईजीयू के अध्यक्ष ब्रिजेंदर सिंह ने एक आधिकारिक आदेश में कहा, 'भारतीय गोल्फ संघ अपनी संचालन परिषद के सदस्य संदीप वर्मा को पेरिस ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करते समय गंभीर कदाचार के लिए उनके खिलाफ जांच लंबित रहने तक तत्काल प्रभाव से यानी 30 अगस्त 2024 से निलंबित करता है।'

मेहदी के 5 विकेट से बांग्लादेश ने पाकिस्तान को 274 रन पर समेटा

एजेंसी ▶▶| रावलपिंडी

ऑफ स्पिनर मेहदी हसन मिराज ने 61 रन देकर पांच विकेट लिए जिससे बांग्लादेश को दूसरे और अंतिम टेस्ट के दूसरे दिन शनिवार को पाकिस्तान को पहली पारी 274 रन पर आउट कर दिया। टेस्ट मैचों में मेहदी ने 10वीं बार पांच विकेट चटकाने का कारनामा किया। उन्हें कंधे की चोट से टीम में वापसी कर रहे तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद का अच्छा साथ मिला। तस्कीन ने 57 रन पर तीन विकेट चटकाकर टेस्ट मैच अपनी वापसी को खास बनाया। बांग्लादेश के क्षेत्ररक्षकों ने चार आसान कैच टपकाए जिससे मैच में पाकिस्तान को वापसी करने का मौका मिल गया। दिन का खेल खत्म होते समय बांग्लादेश ने अपनी पहली पारी में बिना किसी नुकसान के 10 रन बना लिए थे। सलामी बल्लेबाज शदमन इस्लाम को पहली ही गेंद पर जीवनदान मिला जब सउद शकील ने मीर हमजा की गेंद पर उनका आसान कैच टपका दिया। श्रृंखला का पहला मैच 10 विकेट से जीतने के बाद बांग्लादेश के पास पाकिस्तान के खिलाफ इतिहास रचने का मौका है।

मुशफिकुर को लगी चोट

बांग्लादेश की टीम हालांकि पहले टेस्ट में 191 रन बनाने वाले मुशफिकुर रहीम के चोटिल होने से चिंतित होगी। दिन के दूसरे सत्र में आउटफील्ड में ड्राइव लगाने दौरान मुशफिकुर का कंधा चोटिल हो गया और उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा।

दीक्षा ने आयरिश ओपन के कट में बनाई जगह

डबलिन। भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर दूसरे दौर में एक ओवर का कार्ड खेलने के बावजूद यहां केपीएमजी महिला आयरिश ओपन में कट में जगह बनाने में सफल रही। दो बार की लेडीज यूरोपियन टूर विजेता दीक्षा पर एक समय कट से चूकने का खतरा मंडरा रहा था लेकिन उन्होंने 17वें होल पर बर्डी लगाकर दिन का समापन एक ओवर पर किया। ओलंपियन दीक्षा ने पहले दौर में एक अंडर 72 का स्कोर किया था। वह अभी संयुक्त रूप से 55वें स्थान पर हैं। भारत की अन्य खिलाड़ियों में प्रणवी उर्स (73-74), त्वेसा मलिक संधू (76-78) और रिधिमा दिलावरी (79-76) कट से चूक गईं।

अनाहत और रविन्दु ने जीता स्क्वाश टूर खिताब

कोलकाता। भारतीय किशोरी अनाहत सिंह ने शनिवार को एचसीएल स्क्वाश टूर पीएसए के फाइनल में फिलीपींस की जेमिका अरिबाडो पर 3-0 की शानदार जीत के साथ महिला खिताब अपने नाम किया। अनाहत (16 वर्ष) ने अरिबाडो को 11-5, 11-3, 11-7 से हराया। एशियाई खेलों में टीम कांस्य पदक जीतने वाली अनाहत के लिए यह दोहरी खुशी थी क्योंकि उन्होंने ईस्टर्न स्लैम अंडर 19 लड़कियों का खिताब भी जीता था। श्रीलंका के रविन्दु लकसिरी ने कुवैत के अम्मार अल्तामिमी को 3-0 (11-7 13-11 11-3) से हराकर पुरुष वर्ग का खिताब जीता। टूर्नामेंट के अंतिम दिन भारत के पूर्व खिलाड़ी सौरव घोषाल भी उपस्थित रहे।

जडेजा संपूर्ण ऑलराउंडर रैना भी शानदार : रोड्स

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज क्रिकेटर जोंटी रोड्स ने रविंद्र जडेजा को वर्तमान समय का संपूर्ण ऑलराउंड क्षेत्ररक्षक करार दिया और साथ ही पूर्व भारतीय खिलाड़ी सुरेश रैना की भी जमकर प्रशंसा की। क्रिकेट जगत के सर्वकालिक महान क्षेत्ररक्षकों में से एक रोड्स 1992 से लेकर 2003 तक दक्षिण अफ्रीका की तरफ से खेले थे। वह दक्षिण अफ्रीका की तरफ से वनडे में 100 कैच लेने वाले पहले खिलाड़ी बने थे। संन्यास लेने के बाद रोड्स क्षेत्ररक्षण कोच के रूप में कई आईपीएल टीमों से जुड़े रहे जिनमें मुंबई इंडियंस, पंजाब किंग्स और हाल ही में लखनऊ सुपर जायंट्स शामिल हैं। रोड्स ने कहा, 'मैं सुरेश रैना का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। मैंने उनके खेल के दिनों का आनंद लिया लेकिन अब वह संन्यास ले चुके हैं। वह ऐसे समय में मैदान के किसी भी हिस्से में गोता लगा देते थे जबकि भारतीय मैदान इसके लिए अनुकूल नहीं हुआ करते थे।' रोड्स को शनिवार को हीरो प्रो कॉरपोरेट लीग क्रिकेट टूर्नामेंट का ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया गया। उन्होंने जडेजा की भी जमकर प्रशंसा करते हुए कहा, 'जडेजा अलग स्तर का क्षेत्ररक्षक है। वह बहुत अधिक गोता नहीं लगाता लेकिन गेंद पर तेजी से झपटता है।

बडोनी ने ठोके 19 छक्के टी20 का बना वर्ल्ड रिकॉर्ड

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आयुष बडोनी (165) ने 19 छक्कों के साथ किसी टी20 पारी का नया रिकॉर्ड कायम किया तो वहीं प्रियांश आर्य (120) ने एक ओवर में छह छक्के लगाए जिससे साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स ने दिल्ली प्रीमियर लीग में शनिवार को नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स के खिलाफ पांच विकेट पर 308 रन बनाए। यह टी20 मैच का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है।

इंडियन प्रीमियर लीग में लखनऊ सुपरजायंट्स के लिए खेलने वाले बडोनी ने 19 छक्के जड़े जो टी20 क्रिकेट का नया रिकॉर्ड है। साउथ दिल्ली ने पांच विकेट पर 308 रन बनाए जो 2023 में एशियाई खेलों की पुरुष प्रतियोगिता में मंगोलिया के खिलाफ नेपाल द्वारा 20 ओवर में बनाए गए तीन विकेट पर 314 रन से महज छह रन कम है।

गेल का रिकार्ड तोड़ा

टी20 मैच की किसी पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड इससे पहले संयुक्त रूप से वेस्टइंडीज के क्रिस गेल और एस्टोनिया के साहिल चौहान के नाम था। दोनों बल्लेबाजों ने एक समान 18 छक्के लगाए थे। गेल ने बांग्लादेश प्रीमियर लीग के 2017 सत्र में ढाका डायनामाइट्स के खिलाफ रंगपुर राइडर्स के लिए 69 गेंदों में 146 रन की पारी में पांच चौकों के साथ 18 छक्के लगाए थे जबकि भारतीय मूल के चौहान ने इस साल जून में एक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में साइप्रस के खिलाफ एस्टोनिया के लिए 41 गेंदों में 144 रन की पारी के दौरान 18 छक्के लगाए थे।

साझेदारी का नया रिकॉर्ड

बडोनी और आर्य ने दूसरे विकेट के लिए 286 रन की साझेदारी कर टी20 क्रिकेट का नया रिकॉर्ड कायम किया। इससे पहले यह रिकॉर्ड जापान की लाचलान यामामोटो-लेक और केंडेल काडोवाकी-फ्लेमिंग की सलामी जोड़ी के नाम था, जिन्होंने इस साल फरवरी में चीन के खिलाफ पहले विकेट के लिए 258 रन जोड़े थे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी श्रृंखला के लिए भारतीय टीम का ऐलान

द्रविड़ का सपना पूरा, समित अंडर-19 टीम में शामिल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत के पूर्व कप्तान और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के बेटे समित द्रविड़ को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी श्रृंखला के लिए भारत की अंडर-19 टीम में शामिल किया गया है। तीन मैचों की वनडे श्रृंखला 21, 23 और 26 सितंबर को पुडुचेरी में होगी जिसमें भारतीय टीम का नेतृत्व उत्तर प्रदेश के मोहम्मद अमान करेंगे।

इसके बाद इन दोनों टीम के बीच चेन्नई में दो चार दिवसीय मैच खेले जाएंगे। पहला मैच 30 सितंबर से जबकि दूसरा मैच सात अक्टूबर से शुरू होगा। इन दोनों मैच में भारतीय टीम की कप्तानी मध्य प्रदेश के सोहम पटवर्धन करेंगे। ऑलराउंडर समित वर्तमान में बेंगलुरु में चल रही केएससीए महाराजा टी20 ट्रॉफी में मैसूर वॉरियर्स के लिए खेल रहे हैं। इस टूर्नामेंट में समित अभी तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। उन्होंने सात पारियों में 82 रन बनाए हैं जिसमें उनका उच्चतम स्कोर 33 रन है। उन्हें अभी तक टूर्नामेंट में गेंदबाजी करने का मौका नहीं मिला है। समित ने हालांकि इस साल के शुरू में कूच बेहार ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन किया था और कर्नाटक को पहली बार चैंपियन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

इस 18 वर्षीय खिलाड़ी ने आठ मैचों में 362 रन बनाए और जम्मू-कश्मीर के खिलाफ 98 रन की शानदार पारी खेली थी। इसके अलावा उन्होंने टूर्नामेंट में 16 विकेट लिए थे। इनमें मुंबई के खिलाफ फाइनल में लिए गए दो विकेट भी शामिल हैं।

एकदिवसीय अंडर-19 टीम

रुद्र पटेल, साहिल पारख, कार्तिकेय केपी, मोहम्मद अमान (कप्तान), किरण चोरमाले, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), हरवंश सिंह पंगालिया (विकेटकीपर), समित द्रविड़, युधाजीत गुहा, समर्थ एन, निखिल कुमार, चेतन शर्मा, हार्दिक राज, रोहित राजावत, मोहम्मद एनान।

चार दिवसीय अंडर-19 टीम

वैभव सूर्यवंशी, नित्या पंड्या, विहान मल्होत्रा, सोहम पटवर्धन (कप्तान), कार्तिकेय केपी, समित द्रविड़, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), हरवंश सिंह पंगालिया (विकेटकीपर), चेतन शर्मा, समर्थ एन, आदित्य रावत, निखिल कुमार, अनमोलजीत सिंह, आदित्य सिंह, मोहम्मद एनान।

आज के दौर में म्यूचुअल फंड की लोकप्रियता निवेशकों में लगातार बढ़ रही है। इसकी वजह है कि इनमें स्टॉक मार्केट की तरह हाई रिटर्न मिल रहा है। वहीं डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो होने के चलते म्यूचुअल फंड स्कीम को स्टॉक में सीधे पैसे लगाने की बजाए सुरक्षित भी माना जाता है। इसमें भी एसआईपी और बेहतर विकल्प है, जहां मंथली बेसिस पर जब तक चाहें, तबतक निवेश करने की सुविधा मिलती है।

म्यूचुअल फंड की कई स्कीमों ने रुपये कर दिए डबल, खुशी से झूम रहे निवेशक

निवेश मंत्रा
विनोद कौशिक

तीन साल में इन स्कीमों ने किया मालामाल

- तीन साल में हाइएस्ट रिटर्न वाली पांच स्कीम बड़ा रही धन
- सभी ने डबल किए निवेशकों के पैसे, 187% तक दे दी ग्रोथ
- ऐसा इक्विटी या इससे रिलेटेड किसी निवेश के विकल्प में भी नहीं

अगर आप बाजार में पैसे लगाने की योजना बनाते हैं तो आमतौर पर मन में यही रहता है कि कैसे हाई से हाई रिटर्न मिल सकता है। ट्रेडिशनल निवेश विकल्पों में, जहां सालाना डबल डिजिट से कम ही रिटर्न मिलता है, वहीं पैसे डबल होने में 9 से 10 साल लगा जाते हैं, लेकिन अगर आपके पैसे महज 3 साल में डबल या करीब 3 गुना हो जाए तो सोचिए यह आपके लिए कितनी अच्छी डील साबित होगी। ऐसा संभव है इक्विटी या इससे रिलेटेड किसी निवेश के विकल्प में। बाजार में ऐसी कई म्यूचुअल फंड स्कीम हैं, जिनमें 3 साल में निवेशकों का पैसा 2.5 से 3 गुना हो गया है। हम आपको इस रिपोर्ट में 3 साल में बेस्ट परफॉर्म करने वाली 5 स्कीम के बारे में जानकारी देंगे।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल भारत 22 एफओएफ

- लम्प सम निवेश पर सालाना रिटर्न : 42%
- लम्प सम निवेश पर एबसॉल्यूट रिटर्न : 186.81%
- 1 लाख लम्स सम की वैल्यू : 2,86,814 रुपये
- एसआईपी निवेश पर सालाना रिटर्न : 47.75%
- एसआईपी निवेश पर एबसॉल्यूट रिटर्न : 93%
- मंथली 5000 रुपये एसआईपी की वैल्यू : 3,47,607 रुपये

यह भी जानें

- स्कीम लॉन्च डेट : 29 जून, 2018
- लॉन्च के बाद से एनुअलाइज्ड रिटर्न : 22.13%
- कम से कम लम्प सम निवेश : 5000 रुपये
- कम से कम एसआईपी निवेश : 1000 रुपये
- बेंचमार्क : बीएसई भारत 22 टीआरआई
- कुल एसेट्स : 1897 करोड़ रुपये (31 जुलाई, 2024)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.12% (30 जून, 2024)

मोतीलाल ओसवाल मिडकैप फंड

- लम्प सम निवेश पर सालाना रिटर्न : 38.85%
- लम्प सम निवेश पर एबसॉल्यूट रिटर्न : 168.15%
- 1 लाख लम्स सम की वैल्यू : 2,68,148 रुपये
- एसआईपी निवेश पर सालाना रिटर्न : 46.15%
- एसआईपी निवेश पर एबसॉल्यूट रिटर्न : 89.39%
- मंथली 5000 रुपये एसआईपी की वैल्यू : 3,40,900 रुपये

यह भी जानें

- स्कीम लॉन्च डेट : 24 फरवरी, 2014
- लॉन्च के बाद से एनुअलाइज्ड रिटर्न : 26%
- कम से कम लम्प सम निवेश : 500 रुपये
- कम से कम एसआईपी निवेश : 500 रुपये
- बेंचमार्क : निफ्टी मिडकैप 150 टीआरआई
- कुल एसेट्स : 14,446 करोड़ रुपये (31 जुलाई, 2024)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.61% (30 जून, 2024)

निप्पॉन इंडिया पावर एंड इंफ्रा फंड

- लम्प सम निवेश पर सालाना रिटर्न : 37%
- लम्प सम निवेश पर एबसॉल्यूट रिटर्न : 157.81%
- 1 लाख लम्स सम की वैल्यू : 2,57,807 रुपये
- एसआईपी निवेश पर सालाना रिटर्न : 48.36%
- एसआईपी निवेश पर एबसॉल्यूट रिटर्न : 94.64%
- मंथली 5000 रुपये एसआईपी की वैल्यू : 3,50,352 रुपये

यह भी जानें

- स्कीम लॉन्च डेट : 1 जनवरी, 2013
- लॉन्च के बाद से एनुअलाइज्ड रिटर्न : 17.52%
- कम से कम लम्प सम निवेश : 5000 रुपये
- कम से कम एसआईपी निवेश : 100 रुपये
- बेंचमार्क : निफ्टी इंफ्रास्ट्रक्चर टीआरआई
- कुल एसेट्स : 7,537 करोड़ रुपये (31 जुलाई, 2024)
- एक्सपेंस रेश्यो : 1.01% (30 जून, 2024)

एलआईसी एमएफ इंफ्रास्ट्रक्चर फंड

- लम्प सम निवेश पर सालाना रिटर्न : 37.77%
- लम्प सम निवेश पर एबसॉल्यूट रिटर्न : 161.93%
- 1 लाख लम्स सम की वैल्यू : 2,61,928 रुपये
- एसआईपी निवेश पर सालाना रिटर्न : 51.24%
- एसआईपी निवेश पर एबसॉल्यूट रिटर्न : 101.65%
- मंथली 5000 रुपये एसआईपी की वैल्यू : 3,62,969 रुपये

यह भी जानें

- स्कीम लॉन्च डेट : 2 जनवरी, 2013
- लॉन्च के बाद से एनुअलाइज्ड रिटर्न : 17.94%
- कम से कम लम्प सम निवेश : 5000 रुपये
- कम से कम एसआईपी निवेश : 1000 रुपये
- बेंचमार्क : निफ्टी इंफ्रास्ट्रक्चर टीआरआई
- कुल एसेट्स : 619 करोड़ रुपये (31 जुलाई, 2024)
- एक्सपेंस रेश्यो : 1.45% (30 जून, 2024)

डीएसपी इंडिया टाइगर फंड

- लम्प सम निवेश पर सालाना रिटर्न : 36.37%
- लम्प सम निवेश पर एबसॉल्यूट रिटर्न : 154%
- 1 लाख लम्स सम की वैल्यू : 2,54,023 रुपये
- एसआईपी निवेश पर सालाना रिटर्न : 48.47%
- एसआईपी निवेश पर एबसॉल्यूट रिटर्न : 94.91%
- मंथली 5000 रुपये एसआईपी की वैल्यू : 3,50,833 रुपये

यह भी जानें

- स्कीम लॉन्च डेट : 1 जनवरी, 2013
- लॉन्च के बाद से एनुअलाइज्ड रिटर्न : 19.11%
- कम से कम लम्प सम निवेश : 100 रुपये
- कम से कम एसआईपी निवेश : 100 रुपये
- बेंचमार्क : बीएसई इंडिया इंफ्रास्ट्रक्चर टीआरआई
- कुल एसेट्स : 5360 करोड़ रुपये (31 जुलाई, 2024)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.91% (30 जून, 2024)

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में अर्ली रिडेम्पशन क्या करें निवेशक

बिजनेस डेस्क

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) की 30 किस्तों के लिए अर्ली रिडेम्पशन की घोषणा की है। यह 1 अक्टूबर, 2024 और 31 मार्च, 2025 के बीच मैच्योर होने वाली है। कई लोगों के मन में सवाल है कि क्या बॉन्ड को मैच्योरिटी तक रखना चाहिए या पैसा निकाल लेना चाहिए? सरकार ने 2015 में सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड लॉन्च किया था। तब से इसकी 67 किस्तें जारी हो चुकी हैं। एसजीबी का मैच्योरिटी पीरियड 8 साल है। लेकिन, पांच साल के बाद इसमें से पैसे निकालने की इजाजत है। इसकी ट्रेडिंग एनएसई और बीएसई पर भी होती है।

आईबीआई कब एसजीबी वापस लेगा

आरबीआई ने सितंबर 2024 से मार्च 2025 तक एक कैलेंडर की घोषणा की है। इसमें उन बॉन्ड को वापस खरीदने के लिए कहा गया है जिन्होंने पांच साल पूरे कर लिए हैं। अगर निवेशक चाहते हैं तो उन्हें इसे जल्दी वापस लेने का विकल्प मिलता है। इस बॉन्ड की शर्तों के अनुसार, एसजीबी की मैच्योरिटी आठ साल है। इसमें बॉन्ड की अवधि पांच साल पार करने के बाद हर छह महीने में एक बार अर्ली रिडेम्पशन ऑप्शन उपलब्ध होता है।

वापस क्यों खरीद रहा है आरबीआई

- केंद्रीय बैंक बॉन्ड जारी करते समय तय शर्तों के अनुसार इसे खरीद रहा है।

क्या बेचना जरूरी है?

- नहीं, अर्ली रिडेम्पशन विंडो वॉलंटरी है और इन बॉन्ड को सौंपने के लिए कोई बाध्यता नहीं है।

क्या करें निवेशक

चूंकि अर्ली रिडेम्पशन विंडो वॉलंटरी है। ऐसे में फाइनैंस एक्सपर्ट का मानना है कि निवेशकों को इन बॉन्ड को मैच्योरिटी तक रखना चाहिए। इसकी वजह ये है कि इसके कई फायदे हैं। एक्सपर्ट का कहना है कि निवेशकों को इन बॉन्ड से पैसा निकालकर शेयरों में लगाने के लालच से बचना चाहिए।

क्या निवेशकों ने पैसा कमाया

अब तक, इन बॉन्ड की चार किस्तें अपनी आठ साल की अवधि पूरी कर चुकी हैं। निवेशकों को इन किस्तों में औसत सालाना रिटर्न 10.94% मिला है। यह रिटर्न उन निवेशकों के लिए टैक्स फ्री है जो इन बॉन्ड को मैच्योरिटी तक बनाए रखते हैं। इसके अलावा निवेशकों को 2.5% सालाना की दर से ब्याज भी मिला है।

आगे क्या संभावना

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की पहली किस्त नवंबर 2015 में घोषित की गई थी। तब से कुल 67 किस्तें जारी की गई हैं। इनमें से आखिरी किस्त फरवरी 2024 में जारी की गई थी। अब तक, चालू वित्तीय वर्ष के दौरान सरकार द्वारा एसजीबी की नई किस्तों की कोई घोषणा नहीं की गई है।

क्या है एसजीबी

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) एक सरकारी प्रतिभूति है, जिसे सोने के ग्राम में मूल्यवर्गित किया जाता है। यह भौतिक सोने का विकल्प है। एसजीबी योजना की शुरुआत नवंबर 2015 में हुई थी। इस योजना का प्रबंधन भारतीय रिजर्व बैंक (आबीआई) भारत सरकार की ओर से करता है।

एसजीबी से जुड़ी कुछ खास बातें

- एसजीबी योजना के तहत, आरबीआई भारत सरकार के परामर्श से किस्तों में इश्यू को सब्सक्रिप्शन के लिए खोलता है।
- एसजीबी की दर हर नई किश्त से पहले आरबीआई द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी करके घोषित की जाती है।
- एसजीबी के लिए आवेदन करने के लिए, निवेशक के पास आयकर विभाग द्वारा जारी पैन नंबर होना जरूरी है।
- बॉन्ड जारी होने पर ब्याज और मूल्य की जानकारी भारतीय रिजर्व बैंक देता है।
- ब्याज की रकम निवेशक के बैंक खाते में हर छह महीने पर जमा की जाती है।
- अंतिम ब्याज राशि परिपक्वता पर मूलधन के साथ दी जाती है।
- अगर आप पूरी अवधि के लिए बॉन्ड रखते हैं, तो आपको दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर नहीं देना होता।
- अगर आप बॉन्ड को द्वितीयक बाजार में बेचते हैं, तो आपको पूंजीगत लाभ पर कर देना होता है।

स्मॉलकैप का बड़ा कमाल, 2000 की एसआईपी ने बनाया करोड़पति

- 3 साल, 5 साल या 10 साल हर फेज में रही सुपरहिट
- बचत का महत्व समझना है तो क्वांट स्मॉलकैप फंड बेहतर

सुझाव
बिजनेस डेस्क

छोटी छोटी बचत कितना बड़ा काम कर सकती है, अगर इसका उदाहरण देखना हो तो म्यूचुअल फंड मार्केट में कुछ पुरानी स्कीम में छोटी छोटी एसआईपी का रिटर्न चेक कर सकते हैं. इसी का एक उदाहरण है स्मॉलकैप कैटेगरी में आने वाला फंड क्वांट स्मॉलकैप फंड इस फंड में लॉन्च के समय से अबतक अगर किसी ने 25 हजार रुपये अपफ्रंट निवेश के साथ हर महीने 2000 रुपये की एसआईपी की होगी तो अब वह 1 करोड़ रुपये का मालिक हो चुका होगा। इस फंड के 27 साल के रिटर्न के आंकड़े आपको छोटी छोटी बचत का पूरा महत्व समझा देंगे, जिसके बाद आप भी रोजाना बेसिस पर कुछ न कुछ बचाने को प्रेरित हो सकते हैं। यह फंड 24, नवंबर 1996 को लॉन्च होने के बाद से हर फेज में रिटर्न देने में अव्वल साबित हुआ है। आज भी यह रिटर्न देने में टॉप पर बना हुआ है।

स्मॉल-कैप फंड में पोर्टफोलियो का 65%छोटी कंपनियों में निवेश

लॉन्च के बाद से एसआईपी रिटर्न

- मंथली एसआईपी : 2000 रुपये
- एनुअलाइज्ड रिटर्न : 15.98%
- निवेश की अवधि : 27 साल
- कुल निवेश : 6,73,000 रुपये
- एसआईपी की कुल वैल्यू : 1,01,13,848 रुपये

3 साल में रिटर्न

- लम्स सम निवेश पर एनुअलाइज्ड रिटर्न : 32.21%
- लम्स सम निवेश पर एबसॉल्यूट रिटर्न : 131.28%
- 1 लाख निवेश की वैल्यू : 2,31,284 रुपये
- एसआईपी पर एनुअलाइज्ड रिटर्न : 41.19%
- एसआईपी पर कुल रिटर्न : 77.93%
- 3 साल में 5000 रुपये मंथली एसआईपी की वैल्यू : 3,20,278 रुपये

5 साल में रिटर्न

- लम्स सम निवेश पर एनुअलाइज्ड रिटर्न : 49.51%
- लम्स सम निवेश पर एबसॉल्यूट रिटर्न : 648.73%
- 1 लाख निवेश की वैल्यू : 7,48,725 रुपये
- एसआईपी पर एनुअलाइज्ड रिटर्न : 49.93%
- एसआईपी पर कुल रिटर्न : 230.47%
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की वैल्यू : 9,91,419 रुपये

10 साल में रिटर्न

- लम्स सम निवेश पर एनुअलाइज्ड रिटर्न : 22.25%
- लम्स सम निवेश पर एबसॉल्यूट रिटर्न : 647.54%
- 1 लाख निवेश की वैल्यू : 7,47,544 रुपये

- एसआईपी पर एनुअलाइज्ड रिटर्न : 29.31%
- एसआईपी पर कुल रिटर्न : 375.32%
- 10 साल में 5000 रुपये मंथली एसआईपी की वैल्यू : 28,51,912 रुपये

स्कीम के लिए सबसे अच्छा साल

- क्वांट स्मॉलकैप फंड के लिए सबसे अच्छा साल 18 मई 2020 से 18 मई 2021 के बीच का रहा है। इस दौरान इस फंड ने 218.73 फीसदी रिटर्न दिया है।

सबसे बुरा साल

क्वांट स्मॉलकैप फंड के लिए सबसे बुरा साल 22 मार्च 2019 से 23 मार्च 2020 के बीच का रहा है। इस दौरान इस फंड ने निगेटिव - 43.67 फीसदी रिटर्न दिया है।

फंड साइज और एक्सपेंस रेश्यो

- फंड का कुल एसेटस : 24,530 करोड़ रुपये (31 जुलाई, 2024 तक)
- एक्सपेंस रेश्यो : 1.64% (30 जून, 2024 तक)
- कम से कम निवेश : 5,000 रुपये
- कम से कम एसआईपी : 1,000 रुपये
- लॉन्च डेट : 24, नवंबर 1996
- बेंचमार्क : निफ्टी स्मॉलकैप 250 टीआरआई

एक्सपेंस रेशियो का असर

यूटीआई निफ्टी नेक्स्ट 50 इंडेक्स फंड के ऊपर दिए कैलकुलेशन में आपने डायरेक्ट और रेगुलर प्लान के रिटर्न में मामूली अंतर पर गौर किया होगा। एक ही स्कीम होने के बावजूद दोनों के रिटर्न में यह अंतर एक्सपेंस रेशियो में फर्क की वजह से है। रेगुलर प्लान का एक्सपेंस रेशियो 0.79% है, जबकि डायरेक्ट प्लान में यह सिर्फ 0.36% है। इसी फर्क की वजह से ऊपर दिए कैलकुलेशन में निवेश की रकम बराबर होने के बावजूद रिटर्न में 24,638 रुपये का अंतर दिखाई दे रहा है। यानी नेट रिटर्न के लिहाज से स्कीम का डायरेक्ट प्लान निवेशकों के लिए बेहतर है।

एसेट अलोकेशन और मार्केट कैप वेटेज

यूटीआई निफ्टी नेक्स्ट 50 इंडेक्स फंड को रिस्कोमीटर के हिसाब से 'वेरी हाई रिस्क' कैटेगरी में रखा गया है, लेकिन इसके पोर्टफोलियो में 98 फीसदी से ज्यादा लार्जकैप स्टॉक्स हैं, जिन्हें मिडकैप और स्मॉक के मुकाबले ज्यादा मजबूत और कम जोखिम वाला माना जाता है। स्कीम के एसेट अलोकेशन पर नजर डालें, तो इसके कॉर्पस का 99.78% हिस्सा इक्विटी में लगा है, जबकि 0.22% रकम कैश के रूप में है। मार्केट कैप के लिहाज से स्कीम का 98.38% फंड लार्ज कैप शेयर्स में लगा है, जबकि 1.62% फंड मिड कैप शेयरों में इनवेस्ट किया गया है। इस स्कीम का कोई भी निवेश स्मॉल कैप में नहीं है।

क्या आपको करना चाहिए निवेश

अगर आप लंबी अवधि के लिए इक्विटी में निवेश करना चाहते हैं और बेहतर रिटर्न के लिए जोखिम लेने की क्षमता रखते हैं, तो यूटीआई निफ्टी नेक्स्ट 50 इंडेक्स फंड आपके लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है। इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में निवेश का पूरा लाभ तभी मिलता है, जब आप लंबे समय के लिए, यानी कम से कम 5 से 7 साल के लिए, पैसे लगाने को तैयार हों। बाजार के उतार-चढ़ाव के असर को कम करने के लिहाज से इक्विटी फंड में एसआईपी के जरिये रेगुलर इनवेस्टमेंट करना बेहतर रणनीति है। इस फंड का पिछला प्रदर्शन अच्छा रहा है और अगर भविष्य में भी यही ट्रेंड जारी रहता है, तो यह निवेशकों को अच्छे रिटर्न्स दे सकता है।

वित्तीय से हेल्थ सुरक्षा तक, त्योहारों पर अपनों को दे बेस्ट गिफ्ट

सुरक्षा की बात
बिजनेस डेस्क

देश में त्योहारों का मौसम शुरू हो चुका है। रक्षा बंधन, जन्माष्टमी जा चुके हैं अब नवरात्र, दशहरा, दीवाली आने वाले हैं। ऐसे में आप अपने परिजनों को वित्तीय सुरक्षा से लेकर हेल्थ सुरक्षा तक बेहतरीन गिफ्ट दे सकते हैं। कोशिश करें इस साल, पारंपरिक उपहारों के बजाय, कुछ ऐसे उपहारों को देने को लेकर विचार करें जो आपके बहन, भाई, मां, बाप और साथी के वित्तीय भविष्य को सशक्त बनाते हों। वित्तीय सुरक्षा उपहार देना आपके प्यार को दर्शाने, उन्हें विकास और स्थिरता की राह पर ले जाने का एक सार्थक तरीका है। बेहतर वित्तीय भविष्य के लिए सफल निवेश और समझदारी फैसला अहम है। इसकी शुरुआत अच्छी बचत की आदतें और वित्तीय साक्षरता विकसित करने से होती है। फिनोवेट सर्वे के मुताबिक 18 से 30 आयु वर्ग के लोगों का वित्तीय फिटनेस स्कोर सबसे कम है, जिसका मुख्य कारण योजना की कमी है। अनुशासित बचत और जागरूकता के बिना, सर्वोत्तम निवेश रणनीतियां भी चुनौतीपूर्ण हो सकती हैं। इस बार त्योहारों पर एसआईपी, म्यूचुअल फंड या स्टॉक जैसे निवेश विकल्प उपहार में देने पर विचार करें। ऐसा करके आप न सिर्फ एक तोहफा दे रहे हैं, बल्कि वित्तीय सुरक्षा और ग्रोथ के लिए आजीवन आदतें विकसित करने में मदद कर रहे हैं।

परिजनों की वित्तीय स्थिति बेहतर करने को रहें तैयार

यहां टॉप 5 वित्तीय तोहफे

एसआईपी म्यूचुअल फंड शुरू करने पर करें विचार

सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) आपके निवेश की दुनिया से परिचित कराने का एक शानदार तरीका है। एसआईपी समय के साथ नियमित योगदान के साथ म्यूचुअल फंड में निवेश के लिए एक अनुशासित दृष्टिकोण की अनुमति देता है। आप अपने प्रियजनों की ओर से किसी म्यूचुअल फंड स्कीम में शुरुआती निवेश कर सकते हैं और उन्हें निवेश के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं। यह या तो व्यवस्थित हस्तांतरण योजना (एसटीपी) के माध्यम से एकमुश्त निवेश के माध्यम से या व्यवस्थित निवेश योजना (एसआईपी) का विकल्प चुनकर किया जा सकता है। इस लिहाज से आप कंपाउंडिंग का ताकत का लाभ उठाते हुए, उन्हें धीरे-धीरे फंड बनाने में मदद कर रहे हैं। एसआईपी के सबसे महत्वपूर्ण फायदों में से एक इसका लचीलापन है। आप छोटी रकम से शुरुआत कर सकते हैं, जिससे आपके पास सीमित बजट होने पर भी इसे सुलभ बनाया जा सकता है। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान म्यूचुअल फंड में निवेश की ऐसी व्यवस्था है, जहां निवेशक किसी स्कीम में अपनी सेविंग एक साथ लगाने की बजाए, थोड़ा-थोड़ा करके लगाते हैं। मंथली निवेश के लिए उस स्कीम के तहत मिनिमम या कितना भी अमाउंट फिक्स किया जा सकता है। एसआईपी नियमित बचत और लंबी अवधि वाली वित्तीय योजना का महत्व भी सिखाता है। आप अपने निवेश को बढ़ते हुए देखेंगे, उन्हें अपने वित्तीय लक्ष्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहने के लाभों की गहरी समझ प्राप्त होगी। यह सिर्फ एक उपहार नहीं है। यह वित्तीय अनुशासन का एक सबक है जिससे उन्हें आने वाले सालों में लाभ होगा।

गिफ्ट में दे सकते हैं पेपर गोल्ड

अपने प्रियजनों को पेपर गोल्ड उपहार में देना फिजिकल गोल्ड को संभालने की परेशानी के बिना सोने में निवेश करने का एक आधुनिक और व्यावहारिक तरीका है। पेपर गोल्ड का तात्पर्य सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड्स (एसजीबी) या गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) जैसे निवेश विकल्प से है, जो बिना सिक्कों को जुटान की जरूरत के सोने के मूल्य का प्रतिनिधित्व करते हैं। ये वित्तीय उत्पाद भौतिक सोने के मालिक होने के समान लाभ प्रदान करते हैं, जैसे कि पूंजी की सराहना और महंगाई दर के खिलाफ बचाव के रूप में कार्य करना, लेकिन सुरक्षा और सुविधा जैसे अतिरिक्त लाभों के साथ। भौतिक सोने के विपरीत, पेपर गोल्ड चोरी, शुद्धता या भंडारण लागत के बारे में चिंताओं से मुक्त होता है। मिसाल के लिए, सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड सरकार द्वारा समर्थित हैं और यहां तक कि समय-समय पर ब्याज भुगतान की पेशकश भी करते हैं, जो उन्हें एक सुरक्षित और आकर्षक विकल्प बनाता है। पेपर गोल्ड उपहार में देकर, आप न सिर्फ एक मूल्यवान संपत्ति दे रहे हैं, बल्कि एक स्मार्ट, परेशानी मुक्त निवेश भी प्रदान कर रहे हैं जो समय के साथ बढ़ सकता है। आप अपनी बहन को सोने की कोई ज्वैलरी भी गिफ्ट कर सकते हैं। आर्थिक संकट के समय वह इस ज्वैलरी को गिरवी रखकर या बेचकर अपनी जरूरत पूरी कर सकती है।

पैसे की बजाय एफडी करवाएं

आप बहनों को पैसे की बजाय फिक्स्ड डिपॉजिट यानी एफडी कराकर दे सकते हैं। एफडी पर उन्हें रिटर्न की गारंटीड मिलेगी और ये विकल्प वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने का बेहतर विकल्प है। एफडी बैंकों और वित्तीय संस्थानों द्वारा पेश किया जाने वाला एक सेविंग विकल्प है। बहनों के नाम गिफ्ट के रूप में कराई गई एफडी एक निश्चित अवधि के लिए बुक कराई जाती हैं और इस पर तय दर के हिसाब से ब्याज भी मिलता है। एफडी पर मिलने वाला ब्याज आमतौर पर नियमित बचत खाते की तुलना में अधिक होता है। एफडी की यही सब खूबियां इसे एक लोकप्रिय और सुरक्षित निवेश विकल्प बनाती है। ऐसा करके, आप उन्हें गारंटीड रिटर्न के साथ सुरक्षित वित्तीय आधार बनाने में मदद कर रहे हैं. निवेश की गई रकम समय के साथ लगातार बढ़ेगी और आपकी बहन मैच्योरिटी पर इसे निकाल सकती है या फिर बेहतर रिटर्न मिलने पर फिर से निवेश करने का विकल्प चुन सकती हैं। यह गिफ्ट न सिर्फ वित्तीय स्थिरता प्रदान करती है, बल्कि अनुशासित बचत का महत्व भी सिखाती है। यह आपके बहन की वित्तीय भलाई और भविष्य की योजना में योगदान करने का एक सरल लेकिन प्रभावी तरीका है। कुल मिलाकर गिफ्ट के रूप में जो पैसा आप बहन को देने वाले हैं, उसकी एफडी कराकर भी दे सकते हैं।

स्टॉक्स में निवेश

ऐसे परिजन जो शेयर बाजार में रुचि रखते हैं, किसी प्रतिष्ठित कंपनी में शेयर उपहार में देना एक रोमांचक और संभावित रूप से आकर्षक विकल्प हो सकता है। शेयर बाजार में निवेश से अधिक रिटर्न मिल सकता है, खासकर जब उचित रिसर्च और नसीहत के साथ किया जाए। अगर आपका बहन शेयर बाजार में निवेश के लिए नया है, तो इस उपहार को कुछ शैक्षिक संसाधनों के साथ जोड़ने पर विचार करें, जैसे कि फिन वन, जो एंजेल वन द्वारा एक वित्तीय जागरूकता मंच है। अगर शेयर मार्केट में निवेश करते हैं तो गिफ्ट के पैसों से कुछ शेयर खरीदकर दे सकते हैं।

हेल्थ इंश्योरेंस

अपने भाई-बहन को हेल्थ इंश्योरेंस उपहार में देना यह दिखाने का सबसे विचारशील और व्यावहारिक तरीका है कि आप उनकी परवाह करते हैं। हेल्थ इंश्योरेंस बीमाधारक के मेडिकल खर्चों को कवर करता है, यह सुनिश्चित करता है कि आपके भाई-बहन को वित्तीय तनाव के बोझ के बिना गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच प्राप्त हो। आज की दुनिया में, जहां स्वास्थ्य देखभाल की लागत बढ़ रही है, एक कॉम्प्रहेंसिव हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी होना जरूरी है। हेल्थ इंश्योरेंस उपहार में देकर, आप न सिर्फ वित्तीय सुरक्षा प्रदान कर रहे हैं, बल्कि मानसिक शांति भी प्रदान कर रहे हैं।

अब तक राज्य में वर्षा जनित घटनाओं में 150 लोगों की मौत

72 सड़कें हो गई 'जाम', 42 योजनाएं भी बाधित

एजेंसी ▶▶ शिमला

हिमाचल प्रदेश में वर्षा के बाद 72 सड़कों को बंद कर दिया गया है और स्थानीय मौसम कार्यालय ने दो सितंबर को भी छिटपुट स्थानों पर भारी बारिश होने की चेतावनी दी है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

राज्य आपात अभियान केंद्र के मुताबिक जिन 72 सड़कों को बंद किया गया है उनमें 35 शिमला में, 15 मंडी में, नौ कुल्लू में तथा 1-1 उना, सिरमौर तथा लाहौल एवं स्पीति जिलों में हैं। उसके अनुसार राज्य में वर्षा के कारण 10 विद्युत एवं 32 जलापूर्ति योजनाएं भी बाधित हुई हैं। केंद्र के मुताबिक 27 जून को मानसून के आगमन से अब तक राज्य में वर्षा जनित घटनाओं में 150 लोगों की मौत हो गई है ।

हिमाचल प्रदेश में बारिश से मचा हाहाकार

बारिश से 1265 करोड़ रुपए का नुकसान

राज्य को वर्षा के चलते 1265 करोड़ रुपए की नुकसान हुआ है। राज्य के कई हिस्सों में शुक्रवार शाम से वर्षा हो रही है। सुंदरनगर में 44.8 मिमी, शिलारू में 43.1 , जुब्बड़हट्टी में 20.4 , मनाली में 17 , शिमला में 15.1 , स्लेपर में 11.3 और डलहौजी में 11 मिमी बारिश हुई। स्थानीय मौसम कार्यालय ने दो सितंबर को राज्य में छिटपुट स्थानों पर भारी बारिश, आंधी और बिजली गिरने का 'येलो' अलर्ट जारी किया है। वहीं दूसरी तरफ बारिश से बेहाल गुजरात में तूफान असना के कारण भारी बारिश होने की संभावना है।

कल 10 जिलों में मूसलाधार बारिश का अलर्ट

हिमाचल प्रदेश के मौसम को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। प्रदेश में भारी बारिश के कारण 72 सड़कें बंद है। मौसम विभाग ने आगामी 2 सितंबर को प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। पिछले कुछ दिनों से राज्य में भारी बारिश और बादल फटने की घटनाएं न होने से लोगों ने राहत की सांस ली थी, लेकिन सितंबर के पहले हफ्ते में भी जमकर बारिश होने की संभावना है।

3 को भारी बारिश और भूस्खलन की संभावना

मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार दो सितंबर को मैदानी और मध्यपर्वतीय इलाकों में भारी वर्षा की चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग ने इन्हीं हिस्सों में तीन सितंबर को मेघ गर्जन और आसमानी बिजली गिरने की आशंका जताई है। लाहौल-स्पीति और किन्नौर को छोड़कर शेष 10 जिलों में यलो अलर्ट जारी करते हुए लोगों को घरों से बाहर निकलते समय एहतियात बरतने के साथ सतर्क रहने की सलाह दी है। यह भी अपील की गई है कि लोग नदी-नालों से दूर रहें और भूस्खलन संभावित इलाकों की यात्रा न करें।

गुजरात में तूफान की आशंका

गुजरात पहले से ही भारी बारिश की मार झेल रहा है और हजारों लोगों को विस्थापित करना पड़ा है। वहीं, कर्नाटक में अरब सागर से सटे इलाकों में रेड अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार देश के उत्तर पूर्वी राज्यों और मध्य भारत में तेज बारिश हो सकती है। वहीं, ओडिशा सहित पांच पूर्वी राज्यों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। दक्षिण भारतीय राज्यों में भी तेज बारिश हो सकती है। हालांकि, दिल्ली और उत्तर प्रदेश सहित अन्य उत्तर भारतीय राज्यों में मौसम सामान्य रहने का अनुमान है। गुजरात के किनारे अरब सागर पर बना तूफान असना भी ओमान की तरफ मुड़ गया है। ऐसे में गुजरात के लोगों ने राहत की सांस ली है।

खबर संक्षेप

दिल्ली कोचिंग मामला, 6 आरोपी 4 दिन की रिमांड

नई दिल्ली। दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर में तीन यूपीएससी अभ्यर्थियों की डूबने से हुई मौत मामले में दिल्ली की एक अदालत ने शनिवार को सभी 6 आरोपियों को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की चार दिन की हिरासत में भेज दिया। सीबीआई ने 6 आरोपियों से पूछताछ को चार दिन के लिए उनकी हिरासत की मांग की थी।

सोमवती अमावस्या पर कटरा-हरिद्वार के लिए ट्रेन

पठानकोट। सोमवती अमावस्या में हरिद्वार जाने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए रेलवे ने हरिद्वार से कटरा के बीच नई ट्रेन शुरू की है। स्पेशल रेलगाड़ी संख्या 04676 श्री माता वैष्णो देवी कटरा से हरिद्वार के लिए रविवार को चलेगी। यह वैष्णो देवी कटरा से शाम 18:10 बजे प्रस्थान करके अगले दिन सुबह 06:30 बजे हरिद्वार पहुंचेगी।

शराब की दुकानों पर चलेंगे म्यूजिक और ऑर्केस्ट्रा

भुवनेश्वर। ओडिशा की नई आबकारी नीति में 'लाइसेंस' प्राप्त शराब की दुकानों में संगीत प्रदर्शन और 'ऑर्केस्ट्रा' की अनुमति दी गई है। लाइसेंसी शराब की दुकानों में नृत्य प्रदर्शन की अनुमति नहीं है। यह नीति एक सितंबर से लागू होगी। जहां परिसर में ही बैठकर शराब पीने की भी व्यवस्था हो, परिसर में नृत्य प्रदर्शन की अनुमति नहीं होगी।

चंपई के बाद लोबिन भी भाजपा में शामिल

रांची। विपक्ष को एक और बड़ा झटका लगा है। चंपई सोरेन के बाद अब लोबिन हेम्ब्रम ने भाजपा का हाथ थाम लिया है। हाल ही में झारखंड मुक्ति मोर्चा ने विधायक लोबिन को 6 साल के लिए निकाल दिया था। पूर्व सीएम मधु कोड़ा, प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी और चंपई सोरेन संग मंच साझा किया।

भारत के सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने पर समारोह में पीएम मोदी बोले

महिला अत्याचार के मामलों में जितनी तेजी से न्याय मिलेगा, उतना ही ज्यादा भरोसा बढ़ेगा

पीएम ने कहा कि आज महिलाओं के खिलाफ अत्याचार, बच्चों की सुरक्षा, समाज की गंभीर चिंता है। देश में महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई कठोर कानून बने हैं, लेकिन हमें इसे और सक्रिय करने की जरूरत है।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत के सर्वोच्च न्यायालय का जिला न्यायपालिका का छह सत्रों वाला दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन शनिवार से शुरू हुआ। इसके उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने टिकट और सिक्के का अनावरण किया। महिलाओं खिलाफ अपराध और बच्चों की सुरक्षा पर भी उन्होंने प्रतिक्रिया दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि महिलाओं के खिलाफ अत्याचार के मामलों में जितनी तेजी से न्याय मिलेगा, उतनी जल्दी आधी आबादी को सुरक्षा का भरोसा मिलेगा।

आज महिलाओं के खिलाफ अत्याचार, बच्चों की सुरक्षा, समाज की गंभीर चिंता है। देश में महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई कठोर कानून बने हैं, लेकिन हमें इसे और सक्रिय करने की जरूरत है। पीएम मोदी के साथ केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कपिल सिब्बल भी इस समारोह का हिस्सा बने। भारत के सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में पीएम मोदी ने भी समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के 75 वर्ष, ये केवल एक संस्था की यात्रा नहीं है। ये यात्रा है, भारत के संविधान और संवैधानिक मूल्यों की। ये यात्रा है, एक लोकतंत्र के रूप में भारत के और परिपक्व होने की।

कानून और न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि उच्चतम न्यायालय अपने स्थापना के 75 वर्ष मना रहा है और देश संविधान लागू होने के 75 वर्ष मना रहा है। ये बहुत ही सुखद संयोग है।

पीएम ने कहा

- भारतीय न्याय संहिता की भावना है- 'नागरिक पहले, गरिमा पहले और न्याय पहले'
- पिछले 10 वर्षों में देश ने न्यायिक संरचना के विकास के लिए लगभग 8 हजार करोड़ रुपए खर्च किए

ईज ऑफ लिविंग के साथ-ईज ऑफ जस्टिस को बढ़ावा

कानून और न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा मजिला न्यायालय हमारी न्यायपालिका का दर्पण है और इन्ही के माध्यम से आम जनता अपने मन में न्यायपालिका की छवि का निर्माण करती है। ये चारों ओर एक सकारात्मक वातावरण का बनाते हैं। सरकार द्वारा न्यायपालिका के साथ कंधा मिलाकर ईज ऑफ लिविंग के साथ ईज ऑफ जस्टिस को बढ़ावा देने सार्थक प्रयास किए गए।

सुप्रीम कोर्ट के ये 75 वर्ष 'मदर ऑफ डेमोक्रेसी' के रूप में भारत के गौरव को बढ़ाने वाले

पीएम ने आगे कहा कि भारत के लोगों ने कभी सुप्रीम कोर्ट पर, हमारी न्यायपालिका पर अविश्वास नहीं किया। इसलिए, सुप्रीम कोर्ट के ये 75 वर्ष, मदर ऑफ डेमोक्रेसी के रूप में भारत के गौरव को और बढ़ाते हैं। आजादी के अमृतकाल में 140 करोड़ देशवासियों का एक ही सपना है- विकसित भारत, नया भारत। नया भारत, यानी - सोच और संकल्प से एक आधुनिक भारत। हमारी न्यायपालिका इस विजन का एक मजबूत स्तंभ है। न्याय में देरी को खत्म करने के लिए बीते एक दशक में कई स्तर पर काम हुए हैं। पिछले 10 वर्षों में देश ने न्यायिक संरचना के विकास के लिए लगभग 8 हजार करोड़ रुपए खर्च किए हैं। पिछले 25 साल में जितनी राशि न्यायिक संरचना पर खर्च की गई, उसका 75 प्रतिशत पिछले 10 वर्षों में ही हुआ है। भारतीय न्याय संहिता के रूप में हमें नया भारतीय न्याय विधान मिला है। इन कानूनों की भावना है- 'नागरिक पहले, गरिमा पहले और न्याय पहले'। हमारे आपराधिक कानून शासक और गुलाम वाली औपनिवेशिक सोच से आजाद हुए हैं।

निचली अदालत में जमानत एक अपवाद

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कपिल सिब्बल कहा कि भारत में आबादी के अनुपात में जजों की संख्या बहुत कम है। जिला एवं सत्र स्तर पर रोस्टर पर बहुत अधिक बोझ है। हमारे ट्रायल कोर्ट, जिला और सत्र न्यायालय को बिना किसी भय के न्याय देने के लिए सशक्त बनाने की आवश्यकता है। न्यायपालिका में यह विश्वास पैदा किया जाना चाहिए कि उनके फैसले उनके खिलाफ नहीं होंगे। वे न्यायप्रणाली की रीढ़ की हड्डी हैं। मैंने अपने करियर में शायद ही उस स्तर पर जमानत मिलते देखी हो। यह केवल मेरा अनुभव नहीं बल्कि मुख्य न्यायाधीश ने भी ऐसा इसलिए कहा क्योंकि शीर्ष अदालतों पर बोझ हैं। निचली अदालत में जमानत एक अपवाद है।

सम्मेलन में सीजेआई ने कही बड़ी बात

क्षेत्रीय भाषाओं में कानूनी शिक्षा मिलेगी तो वकील अपनी मातृभाषा में बहस कर सकेंगे

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने शनिवार को क्षेत्रीय भाषाओं में कानूनी शिक्षा की वकालत की। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा होगा नागरिकों को उनकी समझ में आने वाली भाषा में कानूनी समझ होगी। डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि मैं केवल यह आशा करता हूं कि अब हमारे पास हर क्षेत्रीय भाषा में कानूनी शिक्षा होगी ताकि हम वकीलों के नए ग्रुप तैयार कर सकें जो अदालतों के समक्ष बहस करने और न्याय को बढ़ावा देने के लिए अपनी मातृभाषा में अच्छी तरह से पक्ष रख पाएं। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि कई नागरिक कानूनी प्रतिनिधित्व का खर्च उठाने में असमर्थ हैं। उनमें जागरूकता की कमी है और अदालतों तक पहुंचने में कठिनाइयां हैं। हमारे काम की गुणवत्ता और वे परिस्थितियां, जिनमें हम नागरिकों को न्याय प्रदान करते हैं, यह निर्धारित करती हैं कि उन्हें हम पर भरोसा है या नहीं और यह समाज के प्रति हमारी अपनी जवाबदेही की परीक्षा है।

जिला न्यायालय 'न्यायपालिका की रीढ़'

न्यायपालिका में टेक्नोलॉजी को अपनाने के बारे में बताते हुए मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का संविधान द्वारा मान्यता प्राप्त हर भाषा में अनुवाद किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 73,000 अनुवादित निर्णय सार्वजनिक दायरे में हैं। उन्होंने बताया कि जिला न्यायपालिका न्याय की तलाश में एक नागरिक के लिए संपर्क का पहला बिंदु है। इसलिए जिला न्यायपालिका को जबरदस्त जिम्मेदारी निभाने के लिए कहा जाता है और इसे उपयुक्त रूप से 'न्यायपालिका की रीढ़' भी कहा जाता है।

न्यायाधीशों की जिम्मेदारियों में असाधारण चुनौतियां भी मौजूद

सीजेआई ने कहा कि प्रत्येक न्यायाधीश में न केवल अदालत में पेश होने वाले वकीलों के जीवन को, बल्कि हमारे समाज के वर्तमान और भविष्य को बदलने की क्षमता है। हमें न्यायाधीशों के रूप में यह अहसास होना चाहिए कि हम अपने अस्तित्व से परे कारणों से मौजूद हैं। हमारे कार्य का मूल उद्देश्य दूसरों की सेवा करना है। ऐसा तब हो सकता है जब हम खुद को उन लोगों के स्थान पर रखें जो वास्तविक जीवन में पीड़ा और अन्याय की कहानियां लेकर हमारे सामने आते हैं। चंद्रचूड़ ने कहा कि न्यायाधीशों की विभिन्न जिम्मेदारियां असाधारण चुनौतियां भी लाती हैं। एक न्यायाधीश के लिए उस पीड़ा के वास्तविक चेहरे से प्रभावित न होना मुश्किल है, जिसका सामना हममें से प्रत्येक व्यक्ति हर दिन करता है।

केंद्रीय मंत्री चौहान पहुंचे देवघर

देश और राज्य के विकास व शांति एवं समृद्धि की प्रार्थना की, अभिषेक किया

एजेंसी ▶▶ रांची

केंद्रीय कृषि मंत्री और भाजपा के झारखंड विधानसभा चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान शनिवार को बाबा की नगरी देवघर पहुंचे. वहां उन्होंने अपनी पत्नी के साथ बैद्यनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की और जलाभिषेक किया।

उन्होंने बाबा से देश और राज्य के विकास के साथ-साथ शांति और समृद्धि की प्रार्थना की। देवघर पहुंचने से पूर्व शिवराज सिंह चौहान ने बोकारो हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बातचीत भी की। इस दौरान उन्होंने कहा, पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र की सरकार देश में किसानों को खुशहाल बनाने और खेती की स्थिति को उन्नत करने के प्रति बेहद गंभीर है। खेतों और किसानों को खुशहाल करने की दिशा में सरकार ने अपने कदम बढ़ा दिए हैं। चौहान आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी और रणनीति पर देवघर में नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ मंथन करेंगे।

एमएसएमई मंत्री मांझी ने कहा

खादी का प्रचार-प्रसार करें और इसे व्यापक रूप से जीवन में अपनाएं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री जीतन राम मांझी ने खादी और ग्रामोद्योग आयोग क्षेत्र के प्रदर्शन और खादी महोत्सव की तैयारियों की समीक्षा की।

उन्होंने देश में खादी के व्यापक प्रचार-प्रसार से व्यापक रूप से इसे अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने इसे प्रोत्साहित करने और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन में योगदान के लिए केंद्रीय योजनाओं के कार्यान्वयन की जानकारी दी। बैठक का आयोजन देश में खादी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया। इसमें केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री शोभा और खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के सचिव, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के संयुक्त सचिव, केवीआईसी के सीईओ, और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय,खादी ग्रामोद्योग आयोग के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

विधानसभा चुनाव के चलते रुख में बदलाव दिख रहा

जेडीयू के घोषणापत्र में बड़ा वादा

हम जम्मू-कश्मीर में जेल में बंद कई पत्थरबाजों की करेंगे सुरक्षित रिहाई

एजेंसी ▶▶ नई दिलली

एनडीए की प्रमुख सहयोगी जेडीयू ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव को लेकर जारी किये गये अपने घोषणापत्र में पत्थरबाजों को लेकर नरम रुख अपनाया है जबकि भाजापा का पत्थरबाजों को लेकर अलग रुख है।

जेडीयू ने कश्मीर में पत्थरबाजों के साथ-साथ राजनीतिक कैदियों की रिहाई का भी वादा किया है। राज्य इकाई ने पत्थरबाजों के मामलों की जांच करने और उन्हें जेलों से रिहा करने के लिए केंद्र सरकार से भी अपील की है। जेडीयू ने दावा किया है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय को सैकड़ों पत्थरबाजों के मामलों की समीक्षा करने और जेलों से उनकी रिहाई सुनिश्चित करने के लिए पत्र लिखा है।

840 पत्थरबाज जेलों में बंद

जेडीयू के प्रदेश अध्यक्ष जीएम शाहीन ने कहा कि हमें जानकारी मिली है कि घाटी के कई हिस्सों के 840 पत्थरबाज जेलों में बंद हैं। उन पर तब मामला दर्ज किया गया था जब नेशनल कॉन्फ्रेंस या पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी सत्ता में थी।

जेडीयू का पिछली सरकारों पर निशाना

शाहीन का आरोप है कि पिछली सरकारें इस साठगांठ में शामिल थीं और पैसे के लिए युवाओं को गिरफ्तार कर रही थीं और यही वजह है कि उन सबकी रिहाई के गृह मंत्रालय से मामलों की समीक्षा की मांग करनी पड़ी।

पीएम ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए की शुरुआत

3 नई वंदे भारत ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

'वंदे भारत' भारतीय रेलवे की विकास यात्रा की अहम सबूत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम मोदी ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये तीन नई वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि वंदे भारत आधुनिक होती भारतीय रेलवे का नया चेहरा है। हाई-स्पीड ट्रेनों से लोगों में व्यापार, रोजगार और सपनों को विस्तार देने का भरोसा जगता है।

आज देशभर में 102 वंदे भारत रेलवे सेवाएं संचालित हो रही हैं। पीएम मोदी के 'मेक इन इंडिया' और आत्मनिर्भर भारत के विजन को साकार करते हुए अत्याधुनिक वंदे भारत एक्सप्रेस मेरठ-लखनऊ; मदुरै-बेंगलुरु, चेन्नई-नागरकोइल तीन मार्गों की कनेक्टिविटी में सुधार करेंगी।

पर्यटन एवं स्थानीय रोजगार बढ़ाने में सहायक

पीएम मोदी ने कहा कि ये ट्रेनें जहां से भी संचालित होती हैं वहां पर्यटन में वृद्धि हुई है। स्थानीय व्यवसायों को बढ़ावा मिला है और रोजगार के नए अवसर भी पैदा हुए हैं। दक्षिण भारत में अपार संसाधन और अवसर हैं। 10 वर्षों में इन राज्यों में रेलवे की विकास यात्रा इसका उदाहरण है।

आंध्र प्रदेश में गर्ल्स हॉस्टल के वॉशरूम में हिडन कैमरा

300 वीडियो-फोटो लीक, आरोपी स्टूडेंट गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ कृष्णा

आंध्र प्रदेश में कृष्णा जिले के गुडीवाड़ा में एक इंजीनियरिंग कॉलेज के गर्ल्स वॉशरूम में हिडन कैमरा मिलने के बाद हंगामा हो गया। मामला गुडलावलेरु कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग का है।

इस पर स्टूडेंट्स ने नारेबाजी शुरू कर दी। पुलिस ने इस मामले में कॉलेज में बीटेक फाइनल ईयर के स्टूडेंट विजय कुमार को पकड़ा है। आरोपी का फोन और लैपटॉप भी जब्त कर लिया है। बताया जा रहा हिडन कैमरे से छात्राओं के वीडियो रिकॉर्ड करके बेचे जा रहे थे। अब तक लगभग 300 फोटो-वीडियो लीक हो चुके हैं। सीएम चंद्रबाबू नायडू ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं।

इंजीनियरिंग छात्र ने गर्लफ्रेंड को ब्लैकमेल करने कैमरा लगवाया

सीएम ने दिए घटना की जांच के आदेश

एसपी ने कहा- कोई खुफिया कैमरा नहीं

कृष्णा जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) आर गंगाधर राव ने कॉलेज में प्रारंभिक जांच की और कहा कि पुलिस को जांच के दौरान लड़कियों के हॉस्टल में कोई खुफिया कैमरा नहीं मिला।

हम जल्द ही सरकार को अंतिम रिपोर्ट सौपेंगे उन्नीकृष्णन

मलयालम फिल्म उद्योग में यौन शोषण के आरोपों पर फिल्म एम्प्लॉइज फेडरेशन ऑफ केरल के फिल्म निर्माता बी उन्नीकृष्णन ने सहयोगी यूनियनों की बैठकों को लेकर जानकारी दी है और कहा है कि वे जल्द से जल्द ही इन सभी बैठकों को समाप्त करेंगे और सरकार को अंतिम रिपोर्ट सौपेंगे। हमारा इरादा 4 या 5 सितंबर तक इन सभी बैठकों को समाप्त करने का है। वे आएंगे।

यौन शोषण के आरोप

भाग नहीं रहा: मोहनलाल

चेन्नई। जस्टिस हेमा कमिटी की रिपोर्ट और अपने इस्तीफे को लेकर मोहनलाल ने चुप्पी साधी हुई थी। अब उन्होंने सफाई देते हुए कहा कि वे इस मामले पर देने से भाग नहीं रहे हैं। मैं इंडस्ट्री में जो हो रहा है उसके बारे में बात करने आया हूं। मेरी पत्नी की सर्जरी हुई है। फिल्म के प्रमोशन के चलते मैं व्यस्त था और बात नहीं कर पा रहा था। मैं भाग नहीं रहा हूं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक राजेश मीणा द्वारा अम्बर ऑफसेट प्रा. लि., डी एल टॉवर, 3-ए, विद्याआश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित एवं बी-66, कुसुम विहार, जगतपुरा, मालवीया नगर, जयपुर से प्रकाशित।
सम्पादक-राजेश मीणा, Email : sanjeevnitoday@gmail.com मो: 8094811115, (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)